राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रविंद्र जडेजा ने हार के बावजूद रिकॉर्ड बंव्द्धक में दर्ज करवाया नाम

यूलिया स्विरीडेंको बनीं यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री, निवर्तमान पीएम को रक्षा......... 12

वर्ष : 13 | अंक : 96 | पटना, बुधवार, 16 जुलाई, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

इतिहास रचकर धरती पर लौटे शुभांशु शुक्ला, अंतरिक्ष में 18 दिन बिताये

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एएक्स-4 मिशन के अपने तीन अन्य साथियों के साथ मंगलवार को धरती पर लौट आये। स्पेसएक्स का ड्रैगन अंतरिक्ष यान भारतीय समय के अनुसार दोपहर बाद तीन बजे के करीब समुद्र में उतरा। ग्रुप कैप्टेन शुक्ला और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने आईएसएस पर 18 दिन बिताये। इस दौरान उन्होंने कई वैज्ञानिक अनुसंधानों को अंजाम दिया। चारों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर यान भारतीय समय के अनुसार सोमवार दोपहर बाद चार बजकर 35 मिनट पर आईएसएस से रवाना हुआ था। बाइस घंटे से ज्यादा के सफर के बाद यान अमेरिका के कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में उतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि पर शुभांशु शुक्ला को समस्त देशवासियों की तरफ से बधाई दी है। उन्होंने इसे देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए एक और मील का पत्थर बताया है। आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला इस मिशन में पायलट के तौर पर शामिल हुए थे। अपने साथियों के साथ वहां उन्होंने कई अनुसंधान मिशनों को अंजाम दिया, जिनमें इसरो द्वारा तैयार किये गये मिशन भी शामिल थे। भारतीय वायु सेना में टेस्ट पायलट शुक्ला देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए चयनित संभावित क्रू में भी शामिल हैं। वह इस क्रू में एक मात्र ऐसे सदस्य बन गये हैं, जिनके पास अब अंतरिक्ष यात्रा का अनुभव है, जो मिशन के लिए महत्वपूर्ण है। एएक्स-4 मिशन की लॉन्चिंग 25 जून को हुई थी और मिशन 26 जून को आईएसएस पहुंचा था। ग्रुप कैप्टेन शुक्ला राकेश शर्मा के 41 साल बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे और आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय हैं। भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक कल्पना चावला और सुनीत विलियम्स नासा के मिशनों में आईएसएस पर जा

बधाईयों का तांता, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। शुभांशु की वापसी पर पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई लोगों ने शुभांशु को वापसी की बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए शुभांशु का स्वागत किया है। पीएम मोदी ने लिखा, अंतरिक्ष में अपने ऐतिहासिक मिशन के बाद शुभांशु ने धरती पर वापसी की है। सभी देशवासियों के साथ मैं भी शुभांशु के स्वागत में शामिल हूं। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री बने शुभांशु अपने लगन और साहस से करोड़ों लोगों के सपनों को मजबूत किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर साबित हो सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, एएक्स-4 मिशन मिशन के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक वापसी पर सभी भारतीयों को गर्व है। केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह ने भी शुभांशु की वापसी पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, शुभांशु ने अंतरिक्ष में जो भी एक्सपेरिमेंट किए हैं, उनसे पूरी दुनिया को फायदा होगा। भारत ने अपनी क्षमता साबित कर दी है।

सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक, 30 प्रस्ताव स्वीकृत

कैबिनेट फैसला : बिहार में1 करोड़ युवाओं को मिलेगा नौकरी और रोजगार

- अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी व रोजगार के लक्ष्य को मंजूरी

प्रात : किरण

पटना। सूबे में अगले पांच वर्षों में 2025-30 के दौरान एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगी। बैठक में अगले पांच वर्षों यानी 2030 तक एक करोड़ नौकरी और रोजगार के अवसर पैदा करने सहित कुल 30 निर्णय लिए गए। कैबिनेट सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कैबिनेट बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि ये नौकरी और रोजगार के अवसर सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में सृजित किए जाएंगे, साथ ही सरकार से किसी भी रूप में सहायता प्राप्त करने वाली फर्मों, उद्यमियों में भी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि बैठक में विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक 12 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया, जो इस उद्देश्य के लिए सभी संभावनाओं और विकल्पों पर विचार करने के बाद सरकार को अपने सुझाव देगी। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में, कैबिनेट ने सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ उन गैर-कॉर्पोरेट करदाताओं को भी देने का निर्णय लिया, जो राज्य के निवासी हैं और जिनका व्यवसाय राज्य में पंजीकृत है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वाणिज्य कर विभाग के प्रस्ताव बिहार व्यवसायी दुर्घटना मृत्यु अनुदान योजना, 2025 को मंजूरी दे दी गई है। इस प्रस्ताव के अनुसार, राज्य सरकार किसी व्यवसायी की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उसके निकटतम परिजन को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देगी, बशर्ते व्यवसायी बिहार का निवासी हो या उसने राज्य में अपना व्यवसाय पंजीकृत कराया हो। राज्य के व्यवसायियों को लाभ पहुंचाने के अलावा, यह जीएसटी करदाताओं को भी कवर करेगा। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को एकमुश्त राशि के भुगतान के लिए 394.41 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता भी स्वीकृत की है। उन्होंने आगे कहा कि गैर-सहायता प्राप्त शिक्षा नीति को समाप्त करने के बाद, सरकार विभिन्न प्रभागों में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या के आधार पर ऐसे विद्यालयों को अनुदान देती है।

मेट्रो रेल परियोजना : 179.37 करोड़ राशि स्वीकृत

पटना मेट्रो के प्राथमिकता वाले कॉरिडोर के रखरखाव के लिए धनराशि स्वीकृत -सिद्धार्थ ने बताया कि पटना मेट्रो रेल परियोजना के प्राथमिकता वाले कॉरिडोर के रखरखाव के लिए दो साल आठ महीने (अगस्त 2025 और मार्च 2028) की अवधि के लिए 179.37 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की गई है। उन्होंने आगे बताया कि यह राशि दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को दी जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने तीन-कार सिंगल ट्रेनसेट मेट्रो को तीन साल की अवधि के लिए किराए पर लेने के लिए 21.15 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की। गौरतलब है कि मेट्रो ट्रेन सबसे पहले मलाही पकरी और न्यू आईएसबीटी के बीच एक एलिवेटेड सेक्शन पर प्राथमिकता वाले कॉरिडोर पर अपनी सेवा शुरू करेगी। पटना की ही तरह भागलपुर और मुंगेर में गंगा पर परियोजना को मंत्रिमंडल ने अपनी मंजूरी दी है। इसके तहत भागलपुर में सुल्तानगंज-भागलपुर-सबोर के बीच 40.80 किलोमीटर लंबा पथ बनेगा। इसके लिए 4,850 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। मुंगेर जिले में भी गंगा पथ परियोजना को मंजूरी दी गई है। मुंगेर -बरियारपुर-घोरघट -सुल्तानगंज के बीच 42 किलोमीटर लंबा पथ बनेगा और इसके लिए 5,120 करोड़ रुपये की स्वीकृत दी गई ।

बीएलओ के छह हजार मानदेय

बिहार कैबिनेट की बैठक में निर्वाचन विभाग से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में बीएलओ को तोहफा दिया गया है। बूथ लेवल ऑफिसर को 6000 रुपये का एकमुश्त मानदेय-मंत्रिमंडल ने राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के लिए 77,895 बूथ लेवल ऑफिसर और 8245 बीएलओ पर्यवेक्षकों को 6000 रुपये का एकमुश्त मानदेय देने का निर्णय लिया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि इस हेतु 51.68 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।बिहार कैबिनेट की बैठक में चार डॉक्टरों को बर्खास्त करने को लेकर भी निर्णय लिया गया है। इसके तहत लखीसराय में पोस्टेड डॉक्टर कृतिका सिंह, डॉ कृति किरण, बेगूसराय में पोस्टेड डॉक्टर चंदना कुमारी और जमुई में तैनात डॉक्टर निमीषा रानी को सरकारी सेवा से बर्खास्त करने का फैसला लिया गया है।

योजनाओं का काम निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पूरा हो : नीतीश

- मुख्यमंत्री ने समस्तीपुर जिला के सरायरंजन प्रखंड में 522 करोड़ रुपए से अधिक की विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को समस्तीपुर जिला के सरायरंजन प्रखंड में 522.77 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सरायरंजन प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत मणिका स्थित राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय से 200.67 करोड़ रुपए की लागत वाली तीन योजनाओं से संबंधित शिलापट्ट का अनावरण कर शिलान्यास किया। इनमें 62.25 करोड़ रुपए की लागत से शिवाजीनगर प्रखंड में करेह नदी के शंकरपुर घाट पर 12:27.800 मी० का उच्चस्तरीय आर०सी०सी० पुल एवं पहुँच पथ का निर्माण कार्य, 42.308 करोड़ रुपए की लागत से मणिका एसएच-88 से विक्रमपुर एनएच०-322 तक बाईपास पथ का निर्माण कार्य एवं 96.11 करोड़ रुपए की लागत से रोसड़ा-शिवाजीनगर-बरियाही घाट-बहेड़ी पथ का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य शामिल है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप पुदुकलकट्टी ने साइट प्लान के माध्यम से शिलान्यास किए गए विकास योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने समस्तीपुर जिला के सरायरंजन प्रखंड अंतर्गत मुसापुर ग्राम पंचायत स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर से बलान एवं जमुआरी नदी के गाद उड़ाही कार्य के शिलापट्ट का अनावरण कर शिलान्यास किया, इसकी कुल लागत राशि 322.10 करोड़ रुपया है। जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने मुख्यमंत्री को साइट प्लान के माध्यम से बलान एवं जमुआरी नदी के गाद उड़ाही कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आज शिलान्यास किए गए विकास योजनाओं का काम निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप ठीक ढंग से पूर्ण हो, इसका विशेष रूप से ख्याल रखें। हमलोग प्रारम्भ से ही हर क्षेत्र में विकास का काम कराते रहे हैं। सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल, अस्पताल से लेकर हर आवश्यक बुनियादी सुविधाएं बेहतर ढंग से लोगों तक पहुंचे, इसके लिए हमलोग निरंतर लगे रहते हैं। बलान और जमुआरी नदी के गाद की उड़ाही हो जाने से लोगों को काफी लाभ मिलेगा।

प्रगति यात्रा के दौरान की घोषणाओं का शिलान्यास

ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के प्रथम चरण में 13 जनवरी 2025 को समस्तीपुर जिला में भ्रमण के दौरान आज शिलान्यास किए गए विकास योजनाओं की घोषणा की थी। इनमें बलान एवं जमुआरी नदी के गाद उड़ाही कार्य के अंतर्गत बलान नदी के किमी 0.00 (समस्तीपुर जिलान्तर्गत मुसापुर ग्राम के नजदीक) से किमी 78.70 (बेगूसराय जिलान्तर्गत नउला ग्राम के निकट भीठ स्लूईस) तक नदी के तल सफाई कार्य के साथ जमुआरी नदी के किमी 0.00 मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत हरसिंगपुर ग्राम के समीप (ढोली स्लूईस) से किमी 54.06 तक (ग्राम मुसापुर) समस्तीपुर जिलान्तर्गत नदी के तल में जमे गाद की सफाई, दो अदद् चेक डैम एवं विभिन्न बिन्दुओं पर 33 द्विपथीय सेतु का निर्माण कार्य रू0322.10 करोड़ की लागत से प्रारम्भ की जा रही है। इस योजना के कार्यान्वयन से बलान एवं जमुआरी नदी में ग्रीष्मकाल में भी पर्याप्त पानी का जलस्तर बना रहेगा जिससे नदी के दोनों तरफ बसे हुए गाँव में भूमिगत जल की समस्या का समाधान होगा। साथ ही साथ बाढ़ की अवधि में नदी के दोनों तरफ बसे हुए इलाको में पानी का अनावश्यक फैलाव तथा जल जमाव के समस्या का समाधान भी होगा जिससे ग्रामीण जनता को इसका समुचित लाभ मिलेगा।

अब जमीन की खरीद-बिक्री के साथ नक्शा भी अपडेट

- बिहार में एकीकृत भू अभिलेख प्रबंधन प्रणाली स्थानिक दाखिल खारिज पोर्टल की शुरूआत

प्रात : किरण

पटना। राज्य के नागरिक अब घर बैठे अपनी जमीन से जुड़े नक्शे, सर्वेक्षण की स्थिति और आवेदन की प्रगति ऑनलाइन देख सकेंगे। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने डिजिटल भू-अभिलेख प्रबंधन को एक नई दिशा देते हुए मंगलवार को एकीकृत भू अभिलेख प्रबंधन प्रणाली स्थानिक दाखिल खारिज पोर्टल की शुरूआत की। इसका उद्घाटन पटना के सर्वे भवन में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने किया। उन्होंने कहा कि डिजिटाइजेशन विभाग का महत्वपूर्ण कार्य है। झोला युग को समाप्त कर लैपटॉप युग की शुरूआत हो गई है। विशेष सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण होते ही स्थानिक दाखिल खारिज का लाभ सभी को मिलने लगेगा। त्वरित न्याय और त्वरित काम मुख्य उद्देश्य है। इस उच्च तकनीक प्रणाली से काम करने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। आम लोगों को इस एकीकृत प्रणाली का बहुत लाभ मिलेगा और विवाद का समापन होगा। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रणाली को उन सभी गांवों में लॉन्च करने का प्लान है जहां विशेष सर्वेक्षण के तहत अंतिम अधिकार अभिलेख प्रकाशित हो गया है। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि ये टीम की लंबी मेहनत का परिणाम है। इसके लिए पूरी टीम बधाई की पात्र है। सचिव श्री जय सिंह ने कहा कि विभाग का आईआईटी, रुड़की से समन्वय राजस्व के कार्यों को नई प्रगति दे रहा है। इस प्रणाली से एक भाई अगर अपना हिस्सा बेचता है तो उसका नक्शा भी स्वतः उसके साथ लग जाएगा। जॉइंट प्रॉपर्टी में किसने अपना कहाँ का हिस्सा बेचा यह जानकारी आसानी से पता चल पायेगी। वर्तमान में तीन जिलों के 80 से अधिक गांवों से इसकी शुरूआत हो रही है। इसके बाद फीडबैक के आधार पर क्रमवार इसमें सुधार किया जाएगा। आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर कमल जैन ने कहा कि एकीकृत भू अभिलेख प्रबंधन प्रणाली के तहत स्थानिक दाखिल खारिज की शुरूआत करने वाला बिहार देश का पहला राज्य बन गया है। आई आई टी, रुड़की द्वारा विकसित और इसमें प्रयोग किया गया जीआईएस सॉल्यूशन मेक इन इंडिया के तहत किया गया है। इससे पहले उपरोक्त सॉल्यूशन पर होने वाले सारे कार्य विदेशी तकनीक पर आधारित थे और उसका हमेशा लागत देना पड़ता है। इसमें ऐसा नहीं है। हमारे सॉल्यूशन में एक बार जो लागत आई वही खर्च हुआ।

बिहार एसआईआर : अब तक 86.32 प्रतिशत गणना प्रपत्र जमा

प्रात : किरण

पटना। मतदाता सूची के प्रारूप में सभी पात्र मतदाताओं का नाम शामिल हो, यह सुनिश्चित करने हेतु कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है। बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत शेष मतदाताओं से भरे हुए गणना प्रपत्र एकत्र करने के लिए लगभग एक लाख बीएलओ द्वारा घर-घर भ्रमण का तीसरा चरण शीघ्र ही शुरू होने जा रहा है। बीएलओ उन घरों में पुनः जाएंगे जहां पहले के दौरों में मतदाता अस्थायी रूप से अनुपस्थित थे। बिहार एसआईआर के अंतर्गत भरे हुए गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि को अब 10 दिन शेष हैं। बिहार के कुल 7,89,69,844 मतदाताओं में से 6,81,67,861 यानी 86.32 प्रतिशत के ईएफ एकत्र किए जा चुके हैं। मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित तथा एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत लोगों को ध्यान में रखते हुए, कुल मतदाता आधार का 90.84 प्रतिशत भाग ईएफ संग्रहण के दायरे में आ चुका है। अब केवल 9.16% मतदाताओं को 25 जुलाई की समय सीमा से पहले अपने ईएफ जमा करने हैं।

सभी 261 नगरीय निकायों के 5,683 वार्डों में विशेष कैंप लगाए गए हैं और समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कर शेष बचे मतदाताओं को समय पर ईएफ भरने और 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने हेतु जागरूक किया जा रहा है। बीएलओ ऐसे मतदाताओं को अपने मोबाइल फोन के माध्यम से ऐप या वेबसाइट पर ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

बिहार सरकार

ग्रामीण कार्य विभाग

ग्रामीण कार्य विभाग के संवेदकों हेतु महत्त्वपूर्ण सूचना : 04

ग्रामीण सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता सर्वोपरि

ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा RRSMP, MMGSY एवं अन्य योजनाओं के अंतर्गत प्रदेश भर में ग्रामीण सड़कों के निर्माण हेतु व्यापक कार्य प्रारंभ किये गये हैं।

इन कार्यों की सफलता एवं टिकाऊपन हेतु संवेदकों को निम्नलिखित निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा :

01 निर्माण की गुणवत्ता से न हो कोई समझौता
- सड़क निर्माण के सभी कार्य निर्धारित विशिष्टियों एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप ही कराएं।

02 GSB कार्य में सावधानी
- Screening Material की गुणवत्ता सुनिश्चित करें, ताकि GSB की मजबूती बनी रहे।

03 Bitumen की मात्रा और स्रोत पर ध्यान दें
- निर्माण में प्रयुक्त Bitumen की मात्रा निर्धारित मानकों के अनुसार हो तथा Emulsion की खरीद केवल अधिकृत स्रोतों से ही करें।

विभाग द्वारा ग्रामीण सड़कों के सभी निर्माण कार्यों की सघन निगरानी की जा रही है। किसी भी स्तर पर गुणवत्ता में कमी पाई जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

Follow Us @IPRDBihar BiharRRD /BiharRuralDevelopment

PR No.- 008673 (RWD)D. 2025-26

संक्षिप्त खबरें

फतुहा में एक माह के लिए पटना-धनबाद इंटरसिटी का ठहराव

फतुहा। मंगलवार को फतुहा रेलवे स्टेशन पर श्रावणी मेला को लेकर रेलवे ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की मांग पर एक माह के लिए पटना-धनबाद इंटरसिटी का अप और डाउन में ठहराव दिया है। मंगलवार की सुबह फतुहा स्टेशन पर ट्रेन के पहुँचते ही भाजपा नेताओं ने भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी के नेतृत्व में ट्रेन के ड्राइवर और रेलवे के अधिकारियों को अंगवस्त्र देकर और फतुहा का मशहूर मिरजई मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस मौके पर स्टेशन प्रबंधक रंजीत कुमार, भाजपा नेता संतोष यादव, भाजपा नेता मुन्ना सिंह, छोटू सिंह, बीर बहादुर सिंह, लक्ष्मण साहु, सच्चिदानंद यादव, मनीष कुमारी, पिंकी साहु, पुनम कुमारी, सुनील वर्मा, सुरजीत कुमार, संजय पासवान, रविन्द्र यादव, समाजसेवी शिशुपाल कुमार, वार्ड पार्षद अजीत चंद्रवंशी समेत दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

रंजीत यादव को बनाया गया शेखपुरा विधानसभा प्रभारी

फतुहा। फतुहा निवासी लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पटना ग्रामीण जिलाध्यक्ष रंजीत यादव को शेखपुरा का विधानसभा प्रभारी बनाया गया है। इस संबंध में लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रदेश अध्यक्ष ने पत्र जारी किया है। वहीं रंजीत यादव ने बताया कि आगामी 19 जुलाई को मुंगेर के पोलो ग्राउंड में आयोजित होने वाले नव संकल्प महासभा को सफल बनाना है। इसमें लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान मुख्य अतिथि होंगे। आगामी विधानसभा चुनाव में लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) चौंकाने वाली प्रदर्शन करेगी। हम अपने शीर्ष नेतृत्व एवं सभी कार्यकर्ता भाइयों को अपने दिल के गहराई से आभार व्यक्त करता हूँ और अपने कार्य क्षेत्र में हर कार्यक्रम को सफल बनाने के हर सम्भव प्रयास करेंगे।

गंगा नदी के जलस्तर बढ़ने से दियारा वासियों की बढ़ने लगी परेशानी

दानापुर। नगर के अंतर्गत गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से दियारा क्षेत्र में कटाव शुरू हो गया है। जिससे दियारा वासियों की परेशानी बढ़ने लगी है।कटाव अभी हेतनपुर गांव के पूर्वारी टोला में शुरू हुआ है।जिस जगह कटाव अवरोधक कार्य किया गया, वहां कटाव शुरू हुआ है।कटाव पर तत्काल रोक नहीं लगाया गया तो खेतिहर जमीन चपेट में आने लगेगी। हेतनपुर पंचायत के मुखिया पति मनिन्द्र सिंह यादव ने बताया कि पंचायत में जिस जगह कटाव शुरू हुआ है।वहां दो महीना पहले ही कटाव अवरोधक जीओ बैग पीचिंग बिछाया गया था। ताकि कटाव से दियारा को बचाया जा सके।करीब साढ़े छह करोड़ रुपए की राशि बैग पीचिंग में खर्च किया गया। बताया कि बैग में बालू भरकर बिछाया गया था।जो पानी की तेज धारा बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने लांच किया टर्बो जेल तकनीक वाला पहला नमी-रोधी सीमेंट

पटना। जेएसडब्ल्यू ग्रुप की यूनिट जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने सीएचडी जल कवच के लांच की घोषणा की। यह एक क्रांतिकारी सुपर-प्रीमियम जल रोधी सीमेंट है, जिसे विशेष रूप से पश्चिम बंगाल और बिहार में घरों को अत्यधिक नमी से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए तैयार किया गया है। टर्बो जेल टेक्नोलॉजी से युक्त यह नया उत्पाद मजबूती, टिकाऊपन और नमी प्रतिरोध को एक साथ समाहित करता है, जिससे सीमेंट की दुनिया में एक नया मानक स्थापित होता है। लांच की घोषणा करते हुए जेएसडब्ल्यू सीमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीलेश नार्वेकर ने कहा, पूर्वी भारत में भारी मानसून और अधिक आर्द्रता के कारण कंक्रीट संरचनाओं की उम्र घट जाती है। सीएचडी जल कवच के माध्यम से हम एक विशेष समाधान प्रदान कर रहे हैं, जो घरों को सीलन, नमी और जंग से सक्रिय रूप से सुरक्षा देता है। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबिलिटी हमारी पर्यावरण की दृष्टि से भी यह सीमेंट बेहतर है क्योंकि यह स्लैग-बेस्ड है, जो जेएसडब्ल्यू सीमेंट की एक बड़ी खासियत है। सस्टेनेबिलिटी का मूल आधार यह है कि सीएचडी जल कवच एक स्लैग-बेस्ड सीमेंट है, जो जेएसडब्ल्यू सीमेंट की प्रमुख ताकत है। वहीं मुख्य विपणन अधिकारी हितेंद्र जरीवाला ने कहा, सीएचडी जल कवच के साथ हम सीमेंट की ताकत को एक नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं।

बदलते मौसम : वर्षा ऋत्तु में बढ़ जाती है पेट की समस्या
आयुर्वेद में है सुरक्षित निदान : वैद्य (प्रो) दिनेश्वर प्रसाद

इस ऋत्तु में भारी, चिकनाईयुक्त, बासी या दूषित भोजन करने से बचना चाहिए

- पेट में भारीपन, भूख न लगना, डकारों का न आना, कब्ज या दस्त की स्थिति बनती है तो तुरंत लें चिकित्सीय सलाह

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। वर्षा ऋतु, आयुर्वेद के अनुसार आदान काल के पश्चात आने वाली ऋतु है। जिसमें सूर्य की ऊर्जा और तेज कमजोर होता है, तथा वातावरण में आर्द्रता और नमी अधिक होती है। इस ऋतु में पाचन की अग्नि मंद पड़ जाती है और वात दोष प्रबल हो जाता है। जलवायु में अस्थिरता, भारी आहार, दूषित जल, नमी एवं स्वच्छता की कमी से अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न होते हैं। वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से निम्न प्रकार के रोग होते हैं , जिनका कारण एवं आयुर्वेदिक दृष्टिकोण इस प्रकार का होता है यथा :-

अजीर्ण (अपच या अनपच) को कहा जाता है। वर्षा ऋतु में अग्नि मंद हो जाती है, जिससे पाचन क्षमता घट जाती है। प्रायः भारी, चिकनाईयुक्त, बासी या दूषित भोजन करने से अजीर्ण उत्पन्न होता है। पेट में भारीपन, भूख न लगना, डकारों का न आना, कब्ज या दस्त की स्थिति बनती है।इस रोग में उपचार के लिए: त्रिकटु चूर्ण, लवण भास्कर चूर्ण, हिंगवाष्टक चूर्ण, अग्नितुंडी वटी डाक्टर के परामर्श से दिया जा सकता है साथ साथ भोजन में हल्का सुपाच्य भोजन (जैसे मूंग की खिचड़ी) एवं अदरक-नींबू का सेवन लाभकारी है। ज्वर (बुखार) वर्षा ऋतु में वात व कफ के साथ आम का संयोग होने से विषमज्वर (मलेरिया टाइफाइड जैसे लक्षण), से युक्त वातज या कफज ज्वर उत्पन्न होते हैं। बुखार के साथ शरीर में थकान, कंपकंपी, सिरदर्द व पसीना हो सकता है। इस तरह के बुखार होने पर उपचार के रुप में संजीवनी वटी, अमृता (गिलोय) क्वाथ, सुदर्शन चूर्ण, त्रिभुवन कीर्ति रस का प्रयोग किसी योग्य वैद्य की देखरेख में करना चाहिए।

अतिसार (दस्त/डायरिया डिसेनटरी) यानि पेचीस

दूषित जल और गलत भोजन के सेवन से अतिसार (दस्त) अधिक होता है। बार-बार पतला मल आना, पेट में मरोड़, कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हैं। समान्यतः वात या कफ दोष के कारण यह विकृति उत्पन्न होती है इस तरह की समस्या होने पर उपचार के रूप में बेलगिरी का चूर्ण, नागकेशर चूर्ण, मुस्ता चूर्ण, वत्सकादि क्वाथ के साथ पानी के स्थान पर बेल पानी, नारियल पानी व सादा छाछ उपयोगी होता है।

संधिवात / आमवात / गठीया सायटिका ईत्यादि (वात रोग)

वर्षा ऋतु में वातवर्धन के कारण होता है। जोड़ों में दर्द, अकड़न, सूजन, चलने-फिरने में कठिनाई जैसे लक्षण प्रकट होते हैं। यह रोग प्रायः उन व्यक्तियों में होता है जो बर्षा या आलस्य के कारण घुमने फिरने यानि टहलने में कोताही करते हैं, इस तरह के रोग या लक्षण होने पर डाक्टर के परामर्श से शुंठि चुर्ण, त्रिकटु,चूर्ण, पंचकोल चूर्ण, योगराज गुग्गुल ईत्यादि दिया जा सकता है।

त्वचा विकार (फंगल इन्फेक्शन, खुजली, दाद ईत्यादि के तरह के कुछ एक रोग बारिश के कारण शरीर पर नमी बने रहने से त्वचा पर फंगल संक्रमण के कारण होता है। पैरों, जांघों और शरीर के गुप्त स्थानों में लालिमा, खुजली, दाद आदि उत्पन्न हो जाते हैं।इस तरह के रोगों के उपचार के लिए नीम पत्र का उबटन, पंचनिम्बादि क्वाथ, गंधक रसायन, आरोग्यवर्धिनी वटी के उपयोग के साथ साथ शरीर को सूखा व स्वच्छ रखें।सरसों तैल में कर्पूर डालकर पुरे बदन का मालिश उसके पश्चात स्नान करना हितकारी है प्रतिश्याय,साईनस, नजला (सर्दी-खांसी-जुकाम) वर्षा ऋतु में वातावरण में नमी और ठंडी हवा के कारण श्वसन तंत्र पर प्रभाव पड़ता है। गले में खराश, नाक बहना, सिर में भारीपन रहना जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं।इस तरह के रोगों के उपचार के लिए तालीसादी चूर्ण, सितोपलादि चूर्ण, त्रिकटु, तुलसी-अदरक, गोलकी का काढ़ा। नस्य क्रिया (नाक में तेल डालना) ‍झ जैसे अणुतैल, षड़विन्दु तैल या शुद्ध तिल तेल अथवा सरसों का तैल नाक में प्रतिदिन सुबह सुबह डालना लाभदायक होता है। वर्षा ऋतु में उपरोक्त बुझाओ का पालन करना तथा आयुर्वेदिक दिनचर्या एवं सावधानियों पर भी ध्यान देना चाहिए यथा हर वक़्त

भोजनः हल्का, सुपाच्य, गर्म एवं सात्म्य यानि पचने लायक लें। खिचड़ी, सूप, छाछ, अदरक-नींबू का सेवन करें। बासी, भारी, तला हुआ,पैकेट फुड, जंक फुड, फास्ट फुड, कोल्डड्रिंक,आईस या फ्रीज में रखा हुआ भोज्य पदार्थ तथा अत्यधिक मांसाहार से बचें।

जल सेवन में भी केवल उबला हुआ या औषध युक्त जल पियें (जैसे सौंफ, जीरा, त्रिफला मिला कर) ।स्वच्छता का ध्यान रखें,गीले कपड़े तुरंत बदलें। नमी से त्वचा को सुरक्षित रखें। पैरों को धोकर सुखाएं।साथ साथ नियमित रूप से योग-प्राणायाम के अन्तर्गत पवनमुक्तासन, वज्रासन, अनुलोम-विलोम जैसे योगासन, एवं प्राणायाम भी पाचन सुधारते हैं तथा वात संतुलन में सहायक हैं।पंचकर्मः यदि शरीर में विषाक्तता या वातजन्य जटिल लक्षण हों तो चिकित्सक की देखरेख में बस्ति, स्वेदन व वमन आदि पंचकर्म कराना श्रेष्ठ होता है। निष्कर्षःवर्षा ऋतु प्राकृतिक सौंदर्य से भरी होती है, परन्तु शरीर की प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता इस ऋतु में कमजोर पड़ जाती है। अतः आयुर्वेद की शरण में रहकर, उचित आहार-विहार, औषधि व पंचकर्म के माध्यम से इन रोगों से पूर्णतः बचाव संभव है।

विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस पर जेंडर अफर्मेशन केयर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

- प्लास्टिक सर्जरी जेंडर-डायवर्स व्यक्तियों को सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है: डॉ. वीणा

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। एम्स पटना द्वारा जेंडर अफर्मेशन केयर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों, छात्रों और सहायक कर्मचारियों के बीच जेंडर-अफर्मिंग स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और क्षमता निर्माण करना था। साथ में विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) सौरभ वार्ष्णेय के संदेश से हुई। इस अवसर पर डीन डॉ. संजय पांडेय, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. चांदनी सिन्हा और प्लास्टिक सर्जरी विभाग की प्रमुख डॉ. वीणा कुमारी सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट सुश्री रेशमा प्रसाद और सुश्री अनुप्रिया सिंह और एम्स दिल्ली के प्लास्टिक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ मनीष सिंहल की भी उपस्थिति रही।साथ में साइकियाट्री के डॉ पंकज, यूरोलॉजी के डॉ कमलेश, डॉ विपिन, गायनेकोलॉजी से डॉ मुक्ता, एंडोक्रिनोलॉजी से डॉ सिद्धनाथ की उपस्थिति रही। अपने उद्बोधन में डॉ. वीणा ने बताया कि प्लास्टिक सर्जरी जेंडर-डायवर्स व्यक्तियों को सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और जेंडर अफर्मेशन केयर के लिए एक संवेदनशील, बहु-आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। कार्यक्रम में आम जनता में प्लास्टिक सर्जरी के प्रति जागरूकता फैलाने के महत्व को रेखांकित किया गया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के विजन को गांव गांव में लोगों तक पहुंचाना है दीनानाथ यादव

दानापुर। नगर के अंतर्गत मंगलवार को आईपीएस मोड़ के निकट पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करते हुए भाई वीरेंद्र ने कहा पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के विजन को गांव गांव में लोगों तक पहुंचाना है। आगामी विधानसभा में हमारी सरकार बनेगी और सभी घोषणाओं का अमल किया जाएगा। उक्त बातें मंगलवार को राजद विधायक भाई विरेन्द्र यादव ने आरपीएस मोड़ और मंगलम मोड़ के बीच ब्रांच रोड में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा। उन्होंने मतदाता पुनरीक्षण कार्य को केन्द्र सरकार द्वारा एक सोची-समझी साजिश करार दिया। दीनानाथ यादव ने यह कार्यालय खोलकर पार्टी हित में कार्य किए हैं।अपने नेता के विजन को मिशन तक पहुंचाने में अच्छा होगा। अतिथियों का स्वागत दीनानाथ यादव ने किया।

एसेंट सोमनाथ क्लासेज में छात्र हुए पुरस्कृत

प्रात :किरण संवाददाता

फतुहा। मंगलवार को कच्ची दरगाह स्थित एसेंट सोमनाथ क्लासेज ने अर्द्ध वार्षिक परीक्षा आयोजित कर अधिक उत्तीर्ण छात्रों को समारोह पूर्वक पुरस्कृत किया। जिसमें षष्ठम वर्ग में हंसिका कुमारी (प्रथम), अगरिमा सिंह (द्वितीय), काजल कुमारी (तृतीय), सप्तम वर्ग में अंजली कुमारी (प्रथम), तृप्ति कुमारी (द्वितीय), कोमल कुमारी (तृतीय), अष्टम वर्ग में सूर्या कुमार (प्रथम), आयुष नंदन (द्वितीय), नंदनी कुमारी (तृतीय), नवम वर्ग में असमीका कुमारी (प्रथम), आदित्य आनंद (द्वितीय), ज्योति कुमारी (तृतीय), दशम वर्ग (पुरुष) में कौशल कुमार (प्रथम), आर्यन कुमार (द्वितीय), मुस्कान कुमारी (तृतीय), दशम वर्ग (स्त्री) में खुशबू कुमारी (प्रथम), मुस्कान कुमारी (द्वितीय), स्वर्ण प्रिया (तृतीय), इंटर में सोनाली कुमारी (प्रथम), रिसा कुमारी (द्वितीय), खुशी राज (तृतीय) एवं अन्य छात्रों को शील्ड, मेडल और नकद देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं दशम वर्ग गुंजा कुमारी ने हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान में कई पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए व्यवस्थापक सोमनाथ सर ने छात्रों बताया कि बच्चों को शार्टकट से बचना चाहिए, कठिन परिश्रम से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वहीं डायरेक्टर कुंदन सर ने बताया हमारे संस्थान में बेहतर पढ़ाई के लिए बेहतर शिक्षक मौजूद हैं। छात्रों को इसका लाभ लेना चाहिए। कार्यक्रम में दीनानाथ सर, सुनिल सर, राहुल सर, कमलेन्द्र सर, नीतीश सर, आशीष सर एवं सैंकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पठारी क्षेत्र के अनुसूचित जाति एससी किसानों को मिलेगा मछली पर 80 प्रतिशत अनुदान

इसका लाभ लेने के लिए लाभुक के पास निजी या लीज पर भूमि का होना आवश्यक है

- तालाब निर्माण के लिए अनुसूचित जाति के किसान 31 अगस्त तक कर सकते हैं आवेदन
- यह योजना दक्षिणी बिहार के चिन्हित पठार बाहुल्य बांका, औरंगाबाद, गया कैमूर, नवादा, जमुई, मुंगेर एवं रोहतास जिले के लिए है

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने पठारी क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जाति (एससी) के किसानों के लिए तालाब निर्माण आधारित मत्स्य पालन की ‍ह्लपूरक योजना‍ह्व शुरू की है। इस योजना का लाभ दक्षिणी बिहार के आठ पठार बाहुल्य जिलों यथा बांका, औरंगाबाद, गया, कैमूर, नवादा, जमुई, मुंगेर और रोहतास में रहने वाले अनुसूचित जाति के मत्स्य कृषकों को मिलेगा। योजना का लाभ उठाने के लिए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किया है। योजना के तहत 0.4 से 1 एकड़ तक के तालाब निर्माण के लिए प्रति एकड़ 16.70 लाख रुपए की लागत पर 80 प्रतिशत अनुदान दी जाएगी। इसमें तालाब निर्माण, ट्यूबवेल, सोलर पंप, उन्नत इनपुट और तालाब पर शेड का निर्माण शामिल है। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों के पास निजी या न्यूनतम 9 वर्ष के लीज पर भूमि होना जरूरी है। निजी भूमि के लिए भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र या हाल का मालगुजारी रसीद, और लीज के मामले में 1,000 रुपए के नन-ज्यूडिशियल स्टांप पर एकरारनामा जमा करना होगा। आवेदकों कों जाति प्रमाण पत्र, प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, आधार कार्ड,राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, जमीन का नक्शा, मोबाइल नंबर, बैंक खाता विवरण और आईएफएससी कोड के साथ आवेदन करना होगा। लाभार्थी का चयन उप मत्स्य निदेशक की अध्यक्षता वाली चयन समिति द्वारा किया जाएगा। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2025 है। योजना की विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की यह योजना पठारी क्षेत्र के अनुसूचित जाति (एससी) किसानों के लिए आर्थिक उन्नति का एक बड़ा अवसर प्रदान करेगी।

पटना के संजय गांधी बालिका विद्यालय में आरओ सिस्टम और हैंडवॉश स्टेशन का हुआ शुभारंभ

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। स्वच्छता और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल करते हुए संजय गांधी बालिका उच्च विद्यालय, कंकड़बाग (एम.आई.जी 330, शिवाजी पार्क के दक्षिण में) में स्वच्छ पेयजल और साफ-सफाई की सुविधाएं और बेहतर बनाने की दिशा में रोटरी क्लब ऑफ पटना कंकड़बाग ने एक नया अध्याय जोड़ा है। मंगलवार, 15 जुलाई 2025 को विद्यालय परिसर में आरओ सिस्टम, ओवरहेड वाटर टैंक और हैंडवॉश स्टेशन का उद्घाटन आई.पी.पी. रोटेरियन राज किशोर सिंह ने किया, इस व्यवस्था से सैकड़ों छात्राओं और विद्यालय के स्टाफ को अब स्वच्छ पानी और बेहतर हाइजीन की सुविधा सुलभ हो सकेगी। इस महत्त्वपूर्ण परियोजना का उद्घाटन आई.पी.पी. रोटेरियन राज किशोर सिंह द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ पटना कंकड़बाग के अध्यक्ष रोटेरियन अजीत कुमार सिन्हा, पी.पी. रोटेरियन किरण कुमारी, कोषाध्यक्ष रोटेरियन बलिराम श्रीवास्तव, रोटेरियन शैलेश कुमार, विद्यालय निदेशक मनीषा, विद्यालय सलाहकार संजय कुमार, अनेक अभिभावक तथा विद्यालय के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी उपस्थित थे। यह पहल रोटरी क्लब ऑफ पटना कंकड़बाग द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्वच्छ पेयजल और साफ-सुथरे वातावरण में शिक्षा प्राप्त कराने के उद्देश्य से की गई है। विद्यालय में अब आरओ वाटर सिस्टम के जरिए फिल्टर्ड और सुरक्षित पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। साथ ही, ओवरहेड वाटर टैंक से पूरे परिसर में जल की निरंतर उपलब्धता बनी रहेगी और नवनिर्मित हैंडवॉश स्टेशन से छात्राओं को हाथ धोने की आदतों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे वे विभिन्न संक्रमणों से सुरक्षित रह सकेगी। रोटेरियन अजीत कुमार सिन्हा ने उक्त अवसर पर कहा कि ‍ह्लहमारा उद्देश्य सिर्फ शिक्षा नहीं, बल्कि छात्राओं को एक सुरक्षित, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण देना है। यह पहल सिर्फ एक शुरूआत है, हम आगे भी ऐसे कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विद्यालय की निदेशक मनीषा ने रोटरी क्लब का आभार जताते हुए कहा कि इस सुविधा से विद्यालय की छात्राओं को बड़ी राहत मिलेगी और उनके स्वास्थ्य में भी सुधार होगा। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में स्वच्छ पानी की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती होती थी, जिसे अब प्रभावी रूप से हल कर लिया गया है। यह कार्यक्रम समाज और स्कूल के बीच सहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य और स्वच्छता की मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कर बालिकाओं के संपूर्ण विकास की दिशा में यह कदम निश्चित ही प्रेरणादायी साबित होगा। संजय गांधी बालिका उच्च विद्यालय में आरओ सिस्टम, ओवरहेड वाटर टैंक और हैंडवॉश स्टेशन की स्थापना एक सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है। रोटरी क्लब ऑफ पटना कंकड़बाग की यह पहल न केवल बालिकाओं के स्वास्थ्य की रक्षा करेगी, बल्कि उन्हें स्वच्छता की ओर जागरूक भी बनाएगी। यह एक ऐसा कदम है, जो आने वाले समय में कई और स्कूलों को प्रेरित कर सकता है।

शंकर ज्योति नेत्रालय में हाईटेक मशीनों का शुभारंभ, मरीज को सर्वोत्तम इलाज उपलब्ध कराना उद्देश्य : डॉ. गौतम

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। शंकर ज्योति नेत्रालय में मंगलवार को आधुनिक नेत्र जांच मशीनें सिरियस कॉर्नियल टोपोग्राफी और ईडॉन वाइडफील्ड फंडस इमेजिंग का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री राम कृपाल यादव, विशेष अतिथि बिहार चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष पीके अग्रवाल और गेस्ट ऑफ ऑनर अजय कुमार गुप्ता, चेयरमैन ऑर्गनाइजेशन, बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के अलावे चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े कई प्रमुख लोग उपस्थिति रहे। इस मौके पर नेत्रालय के निदेशक डॉ. गौतम कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज हम शंकर ज्योति नेत्रालय को एक ऐसे मुकाम पर ले आए हैं, जहां से अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा तकनीकों की नई शुरूआत हो रही है। यह सिर्फ मशीनों का लोकार्पण नहीं, बल्कि हमारी उस सोच का प्रतीक है, जिसमें हम हर मरीज को सटीक और सर्वोत्तम इलाज देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि ईडॉन मशीन बिना पुतली फैलाए रेटिना की विस्तृत इमेजिंग, ऑटोफ्लोरेसेंस, इन्फ्रारेड व फ्लोरोसेंट एंजियोग्राफी की सुविधा प्रदान करती है। वहीं सिरियस टोपोग्राफी के माध्यम से कॉर्निया की परतों का सूक्ष्म विश्लेषण कर केरेटोकोनस जैसी गंभीर बीमारियों की शुरूआती अवस्था में पहचान की जा सकती है। इस मौके पर डॉ. समीक्षा समेत संस्थान की पूरी मेडिकल टीम को भी सम्मानित किया गया।

विधायिका ने कई योजनाओं का शिलान्यास किया

प्रात :किरण संवाददाता

मसौढ़ी !विधायक रेखा देवी ने मंगलवार को शहरी विकास योजना अंतर्गत नगर परिषद क्षेत्र में कई योजनाओं का शिलान्यास किया. उन्होंने सरवा के वार्ड 26 स्थित मितानी पासवान के घर से रामजीवन दास वं चंद्रिका पासवान पासवान के घर होते हुए,पईन तक नाला में पीसीसी निर्माण कार्य,व श्याम नगर मुहल्ले स्थित वार्ड 5 में आरसीडी पथ से सिद्धनाथ यादव व लाला प्रसाद के गली होते हुए,विभिन्न गलियों में नाला व पीसीसी निर्माण कार्य,शिलान्यास किया।उन्होंने विश्वास जताया कि इन योजनाओं के पूरा होने से लोगों को सुविधा होगी और आवागमन सुलभ होगा।वही मसौढ़ी पाली व मसौढ़ी पितमास पथ को जोड़ने वाली लिंक पथ पर नाला व पीसीसी निर्माण कार्य व वार्ड 29 श्रीनगर मुहल्ले स्थित देवी स्थान से नन्द किशोर मास्टर साहब के घर होते हुए अधिवक्ता विमल कुमार के घर तक नाला व पीसीसी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।विधायिका रेखा देवी ने कहा कि मसौढ़ी विधानसभा क्षेत्र के हर गांव शहर में विकास योजनाओं को धरातल पर उतारना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है।वे क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं।अबतक कई विकास कार्यों को धरातल पर उतारा गया है।आगे भी यह जारी रहेगा।मौके पर मुख्य पार्षद पिंकी देवी उप मुख्य पार्षद चंद्रकांत कुमार वार्ड पार्षद उर्वशी सिंह राजद प्रखंड अध्यक्ष राकेश पंडित ब्रजनंदन सहाय पूर्व मुख्य पार्षद पंकज प्रभु नगर अध्यक्ष भाई वीरेंद्र उर्फ किरी यादव टनटन यादव मुख्य पार्षद प्रतिनिधि शंभू सिंह गुलाब चंद्रवंशी दिनेश कुमार उपेंद्र मुखिया छात्र राजद प्रखंड अध्यक्ष भाई बिट्टू यादव लाला यादव राजेश बिंद प्रो डॉ सीपी मंडल धनरूआ राजद प्रखंड अध्यक्ष संजय यादव सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

डीएम ने मद्य-निषेध एवं उत्पाद मामलों की समीक्षा बैठक की

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। जिलाधिकारी, पटना डॉ. त्यागराजन एस.एम. द्वारा समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में मद्य-निषेध एवं उत्पाद मामलों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को जब्त शराब का अविलंब विनष्टीकरण एवं जब्त वाहनों के अधिहरण का प्रस्ताव शीघ्र उपलबध कराने, तथा विधिवत मूल्यांकन कर वाहन नीलामी करने का निदेश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा मद्य-निषेध एवं उत्पाद मामलों में प्रगति की बिन्दुवार विस्तृत समीक्षा की गयी। शराबबंदी अभियान के तहत वाहनों की नीलामी, राज्यसात, अभियोग/जब्त शराब की विवरणी तथा विनष्टीकरण से संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन की समीक्षा की गई। शराब जब्ती एवं विनष्टीकरण की समीक्षा के क्रम में सभी थाना को निदेश दिया कि शराब विनष्टीकरण हेतु लंबित मामलों को 15 दिनों के अंदर विनष्टीकरण करना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को निदेश दिया कि वे स्पष्ट प्रतिवेदन देंगे कि आदेश के पहले का एवं आदेश के बाद का कितना शराब विनष्टीकरण हेतु शेष है, एवं कितने पर आदेश नहीं दिया गया है। समीक्षा के क्रम में चार थाना यथाः फतुहा थाना, बाईपास थाना, दानापुर थाना एवं मालसलामी थाना में सबसे ज्यादा शराब विनष्टीकरण हेतु लंबित पाया गया, जिसपर जिलाधिकारी द्वारा सख्त नाराजगी व्यक्त की गई एवं निदेश दिया गया कि आदेश के अगले दिन ही विनष्टीकरण कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी अंचल अधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी को भी निदेशित किया कि प्रत्येक शनिवार को जनता दरबार के बाद अपने क्षेत्राधीन थानों में आदेशित शराब का विनष्टीकरण कराना सुनिश्चित करेंगे। वाहन अधिहरण वादों की समीक्षा में पाया गया कि वाहन अधिहरण न्यायालय में काफी बाद लंबित है, जिसपर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निदेश दिया कि 10 दिनों के अंदर सुनवाई कर वादों का निष्पादन किया जाए। साथ ही उत्पाद अधीक्षक, पटना को निदेशित किया गया कि न्यायालय के वादों को वितरण इस प्रकार करें कि उत्पाद विभाग के केस को वरीय उप समाहर्ता व अन्य पदाधिकारी के न्यायालय में संचालित किया जाए तथा पुलिस थाना स्तर के वादों का संचालन उत्पाद अधीक्षक के न्यायालय में किया जाए। जिले में 4 उत्पाद अधीक्षक हैं। सभी को वाहन अधिहरण वाद की सुनवाई करने का निदेश दिया गया। अधिहरित वाहनों के मूल्यांकन एवं नीलामी की समीक्षा में पाया गया कि जिला परिवहन पदाधिकारी के स्तर से वाहनों का सत्यापन प्रतिवेदन नहीं आ रहा है, जिसके कारण वाहनों की नीलामी की प्रक्रिया काफी धीमी है। जिलाधिकारी ने जिला परिवहन पदाधिकारी को निदेश दिया कि रोस्टर बनाकर एम.भी.आई. व अन्य पदाधिकारी को थानों में भेजें एवं 15 दिनों के अंदर सत्यापन प्रतिवेदन उपलब्ध कराए। सभी थानों को भी निदेश दिया गया कि थाना में आने वाले एम.भी.आई. व अन्य पदाधिकारी को आवश्यक सहयोग प्रदान करें ताकि जब्त वाहन का सत्यापन कार्य शीघ्र हो सके। साथ ही उन्होंने उत्पाद अधीक्षक को नीलामी की प्रक्रिया में तेजी लाने का निदेश दिया।

ऊर्जा भंडारण और ग्रिड स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

कैबिनेट फैसला : पंप स्टोरेज नीति 2025 को मंजूरी, हरित ऊर्जा को मिलेगा नया बल

● बिहार में स्वच्छ ऊर्जा निवेश को बढ़ावा देने के लिए पंप स्टोरेज नीति लागू

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बिहार पंप स्टोरेज प्रोत्साहन नीति 2025 को मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की है। यह नीति राज्य में स्वच्छ और सतत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने, ऊर्जा भंडारण की दीर्घकालिक व्यवस्था विकसित करने तथा ग्रिड स्थिरता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। पंप स्टोरेज तकनीक, विशेष रूप से सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों की अनियमितता को संतुलित करने में उपयोगी सिद्ध होती है,

और बिहार जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था के लिए यह अत्यंत उपयुक्त समाधान है। नई नीति के तहत राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि पंप स्टोरेज परियोजनाओं के लिए भूमि की शीघ्र पहचान और आवंटन किया जाए। इसके लिए बियाडा और जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया है कि वे गैर-वनीय भूमि की पहचान कर शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करें। साथ ही, निवेशकों की सुविधा के लिए ऊर्जा विभाग एक सिंगल खिड़की प्रणाली विकसित कर रहा है, ताकि परियोजनाओं की मंजूरी की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो सके। राज्य सरकार ने यह भी घोषणा की है कि इन परियोजनाओं को स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क में छूट दी जाएगी, जिससे निवेशकों का प्रारंभिक वित्तीय बोझ कम हो सकेगा। राज्य सरकार इस नीति के अंतर्गत सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल को अपनाने जा रही है

और निजी कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा कि वे राज्य में पंप स्टोरेज परियोजनाओं की स्थापना करें। उन्हें आधारभूत सुविधाएं जैसे बिजली कनेक्शन, जल स्रोत, सड़क संपर्क आदि शीघ्रता से उपलब्ध कराए जाएंगे। इन परियोजनाओं में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार प्रदान करने पर भी जोर दिया गया है, जिससे राज्य के ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। इस निति के लागू होने से निवेशको को अन्य राज्य की तुलना मे बिहार मे बेहतर सुविधा प्रदान की जा रही है। निवेशको को जलाशय मे फर्स्ट वॉटर फिलिंग में जल उपकर (वॉटर सेस) में छूट,इंट्रा स्टेट पावर ट्रांसमिशन में छूट, स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के लिए कोई निवेश नही करना होगा साथ ही निवेशक को से निःशुल्क रॉयल्टी पावर की मांग

निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे : बिजेंद्र

ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में एक मजबूत बुनियाद खड़ी कर रही है। बिहार नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा संवर्धन नीति 2025 के बाद यह नीति बिहार को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इससे न केवल सतत ऊर्जा उत्पादन को बल मिलेगा, बल्कि निवेश, नवाचार और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। ऊर्जा सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि बिहार पंप स्टोरेज प्रोत्साहन नीति2025 को व्यावहारिक, निवेशक-अनुकूल और पारदर्शी दृष्टिकोण से तैयार किया गया है। इससे राज्य की ग्रिड स्थिरता में सुधार होगा और ऊर्जा की सतत उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। हमने यह सुनिश्चित किया है कि नीति के तहत सभी पर्यावरणीय और सामाजिक मानकों का ध्यान रखते हुए दीर्घकालिक समाधान दिए जाएं। उन्होंने बताया कि परियोजनाओं से उत्पादित ऊर्जा को ग्रिड से जोड़ने के लिए ट्रांसमिशन व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाएगी। बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महेंद्र कुमार ने कहा कि यह नीति न केवल ऊर्जा क्षेत्र के विकास को गति देगी बल्कि बिहार को आत्मनिर्भर और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी एक निर्णायक पहल सिद्ध होगी।

एक करोड़ नौकरी, रोजगार सृजन के लक्ष्य को कैबिनेट की मंजूरी ऐतिहासिक कदम : उमेश

प्रात: किरण संवाददाता

पटना।अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी एवं रोजगार सृजन के ऐतिहासिक लक्ष्य को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में मंजूरी मिलने पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को बयान जारी कर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की तथा माननीय मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह इस अभूतपूर्व निर्णय से राज्य में न केवल रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी, बल्कि आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण को भी मजबूती मिलेगी। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि ह्रासात निश्चय पार्ट-2ह्व के तहत नीतीश सरकार 50 लाख नौकरी एवं रोजगार सृजन के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के करीब पहुँच चुकी है। युवाओं को नौकरी और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में बिहार आज देश के अग्रणी राज्यों में शुमार है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की युवा-हितैषी सोच, उनकी दूरदर्शी नीतियों और प्रतिबद्ध नेतृत्व का प्रत्यक्ष प्रमाण है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार करने हेतु एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, साथ ही जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना भी की जाएगी। यह महत्वपूर्ण कदम एक करोड़ नौकरी/रोजगार सृजन के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में अहम साबित होगा।

महागठबंधन में नेतृत्व को लेकर एकमत नहीं

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को बयान जारी करते हुए कहा कि महागठबंधन में नेतृत्व को लेकर मतभेद कई बार सार्वजनिक रूप से उजागर हो चुके हैं। अनेक दौर की बैठकों के बावजूद अब तक महागठबंधन अपने नेतृत्व को लेकर किसी एकमत पर नहीं पहुँच सका है। प्रदेश अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि सहयोगी दलों की आपसी सहमति और स्वीकृति के बिना वे बार-बार सार्वजनिक मंचों से स्वयं को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर न केवल सत्ता की घोर लालसा प्रकट कर रहे हैं, बल्कि अपनी राजनीतिक अपरिपक्वता का भी परिचय दे रहे हैं। उनका राजनीतिक व्यवहार अब अपने मुँह मियाँ मिट्ठू जैसी स्थिति में पहुँच गया है। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने आगे कहा कि महागठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रही अंदरूनी खींचतान यह स्पष्ट संकेत देती है कि मुख्यमंत्री बनने का दिवास्वप्न देखने वाले तेजस्वी यादव, मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तक नहीं बन पाएँगे। साथ ही, उन्होंने कहा कि एक ओर जहाँ एनडीए गठबंधन 2025 में 225 और फिर से नीतीश के संकल्प के साथ जिलावार एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित कर चुका है, हमारे बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता इस भाव को आत्मसात कर जमीनी स्तर पर मजबूती से कार्य कर रहे हैं। ऐसे में, निजी स्वार्थों की बुनियाद पर टिका महागठबंधन, एनडीए की चट्टानी एकता के सामने चुनावी मैदान में कहीं ठहर नहीं पाएगा।

बिहार में उच्च शिक्षा है अपने निम्नतम स्तर पर : कांग्रेस

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने मंगलवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बिहार से एक अजीब घटना सामने आई, जहां कॉलेजों के प्रिंसिपलों की नियुक्ति लॉटरी के माध्यम से की गई, जिसके बाद महिला कॉलेज में भी पुरुष प्रिंसिपल बना दिए गए। इसके बाद वाइस चांसलर का एक इंटरव्यू आया, जिसमें वे बहुत सारी सफाई दे रहे हैं। उन्होंने अपने इंटरव्यू में जो बातें कही है, उससे बिहार की शिक्षा व्यवस्था की स्थिति का पता चलता है। उन्होंने कहा कि शहर के कॉलेजों में प्रिंसिपल बनने के लिए बड़े-बड़े लोगों की सिफारिश आती है, इसलिए हमने लॉटरी निकाली साथ ही कहा कि ऐसा कोई नियम नहीं है, जिसमें लिखा हो कि महिला कॉलेज का प्रिंसिपल पुरुष नहीं बन सकता। कन्हैया ने कहा कि बिहार की शिक्षा व्यवस्था को लेकर एक कहावत सटीक बैठती है- अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी, टके सेर खाजा। मतलब मनमाने तरीके से बिहार में शिक्षा व्यवस्था चल रही है। यह कहने को तो उच्च शिक्षा है, जो अपने निम्नतम स्तर पर है। आप किसी भी कॉलेज में छात्रों की संख्या देखेंगे तो पता चलेगा कि 4 कमरे का कॉलेज है, लेकिन हजारों छात्रों का रजिस्ट्रेशन किया गया है। मतलब पैसा दीजिए, डिग्री लीजिए। यहां सिर्फ डिग्री दी जा रही है। पढ़ाई के नाम पर कुछ नहीं होता है। बिहार में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर कुछ नहीं है। यहां छात्रों को सारी व्यवस्थाएं खुद ही करनी पड़ती हैं। इतना सब हो रहा है और प्रधानमंत्री बिहार जाकर कहते हैं कि बिहार विकास के इसी रास्ते पर आगे बढ़ेगा। क्या यही विकास है? हम बिहार सरकार से मांग करते हैं कि बिहार में शिक्षा की दुर्दशा को देखते हुए तुरंत कार्रवाई करे। अन्यथाङ्क हम बिहार के युवाओं से अपील करते हैं कि जो सरकार आपकी ना सुने, आप उनकी ना सुनें। हर 5 साल में चुनाव इसलिए होता, ताकि जो सरकार काम न कर रही हो, उसे बदल दिया जाए। सुशासन के तमाम दावों के बावजूद बिहार में कोई ऐसा दिन नहीं बीतता, जब गोलियां न चलें। राज्य में ऐसा कोई शहर नहीं है, जहां गोलियां न चल रही हों। अपराधी खुले तौर पर अपराध कर रहे हैं और बिहार के डिप्टी सीएम कहते हैं कि ऑर्गनाइज्ड क्राइम खत्म हो गया है। बिहार में जो अपराध की स्थिति है, उससे पता चलता है कि ये डबल इंजन एक-दूसरे की उल्टी दिशा में चल रही हैं।

डबल इंजन की सरकार बिहार के चौमुखी विकास के लिए समर्पित : दिलीप

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बिहार कैबिनेट के फैसले को बताया ऐतिहासिक कदम

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बिहार मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का स्वागत करते हुए कहा कि ये फैसले प्रदेश सरकार की दूरदर्शिता और जनोन्मुखी नीतियों का स्पष्ट परिणाम हैं। उन्होंने ने कहा कि रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एनडीए सरकार ने आगामी पाँच वर्षों (2025झ2030) में 1 करोड़ नई नौकरियों/रोजगार के सृजन का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो युवाओं को आत्मनिर्भर बनाएगा और बिहार की आर्थिक प्रगति को नई दिशा देगा। युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए 112 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना और विस्तार को भी स्वीकृति मिली है। सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में मजबूती के लिए बिहार पम्प भंडारण परियोजना प्रोत्साहन नीति 2025 को मंजूरी दी है, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। डॉ. जायसवाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र में भी गन्ना उद्योग विभाग की सेवा नियमावली में संशोधन को मंजूरी मिली है, जिससे कर्मियों को लाभ होगा। साथ ही शहरी विकास के अंतर्गत पटना मेट्रो रेल परियोजना के प्रायोरिटी कॉरिडोर के रखरखाव तथा दानापुर जलापूर्ति परियोजना के लिए 300 करोड़ से अधिक की स्वीकृति दी गई है। सड़क संपर्क मजबूत करने के लिए पूर्णिया, मुंगेर, सुल्तानगंज, भागलपुर और बख्तियारपुर में पुलों व सड़कों के निर्माण हेतु 14,000 करोड़ से अधिक की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में वित्तरहित शिक्षा नीति के बाद मानदंड पूरा करने वाले अनुदानित शिक्षकों एवं कर्मियों को 394 करोड़ की सहायता दी जाएगी। साथ ही सात निश्चय कार्यक्रम के तहत तकनीकी संस्थानों में 170 करोड़ का निवेश होगा। जल संसाधन विकास के लिए पश्चिमी कोसी नहर परियोजना के नवीनीकरण एवं विस्तार हेतु 7832 करोड़ की मंजूरी के साथ वाणिज्यिक करों में सरलीकरण के अंतर्गत सीएनजी एवं पीएनजी बिक्री पर कर-संशोधन को स्वीकृति मिली है। बिहार व्यवसायी दुर्घटना मृत्यु अनुदान योजना, 2025 के तहत गैर-कारपोरेट करदाताओं के आश्रितों को 5 लाख तक की सहायता दी जाएगी।

चुनाव आने वाला है, सरकार की विदाई तय : तेजस्वी

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। बिहार कैबिनेट ने राज्य के युवाओं को बड़ी सौगात देते हुए अगले पांच सालों में एक करोड़ नई नौकरी और रोजगार देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। श्रम संसाधन विभाग के इस प्रस्ताव पर कैबिनेट की बैठक में मुहर लगी। इस प्रस्ताव पर कैबिनेट की मुहर लगने के बाद तेजस्वी यादव ने सरकार पर तंज कसा है। तेजस्वी ने पूछा है कि इसके लिए पैसे कहां से आएंगे? दरअसल, बिहार सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के युवाओं को बड़ी सौगात देते हुए अगले पांच साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार देने की घोषणा की थी। अब सरकार के उस घोषणा पर कैबिनेट की मुहर लग गई है। अगले पांच वर्षों में सरकार राज्य के एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने के लक्ष्य को पूरा करेगी। कैबिनेट की बैठक में सरकार ने श्रम संसाधन विभाग के प्रस्ताव को अपनी स्वीकृति दे दी है। इसको लेकर तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि इन लोगों ने आजतक अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया है। इन लोगों को कुछ भी कहना है तो कहने दीजिए, ये तो नकलची सरकार है। चुनाव आने वाला है और ये लोग जाने वाले हैं, विदाई तय है तो जो बोलना है बोल लें। उन्होंने मीडिया कर्मियों से कहा कि आप लोग तो पूछिगा नहीं कि एक करोड़ नौकरी के लिए पैसा कहां से आएगा? वहीं राहुल गांधी के बिहार क्राइम कैपिटल बन गया है वाले बयान का समर्थन करते हुए तेजस्वी ने कहा कि उन्होंने एकदम सही कहा है कि बिहार क्राइम कैपिटल बन गया है। राज्य में हर दिन लोगों की हत्या हो रही है। हर दिन अपहरण और रेप की घटनाएं हो रही हैं लेकिन कोई पूछने वाला नहीं है। सभी लोग अचेत अवस्था में चले गए हैं।

पारंपरिक शिक्षा के साथ तकनीकी, डिजिटल और रोजगारोन्मुखी कौशल से लैस हो बिहार के युवा : संतोष

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। पटना स्थित दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान में विश्व युवा कौशल दिवस 2025 के अवसर पर बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसका विधिवत उद्घाटन श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह और विभाग के सचिव सह सीईओ, बिहार कौशल विकास मिशन दीपक आनन्द के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान अपने संबोधन में मंत्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि कौशल प्रशिक्षण के इस युग में विश्व युवा कौशल दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे युवाओं के कौशल, आत्मनिर्भरता और पहचान का प्रतीक बन चुका है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि बिहार और देश के युवाओं की संभावनाओं को रेखांकित करने का एक सशक्त मंच है। आज जरूरत है कि हम पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी, डिजिटल और रोजगारोन्मुखी कौशल को भी प्राथमिकता दें, ताकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में हमारे युवाओं की पहचान बने। उन्होंने कहा कि टाटा समूह के सहयोग से बन रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, आईआईटभ संस्थान, और कुशल युवा कार्यक्रम जैसी योजनाएं इस दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। आज हमारे पास वह क्षमता है कि हम आने वाले 5 वर्षों में 1 करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ सकें। इसी स्वीकृति आज मंत्रिपरिषद से माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में मिली। उन्होंने कहा कि बिहार में इंडस्ट्री आधारित प्रशिक्षण, कृषि और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। ह्लब्रोकेन राइसह्व जैसे सामान्य उत्पाद से भी यदि सही दृष्टिकोण और मार्केटिंग की जाए, तो वह वैश्विक ब्रांड बन सकता है झ यह सोच ही बिहार की शक्ति है। हमारी सरकार मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना और प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के माध्यम से युवाओं को स्टाइपेंड के साथ ट्रेनिंग और रोजगार का अवसर दे रही है। उन्होंने ड्रोन तकनीक, एग्रीटेक, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में बिहार के युवाओं को तैयार करने की आवश्यकता है।

महागठबंधन में लगातार बढ़ रही सीएम पद के लिए उम्मीदवारों की संख्या : प्रभाकर

प्रात: किरण संवाददाता

पटना।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने तेजस्वी यादव पर जोरदार तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव की आंखों से नींद उड़ गयी है। श्री मिश्र ने कहा कि असल में पूर्णिया के सांसद ने राहुल और मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ बैठक कर बड़ा खेला कर दिया है। अब कांग्रेस मन भी कुलबुलाने लगा है कि जब उसके पास अनुभवी नेता हैं, तो फिर वे सीएम पद के उम्मीदवार क्यों नहीं हो सकते। कांग्रेस की ओर से सांसद तारिक अनवर या कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम को सीएम फेस बनाने की तैयारी चल रही है। ऐसे में वर्षों से सीएम बनने के लिए नहा-धोकर तैयार तेजस्वी की नींद उड़नी स्वाभाविक है। श्री मिश्र ने कहा कि पूर्णिया सांसद ने महागठबंधन के गर्म माहौल में माचिस की जलती तिल्ली फेंक दी है। महागठबंधन में चुनाव के पहले ही भीषण आग लगने वाली है। अब महागठबंधन में सीएम फेस को लेकर मारामारी और तेज होगी। वैसी यह सारी कुश्ती बेकार की है, क्योंकि बिहार में सीएम पद की कोई वैकेंसी ही नहीं है। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं, और इस बार चुनाव के बाद भी वही रहेंगे। विधानसभा चुनाव 2025 में भी महागठबंधन को जनता का भरपूर आशीर्वाद मिलेगा।

एसआईआर के नाम पर लोगों में आतंक पैदा किया जा रहा : दीपंकर

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। माले महासचिव का. दीपंकर भट्टाचार्य ने पटना में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में चुनाव आयोग ने कहा था कि कोई दिक्कत नहीं, हमारे पास बड़ी संख्या में बीएलओ व वॉलिंटियर हैं। हमने दो मांग की थी - बीएलओ तीन-तीन विजिट हर घर पर करेंगे और हरेक मतदाता के लिए दो फॉर्म दिए जाएंगे। एक को भर के देना था, दूसरा को रख देना था। तिहाई समय बीत गया। जो रिपोर्ट मिल रही है, उससे बिलकुल साफ है कि बहुत सारे घरों पर कोई बीएलओ नहीं पहुंचा है। दो फार्म शायद ही किसी को मिला है। यह जो चल रहा है, आंकड़ों का खेल है, भयानक अराजकता है। बीएलओ परेशान हैं। एक बीएलओ की मौत हो गई दबाव में। बहुत सारे बीएलओ कह रहे हैं कि हमारे पास खुद कागजात नहीं हैं। एक बीडीओ ने प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया। बीएलओ कुछ बोला तो उस पर कार्रवाई। अंजीत अंजुम पर कार्रवाई। लोगों को आतंकित करके यह अभियान चल रहा है। यह आतंक का माहौल क्यों बन रहा है? सूत्रों के हवाले से अचानक पता चल रहा है कि बांग्लादेशी, म्यांमार व नेपाल के लोग भरे पड़े हैं। यह झूठ है। 2024 में चुनाव हुआ, उस मतदाता सूची को लेकर क्या ऐसी कोई शिकायत थी? किसी पार्टी ने ऐसी शिकायत की थी? 2019 में चुनाव आयोग ने संसद को लिखकर दिया कि 2016-2019 में विदेशी मतदाता की कोई नहीं है। केवल 2018 में 3 ऐसी शिकायतें थीं। ऐसे में बिहार में 2025 में कहां से विदेशी मिल रहे हैं?

भय और भ्रम से मुक्ति की कामना का पर्व है नागपंचमी : विजय

एक करोड़ रोजगार और निवेश अनुकूल माहौल इस सावन में हमारा सामूहिक संकल्प

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। उपमुख्यमंत्री वजय कुमार सिन्हा के सरकारी आवास पर श्रावण महोत्सव का विधिवत शुभारंभ और नाग पंचमी अनुष्ठान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कई मंत्रियों की उपस्थिति के बीच किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सावन सनातन के धर्म, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी एक गहन परंपरा का महीना है। यह विरासत के साथ विकास की भावना को भी जगाता है ।और नागपंचमी तो श्रद्धा, शांति और रक्षा का पावन पर्व है । श्री सिन्हा ने कहा कि सावन माह और विशेष रूप से नाग पंचमी का अवसर समाज को भय और भ्रम से मुक्त होकर सुख, शांति और समृद्धि की राह पर ले जाने की कामना का पर्व है। आज बिहार में इस भावना को धरातल पर साकार करने की जरूरत है । भगवान महादेव बिहार को राजीनीतिक और सामाजिक विष से मुक्त करें । लोग सकारात्मक मानसिकता और अराजकता की मानसिकता के बीच के अंतर को समझें। हर समाज के लोग आपस में मिलकर विकसित बिहार के संकल्प में साझीदार बनें। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में 1 करोड़ रोजगार और निवेश के अनुकूल माहौल बनाने में जुटे हैं। इस प्रयास में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार का भी पर्याप्त मार्गदर्शन और सहयोग हमें मिल रहा है। इसीलिए प्रधानमंत्री बिहार के विकास की सौगात लेकर बार-बार बिहार आ रहे हैं । इस सावन माह में भी आगामी 18 तारीख को वे भगवान सोमेश्वर महादेव की धरती मोतिहारी आ रहे हैं । निश्चित रूप से इससे पूरे बिहार में सकारात्मक संदेश जाएगा ।

राजस्व विभाग : स्थानिक दाखिल खारिज पोर्टल : आम लोगों को मिलेगा लाभ

● आईएलआरएमएस के अंतर्गत पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, त्वरित और सटीक हो जायेगी

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने डिजिटल भू-अभिलेख प्रबंधन को एक नई दिशा देते हुए मंगलवार को एकीकृत भू अभिलेख प्रबंधन प्रणाली स्थानिक दाखिल खारिज पोर्टल की शुरूआत की। स्थानिक दाखिल खारिज एक ऐसी आधुनिक प्रक्रिया है, जिसमें भूमि की खरीद-बिक्री अथवा उत्तराधिकार आदि के पश्चात राजस्व मानचित्रों और अधिकार अभिलेखों का स्वतः अद्यतीकरण संभव हो सकेगा। वर्तमान में जमीन के क्रय-विक्रय के बाद राजस्व अभिलेखों में बदलाव हेतु दाखिल-खारिज की प्रक्रिया के तहत केवल जमाबंदी पंजी में ही बदलाव होता है, राजस्व नक्शा में कोई बदलाव नहीं होता है। स्पेशल म्यूटेशन की प्रक्रिया के तहत रैयत को सर्व प्रथम भूमि क्रय- विक्रय से पूर्व प्री म्यूटेशन स्केच हेतु आवेदन करना होगा। प्री म्यूटेशन स्केच क्रय- विक्रय की जाने वाली भूमि का वास्तविक नक्शा होगा। इसी नक्शा के आधार पर भूमि का निबंधन तथा दाखिल-खारिज हेतु आवेदन किया जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत अगर किसी खेसरा के सम्पूर्ण रकबा का दाखिल-खारिज होता है तो खेसरा का संख्या में कोई बदलाव नहीं होगा। लेकिन अगर खेसरा के विभाजन की स्थिति में नए खेसरा को एक नया संख्या मिलेगा। साथ ही इस नयी प्रक्रिया में सभी रैयतों को एक खाता नंबर दिया जाएगा और भूमि के क्रय के पश्चात वह खेसरा उसके खाते में जुड़ जाएगी। इस प्रक्रिया के तहत सरकारी भूमि आम रैयतों के लॉगिन में उपलब्ध नहीं रहेगी, इससे सरकारी भूमि छेड़छाड़ से बची रहेगी। इससे मानचित्रों में परिवर्तन को मैन्युअल रूप से करने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध होगी। अब तक यह प्रक्रिया मैन्युअल और समय लेने वाली थी, जिससे अक्सर विवाद एवं त्रुटियाँ उत्पन्न होती थीं। आईएलआरएमएस के अंतर्गत यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, त्वरित और सटीक हो जायेगी । इससे मानचित्रों में परिवर्तन को मैन्युअल रूप से करने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध होगी। अब तक यह प्रक्रिया मैन्युअल और समय लेने वाली थी, जिससे अक्सर विवाद एवं त्रुटियाँ उत्पन्न होती थीं। आईएलआरएमएस के अंतर्गत यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, त्वरित और सटीक हो जायेगी ।

विवादों का स्वत: निवारण संभव होगा।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के भू : अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय द्वारा तैयार कराए जा रहे इंटीग्रेटेड लैंड रिकॉर्ड्स मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत स्थानिक दाखिल खारिज (स्पेशियल म्यूटेशन) सहित सभी डिजिटल सेवाएं एक प्लेटफॉर्म पर एक साथ नागरिकों को उपलब्ध कराई जाएंगी। भूमि से जुड़े दस्तावेज और मानचित्र अद्यतन होने से भ्रम की स्थिति कम होगी और विवादों का स्वतः निवारण संभव होगा। अब आम नागरिक अपनी भूमि की स्थिति, आकार और स्थान की जानकारी भू-मानचित्र के साथ ऑनलाइन देख सकेंगे। इससे जमीन की खरीद-बिक्री में पारदर्शिता बढ़ेगी। भूमि की सटीक जानकारी उपलब्ध होने से विभिन्न सरकारी योजनाओं (जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, फसल बीमा आदि) का लाभ सही पात्र लाभार्थियों को शीघ्रता से मिल सकेगा। राजस्व मानचित्रों के अद्यतन होने से सरकारी भूमि, सार्वजनिक स्थल, सड़कें, नहर आदि की सीमाएं स्पष्ट होंगी, जिससे अतिक्रमण की पहचान और नियंत्रण आसान होगा।

पूर्व मध्य रेल

ई. निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना सं०– CWMPD-01-2025-26
दिनांक 10.07.2025

मुख्य कारखाना प्रबंधक, ब्रिज वर्कशॉप, पूर्व मध्य रेल, प्लान्ट डिपो, पं० दीन दयाल उपाध्याय द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनके प्रतिनिध के रूप में निम्नलिखित कार्य के लिये प्रतिष्ठित फर्मो से ऑन लाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा बंद होने की तिथि– 01.08.2025

1. कार्य का नाम एवं लोकेशन : प्लान्ट डिपो, डीडीयू द्वारा कच्चे/निर्मित सामग्रियों जैसे पुल गर्डर, स्लैब, ग्ल्यूड ज्वाइन्ट इत्यादि का परिवहन का कार्य। **2. कार्य का अनुमानित लागत:** रू० 4,51,07,062.26, **3. जमानत राशि:** रू० 3,75,500.00, **4. ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय:** 01.08.2025, 12:00 बजे। **5. वेबसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है : www.ireps.gov.in**

मुख्य कारखाना प्रबंधक/बी० डब्ल्यू०
प्लान्ट डिपो, पूर्व मध्य रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/585/डी०डी०यू०/एमईसीएच./टी/25–26/32

सिपाही भर्ती परीक्षा कदाचारमुक्त कराने की जिला प्रशासन ने की पूरी तैयारी

आज परीक्षा जिला मुख्यालय एवं जमालपुर के करीब 14 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगा 4942 परीक्षार्थी होंगे इस में परीक्षा शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) अंतर्गत बिहार पुलिस सिपाही संवर्ग में विभिन्न जिलों एवं बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस की वाहिनियों में सिपाही पद पर आगामी 16 जुलाई को चयन हेतु होने वाली आयोजित लिखित परीक्षा के निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सभी पदाधिकारियों, दण्डाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों के साथ ब्रीफिंग बैठक आयोजित हुई। बैठक में परीक्षा को निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त माहौल में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक आनंद, जिला शिक्षा पदाधिकारी कुणाल कुमार सहित सभी संबंधित पदाधिकारी, दण्डाधिकारी, केंद्राधीक्षक आदि उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने कहा कि आप सभी को ज्ञात है कि आगामी 16 जुलाई 2025 को केंद्रीय चयन पर्षद अंतर्गत सिपाही भर्ती परीक्षा का आयोजन होना है, इसके लिए आप सभी अलर्ट मोड में रहकर परीक्षा को निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न कराना जिला प्रशासन के साथ साथ आप सभी की जिम्मेदारी है। यह परीक्षा जिला मुख्यालय एवं जमालपुर के कुल 14 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी, जिसमें कुल 4942 परीक्षार्थी भाग लेंगे। एक पाली में होने वाली परीक्षा मध्याहन 12 से 2 बजे के बीच संचालित होगी। परीक्षा के दिन चिन्हित सभी परीक्षा केंद्रों पर सभी पदाधिकारी, दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल निर्धारित समय से एक घंटे पूर्व उपस्थित रहेंगे और परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने वाले सभी परीक्षार्थियों का गंभिरता पूर्वक गहन जांच कर ही उन्हें प्रवेश देंगे। परीक्षार्थियों का प्रवेश प्रातः 9:30 से 10:30 के बीच किया जाना है, उसके पश्चात किसी भी सूरत में किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। समय का हर हाल में अनुपालन करेंगे तथा परीक्षा केंद्र में प्रवेश के बाद परीक्षार्थियों की गहनता से जांच परीक्षा भवन में भी आवश्यक रूप से करेंगे। महिला अभ्यर्थियों के लिए महिला पुलिस बल भी गहनता से जांच करेंगी। जांच के दौरान पुरुष सहित महिलाओं का विशेष रूप से जांच करेंगे ताकि उनके द्वारा कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस परीक्षा केंद्र में नहीं ले जाया जा सके, जिससे वो कदाचार अथवा प्रश्न पत्र को लीक कर सकें। इसके अलावे केंद्र पर तैनात केंद्राधीक्षक के अलावे किसी भी पदाधिकारी, दण्डाधिकारी अथवा पुलिस बल एवं जैमर संस्थापन, सीसीटीवी संस्थापन तथा बायोमेट्रिक उपस्थिति बनाने वाले किसी भी कर्मी के पास मोबाइल फोन नहीं रहेगा। सभी अपने अपने मोबाइल को स्वीच ऑफ कर केंद्राधीक्षक कार्यालय अथवा अपनी सुविधानुसार सुरक्षित रखेंगे। परीक्षा के दौरान किसी भी अधिकारी द्वारा मोबाइल उपयोग करते पाया गया अथवा किसी भी परीक्षा केंद्र से यदि प्रश्न पत्र लीक होने की सूचना प्राप्त हुई तो संबंधित केंद्र के सभी पदाधिकारी, दण्डाधिकारी, केंद्राधीक्षक आदि पर कठोर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस लिए इसमें लापरवाही न बरतें और पूरी सजगता के साथ पूर्ण परीक्षा की अवधि में सजग होकर अपने कर्तव्य का निर्वहन करेंगे। केंद्राधीक्षक को भी सिर्फ की-पैड वाला मोबाइल ही इस्तेमाल करने की अनुमति रहेगी। उन्होंने परीक्षा ड्यूटी में तैनात सभी पदाधिकारियों, दण्डाधिकारियों से कहा कि प्रवेश के दौरान परीक्षार्थी की पहचान की भी अवश्य जांच करेंगे, ताकि कोई भी अन्य परीक्षार्थी परीक्षा में प्रवेश न कर सके।

संक्षिप्त खबरें

टैम्पू की ठोकर लगने से महिला की हुई मौत

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर खजूरी पंचायत के छठियाही पोखर के समीप मंगलवार की अहले सुबह अपने घर से मार्निंग वॉक में निकलें तीन-चार साथी के साथ गांव की ही वार्ड पांच संजीव महतो की 30 वर्षीय पत्नी मीना देवी एवं चन्द्र रौशन की बहु की मौत सडक दुर्घटना में हो गई।मौत की सूचना पर पहुंची एस आई मनोज कुमार सिंह अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया।। परिजनों का रोते-रोते बुरा हाल बना हुआ था।केशोपट्टी गांव की ओर से महिला मार्निंग वॉक से अपने तीन-चार साथी के साथ पैदल घर आ रही थी।सामने से आ रही टेंपो ने अपनी चपेट में लिया।जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गई।जहां डॉक्टर ने देखते ही मरत घोषित कर दिया।टेंपो को पुलिस जप्त कर थाना ले आया गया। मृतक के परिजन को सांत्वना देने में समाजिक कार्यकर्ता रामदेव महतो, पैक्स अध्यक्ष राम बली महतो, सरपंच अशोक राम, पचायत समिति सदस्य खान सहित सभी लोगों देने में लगे हुए थे।वही थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि मृतक के परिजन द्वारा आवेदन मिला है।आगे की कार्रवाई किया जाएगा।

पैक्स का वार्षिक आय सभा आयोजित

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड के चकहबीब पैक्स का वार्षिक आय सभा पैक्स प्रांगण में आयोजित किया गया। अध्यक्षता पैक्स अध्यक्ष शशिकांत झा कर रहे थे।सभा के माध्यम से विगत वर्षो का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया।जिसको सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। वहीं किसानों को केसीसी नवीकरण करवाने की बात कही गई।मौके पर सभी कार्यकारणी सदस्य एवं सामान्य सदस्य मौजूद थे।

सीएम कॉलेज में छात्रों को मार्गदर्शन करने के लिए शैक्षणिक समिति का गठन

दरभंगा। वर्तमान युग में विद्यार्थियों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि उनके मानसिक विकास के लिए अन्य विषयों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए और मार्गदर्शन किया जाना चाहिए। अतः सभी विभागाध्यक्षों का यह दायित्व है कि वे अपने विभाग में ऐसी व्यवस्था स्थापित करें जिससे विद्यार्थी अपने शिक्षकों से चर्चा करके अपनी समस्याओं का समाधान पा सकें और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें। उक्त विचार कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो मुश्ताक अहमद ने व्यक्त किए। प्रोफेसर अहमद कॉलेज के विभागाध्यक्षों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल ही में सी एम कॉलेज, दरभंगा को नैक ग्रेडिंग में बी++ प्राप्त हुआ है और हम सभी को मिलकर टीम द्वारा बताई गई कमियों को दूर करने का प्रयास करना होगा। प्रो अहमद ने कहा कि कॉलेज में छात्रों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, इसलिए अब कॉलेज में दो पालियों में कक्षाएं संचालित होंगी। सुबह 7:30 बजे से वाणिज्य विभाग और अन्य विषयों की कक्षाएं प्रथम पाली में लगेंगी, जबकि सुबह 10 बजे से कला की बची हुई क्लास दोपहर 3 बजे तक चलेगी। इन दोनों पालियों के लिए मास्टर रूटीन बना दिया गया है, जिसे 1 अगस्त से लागू किया जाएगा। कॉलेज में अनुकूल शैक्षणिक माहौल बनाने के लिए कॉलेज शैक्षणिक समिति का पुनर्गठन किया गया है और समिति के अध्यक्ष प्रधानाचार्य होंगे। आज की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्नातकोत्तर सत्र 2024-26 सेमेस्टर द्वितीय की आंतरिक परीक्षा 21 से 28 जुलाई 2025 तक आयोजित की जाएगी। सभी छात्र अपने-अपने विभागाध्यक्षों से संपर्क कर आंतरिक परीक्षा की विस्तृत जानकारी प्राप्त करें। बैठक में डॉ शशांक शुक्ला, डॉ रागिनी रंजन, डॉ सुव्रत कुमार दास, डॉ. एकता श्रीवास्तव, डॉ अबसार आलम, डॉ. अनुपम कुमार सिंह, डॉ. ललित शर्मा, डॉ मयंक श्रीवास्तव, डॉ अखिलेश कुमार राठौर, डॉ. खालिद अंजुम, डॉ दिव्या झा, डॉ अखिलेश कुमार विभु एवं डॉ संजीत कुमार झा ने भाग लिया और कॉलेज में शिक्षण और अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला।

आपदा की घड़ी में मिलकर करें सहयोग : दयानंद राय

बेनीपुर(दरभंगा)। प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे बेनीपुर क्षेत्र के लोगों के बीच उच्च जाति विकास राज्य आयोग के सदस्य धरौड़ा निवासी दयानंद राय ने टैंकर से जल वितरण शुरू किया। उन्होंने कहा कि अनावृष्टि के कारण भूमिगत जलस्तर काफी नीचे चला गया है। इलाके के लोगों का चापाकल पानी नहीं दे रहा है। पानी खपत के अनुपात में कम मिलने से किल्लत हो गया है। श्री राय ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की घड़ी में लोगों को मिलकर एक दूसरे को सहयोग करना चाहिए।

महाकवि राकेश स्मृति पर्व का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।महाकवि रामइकबाल सिंह राकेश स्मृति समिति के तत्वावधान में आमगोला के शुभानंदी में सोमवार को महाकवि राकेश स्मृति पर्व के आयोजन में राकेश जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद बीआरएबीयू के भूतपूर्व अंग्रेजी विभागाध्यक्ष साहित्यकार डॉ देवव्रत अकेला ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि उत्तर छायावाद के सुप्रसिद्ध कवि राम इकबाल सिंह राकेश शास्त्र और लोक से गहरे जुड़े थे। जहां उन्होंने प्राकृतिक तत्वों को अपने काव्य का आधार बनाया वहां उनके काव्य में महाकाव्यात्मक औदात्य दिखता है और जहां उन्होंने गांव, कृषक, मजदूर, वहां के पशु पक्षी, खेत खलिहान और फसलों का वर्णन किया है वहां लगता है कि संपूर्ण भारतीय गांव का लोक उजागर हो उठा है। राकेश जी को शास्त्र तथा संस्कृत और हिंदी दोनों विषयों का ज्ञान था जिसका उपयोग उन्होंने अपने साहित्य के लिए महत्वपूर्ण कारक के रूप में किया है। लोक जीवन से वे प्रभावित थे तभी तो उनके लेखन की जड़ बहुत गहराई तक पहुंचती है। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ संजय पंकज ने कहा कि मानवीय मूल्यों के तेजी से विघटित होते हुए समय में राकेश जी की कविताएं हमें संवेदनशील बनाती हैं। वे शौर्य, पराक्रम और पुरुषार्थ के आग्रही थे।उनकी रचनाएं भारतीय संस्कृति के वैभवशाली और शाश्वत सत्य को उकेरती है। परंपरा से गहरे जुड़े राकेश प्रगतिशील चेतना से भी आबद्ध हैं। डॉ पंकज ने राकेश के व्यक्तित्व कृतित्व पर विस्तार से बोलते हुए कहा कि उनकी कविता में प्रकृति, धरती, लोकास्था और परंपरा बोलती है। राकेश जी भाषा और भाव संपन्न लेखक थे। उनके शिल्प आकर्षक और अनूठे हैं। उनकी कई कविताएं महाकाव्यात्मक भाव और शिल्प से सुसज्जित हैं। उन्होंने कभी स्वाभिमान, भारतीयता और संस्कार विरुद्ध कोई समझौता नहीं किया। डॉ विजय शंकर मिश्र ने कहा कि सौंदर्य बोध, राष्ट्रीयता और खड़ी बोली हिन्दी की मसृणता के पूर्ण विराम के बाद हिन्दी की जो स्वच्छंदतावादी काव्य धारा प्रगतिशील तत्वों की सजीवता के साथ प्रवाहित हुई - राकेश जी उस धारा के कवि हैं। उन्होंने मिट्टी की सुगंध और जन जीवन की पीड़ा तथा संघर्ष को अपने काव्य में स्थापित किया है। शिक्षाविद मधुमंगल ठाकुर ने कहा कि महाकवि राकेश केवल छायावादी कवि नहीं थे बल्कि लोक साहित्य मर्मज्ञ भी थे। उनके लोक साहित्य पर काफी शोधकार्य हुए हैं। मैथिली लोक साहित्य पर उन्होंने बहुत श्रम साध्य कार्य किया है। समाजसेवी वे मुकेश त्रिपाठी ने कहा की साहित्य के गौरव राकेश जी ने हिंदी भाषा और साहित्य को अपनी सामाजिक और प्रकृति चेतना से संपन्न किया है। साहित्यकार डॉ हरिकिशोर प्रसाद सिंह ने कहा कि राकेश जी किसान कवि थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता के लिए साहित्य के माध्यम से जन जागृति किया।

इंडिया गठबंधन की समस्तीपुर जिला स्तरीय वर्चुअल बैठक संपन्न

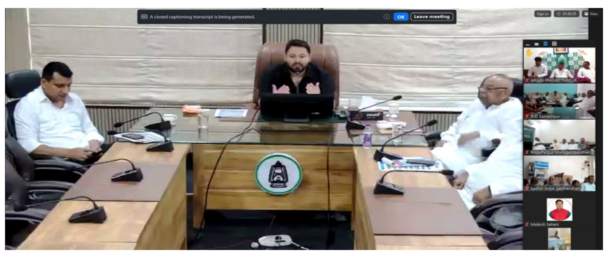

समस्तीपुर प्रात : किरण संवाददाता

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहित इंडिया गठबंधन के अधिकांश घटक दलों के शीर्ष नेताओं ने जूम ऐप के माध्यम से समस्तीपुर ज़िले के इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों के नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई एवं आगामी राजनीतिक रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से यह निर्देश दिया गया कि इंडिया गठबंधन के सभी साथी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रूप से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य हेतु जो फॉर्म भरने की प्रक्रिया चल रही उसमें आमजनों को सहयोग करें ताकि कोई व्यक्ति मताधिकार से वंचित न रह जाए तथा इस बात का भी बारीकी से ध्यान रखें कि बीएलओ आमजनों को फॉर्म प्राप्ति रसीद भी आवश्य दें यदि कोई बीएलओ ऐसा नहीं करते हैं तो उसके विरुद्ध उच्च अधिकारी के पास भी शिकायत करने का कार्य करें। यह बैठक समस्तीपुर जिले में इंडिया गठबंधन के सांगठनिक सशक्तिकरण और क्षेत्रीय प्रभाव को मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित होगी। बैठक में उपस्थित प्रमुख नेता कांग्रेस से मो. अबु तमीम, देवेंद्र नारायण झा, राजद से रोमा भारती, राजेश्वर महतो, सत्यविंद पासवान, भाकपा (माले) से उमेश कुमार, सीपीएम से रामाश्रय महतो, सीपीआई से सुधीर कुमार देव , वीआईपी से आदर्श कुमार पिंटू आदि लोग मौजूद थें।

राज्य के विकास के लिए मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता : डॉक्टर सुनील कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने सोमवार को वन महोत्सव के अवसर पर सर्किट हाउस में कुशवाहा समाज के लोगों से मुलाकात की. ।इस मौके पर उन्होंने न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया, बल्कि आगामी चुनाव को लेकर एनडीए के पक्ष में जनमत तैयार करने का भी आह्वान किया।उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक वृक्ष लगाना मात्र काफी नहीं होता, बल्कि उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी हमारी होती है, ठीक उसी तरह राज्य के विकास के लिए भी मजबूत नेतृत्व और निरंतरता जरूरी है। बिहार के विकास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी सबसे प्रभावशाली और कारगर सिद्ध हुई है।ह्व उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और विकास, दोनों साथ-साथ चल सकते हैं यदि इच्छाशक्ति और नेतृत्व मजबूत हो।विगत वर्षों की तुलना करते हुए मंत्री ने कहा कि 2004 से पहले बिहार विकास के नाम पर उपेक्षित था। उस समय की सरकारों ने राज्य को पिछड़ेपन की गर्त में धकेल दिया था। एनडीए सरकार के आने के बाद अब बिहार गर्व का प्रतीक बन रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियाँ प्रोपेगंडा फैलाकर समाज को गुमराह करने का काम कर रही हैं। लेकिन अब वक्त है ,मजबूती से खड़े होने का, और बिहार के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक बार फिर से एनडीए को समर्थन देने का। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कुशवाहा समाज के लोग उपस्थित थे।

सीमावर्ती युवाओं के लिए निःशुल्क प्लंबिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

एसएसबी जयनगर द्वारा स्वरोजगार हेतु युवाओं को किया गया प्रशिक्षित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनीजयनगर 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर में आयोजित 10 दिवसीय निशुल्क प्लंबिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन एसएसबी द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र के जरूरतमंद एवं बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के योग्य बनाने के उद्देश्य से किया गया था।समापन अवसर पर कमांडेंट गोविंद सिंह भण्डारी ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और आवश्यक उपकरण (टूल्स) प्रदान किए। अपने प्रेरणात्मक उद्बोधन में उन्होंने कहा कि एसएसबी का ध्येय ह्लसेवा, सुरक्षा और बंधुत्वह्व केवल सीमा की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बल सीमावर्ती समाज के सामाजिक व आर्थिक उत्थान हेतु भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे प्राप्त प्रशिक्षण का उपयोग कर आत्मनिर्भर बनें और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 25 युवाओं ने नियमित रूप से भाग लिया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन युवाओं की तकनीकी दक्षता का प्रायोगिक मूल्यांकन भी किया गया। प्रशिक्षण के दौरान पाइप फिटिंग, मरम्मत कार्य, उपकरणों के उपयोग एवं जल प्रबंधन संबंधी व्यावहारिक जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की गई। समापन समारोह में द्वितीय-कमान अधिकारी हरेन्द्र सिंह, उप-कमांडेंट विवेक ओझा, श्री हरि नारायण जाट सहित अन्य अधिकारीगण व प्रशिक्षक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें हुनर के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा दी।एसएसबी द्वारा इस प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन आगे भी जारी रहेगा ताकि सीमावर्ती क्षेत्र के युवा आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर हो सकें।

जयनगर विकास समिति द्वारा एक दिवसीय धरना का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर विकास समिति के द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में यह बताया गया कि नगर क्षेत्र में विभाग के द्वारा प्रस्तावित आर.ओ.बी फ्लाई ओवरब्रिज परियोजना से लगभग पांच सौ से अधिक मकान और दुकानों के प्रभावित होने की संभावना है। आगे समिति के संयोजक शंभू गुप्ता ने कहा कि स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक कार्यकताओं के द्वारा रेलवे गुमटी पार करने हेतु केवल एक छोटे ह्यरोड ओवर ब्रिजह्व की माँग की गई थी, ताकि न्यूनतम भूमि और संरचनाएं प्रभावित हों। किन्तु विभाग ने इसे एक बड़े और विध्वंसक फ्लाईओवर का रूप दे दिया, जिससे पूरे नगर के कई रिहायशी और व्यापारिक क्षेत्र खतरे में आ गए हैं। तो वहीं, उपस्थित विकास समिति के सदस्य दिनेश जांगिड़ ने कहा कि सरकार और विभाग ने इस परियोजना से भविष्य में होने वाले सामाजिक और आर्थिक नुकसान को पूरी तरह से अनदेखा कर दिया है। विभाग के द्वारा अब तक कोई सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन भी नहीं कराया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस परियोजना को जनहित से ऊपर रखकर थोपने का प्रयास हो रहा है। समिति के अन्य सदस्य आशु आर्यन ने बताया कि इस आर.ओ.बी के वर्तमान स्वरूप के कारण सैकड़ों परिवार बेघर हो सकते हैं और सैकड़ों छोटे व्यापार बंद होने की कगार पर आ जाएंगे। जिससे न केवल रोजगार पर असर पड़ेगा बल्कि शहर की सामाजिक संरचना भी बिखर जाएगी। अन्य वक्ताओं ने कहा कि विभाग और सरकार तक इस मुद्दे को अनेक ज्ञापनों और प्रत्यक्ष मुलाकातों के माध्यम से पहुँचाया गया है। किंतु अब तक कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इस क्रम में, समिति ने यह घोषणा की है कि कल दिनांक 16 जुलाई 2025 को दोपहर 12 बजे, शहीद स्मारक, शहीद चौक, जयनगर पर एक शांतिपूर्ण जन- धरना का आयोजन किया जाएगा। जिसके माध्यम से जनता की आवाज को लोकतांत्रिक ढंग से सरकार तक पहुँचाया जा सके। समिति ने नगर के सभी नागरिकों, व्यापारियों और जागरूक नागरिक समूहों से अपील की है

भगवती स्थान प्रांगण में मैना विषहरी पूजा का हुआ भव्य आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। नागपंचमी के मौके पर कुशेश्वरस्थान के धरमपुर गांव स्थित मां भगवती स्थान प्रांगण में मैना विषहरी पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस अवसर पर संगठनात्मक जिला दरभंगा पूर्वी के जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान, जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह और नवनियुक्त दरभंगा पूर्वी जिला प्रभारी राजीव रंजन जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान ने कहा सावन के पवित्र मास में नाग पंचमी के मौके पर यहां हर साल पूजा का आयोजन किया जाता है। मैना विष हरि मंदिर के प्रति भक्तों में अटूट आस्था है। जिला प्रभारी राजीव रंजन ने कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि इस पूजा में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ। संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कहा कि मैना विष हरि मंदिर में आसपास के इलाके के लोगों की बहुत आस्था है। ऐसी मान्यताएं है कि जो भी मनोकामना वे यहां से मांगते हैं, वह पूरी होती है। यही कारण है कि यहां हजारों की संख्या में लोग आते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। श्री सिंह ने कहा कि हमने कामना की कि सर्व समाज का कल्याण हो। उन्होंने कहा कि समाज की सुख-शांति और समृद्धि के लिए मैना विशहरि की कृपा आवश्यक है। इसके अलावा, उन्होंने क्षेत्र में जल संकट के समाधान के लिए भी प्रार्थना की, खासकर किसानों के लिए जो जल संकट का सामना कर रहे हैं।

पत्नी को था पति पर शक, कर दी बेरहमी से हत्या, एसएसपी ने किया मामले का खुलासा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ़्फरपुर। गत सात जुलाई को काजीमहमदपुर इलाके के माड़ीपुर में हुई पंचायत रोजगार सेवक मुमताज अहमद की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है । मुमताज की पत्नी ही हत्यारिन निकली। पुलिस ने मृतक की पत्नी शबा फि रदौस को गिरफ्तार कर लिया है। उसने हत्या की इस घटना को बड़ी बारीकी से अंजाम दिया था ।मृतक की पत्नी ने हत्या को चोरी के दौरान हुई हत्या का रूप देने के लिये पूरी तैयारी कर ली थी । रात के डेढ़ बजे सीसीटीवी का डीवीआर निकाल कर फेंक दिया। फिर दरवाजे के ताले को हटाकर पहले से कटा हुआ ताला दरवाजे पर लटकाया , घर के सभी मोबाइल को बगल के रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया और हत्या कर बगल के कमरे में सो गई । उसने पूरी वारदात को इतनी सफाई से अंजाम दिया जैसे लगे कि चोरी के दौरान विरोध करने पर उसकी हत्या की गई हो । पहले पुलिस भी गुमराह हुई , लेकिन घटना के तीसरे दिन जब प्राथमिकी दर्ज करने का आवेदन मिला तो उसमे काफी विरोधाभास था । पुलिस ने संदेह के आधार पर शबा फि रदौस से पूछताछ शुरू की । पूछताछ में वह टूट गयी और अपना जुर्म कबूल कर लिया । एसएसपी सुशील कुमार ने बताया कि 7 जुलाई को काजीमहमदपुर इलाके में एक हत्या हुई हुई थी। ,देखने से ऐसा लग रहा था जैसे चोरी के दौरान इस घटना को अंजाम दिया गया हो । परंतु इस मामले में मृतक की पत्नी के बयान में विरोधाभास पाया गया । पुलिस ने जब सख्ती से महिला से पूछताछ की तब मृतक की पत्नी टूट गयी और उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया । एसएसपी ने बताया कि मृतक के बारे में उसकी पत्नी को संदेह था कि उसका किसी अन्य महिला के साथ संबंध है और उनका पति कभी भी दूसरी महिला के चक्कर मे उसकी हत्या कर दे सकता है । बस इसी आशंका में उसने अपने पति की चाकू से गोदकर हत्या करने के बाद सुबह में पुलिस को सूचना दे दी। पूछताछ के बाद पत्नी की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में उपयोग किये गए चाकू को उसके ही घर से और अन्य सामान को रेलवे ट्रैक के बगल से बरामद कर लिया है ।

गहबरों में की गई पूजा के बाद सिंघियाघाट और नरहन बाजार में लोगों ने निकला सांपों के साथ जुलूस

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर नागपंचमी के पावन पर्व पर प्रखंड क्षेत्र के सिंघियाघाट, नरहन सहित क्षेत्र के विभिन्न गहबरों में सुबह से ही दूध, लावा और झांप चढ़ाकर नाग देवता की पूजा की गई। खासकर गहबरों में पूजा करने में महिलाओं की भीड़ काफी रही। वैसे तो पूजा करने का यह सिलसिला दिन भर चलता रहा। इस बीच गहबरों में मानर की थाप पर भगत खेलाते रहे और एक के बाद एक सर्पो का प्रदर्शन भी करते रहे। अपराहन में भगत बूढ़ी गंडक नदी में स्नान के क्रम में भी डुबकी लगाकर सांप निकालकर प्रदर्शन के लिए लोगो देते रहे। स्नान के बाद भगत के बूढ़ी गंडक नदी से निकलने के बाद बिषहरी माता के जयकारा के साथ सिंघियाघाट और नरहन बाजार में नागों के साथ लोगों ने जुलूस निकाला। जिसे देखने हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। चप्पे-चप्पे चौकीदार और चौराहे पर पुलिस गश्त के बाबजूद दोनों बाजारों में घंटों जाम की स्थिति बनी रही। दोनों बाजारों में आवागमन अस्त व्यस्त रहा। अधसर, करैत, गहूमन, धामन, हरहारा आदि सर्पो का प्रदर्शन किया गया। जुलूस सिंघियाघाट बांध किनारे से होकर पंचवटी चौक, दलसिंह सराय रोड, समस्तीपुर रोड, विरसहिया, भिड़ी आदि स्थानों पर घंटों प्रदर्शन करती रही। वही नरहन बाजार में भी मुख्य मार्ग से होते हुए खोकसाहा तक जुलूस निकली। सिंघियाघाट, भगवती स्थान बांध किनारे गहबरों में भगत सुरेश पासवान, पंचवटी में भगत राम सिंह, रेलवे दुर्गा मैदान में भगत भोगीलाल, भिड़ी गहबर में मिंटू पासवान आदि भगत के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया। जुलूस में मानर की थाप पर भगत करतब दिखाते रहे। वही प्रखंड के कल्याणपुर, मुस्तफापुर, बनहैती, चोरा टभका, बेलसंडी आदि क्षेत्र के एक दर्जन गहबरों में भी दिन भर दूध लावा और झांप चढ़ाने का सिलसिला जारी रहा। वही नागपंचमी पर प्रखंड के शिव मंदिरों में भी आज दूध लावा चढ़ाने का सिलसिला जारी रहा।

भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल की सतर्कता से तस्करी का प्रयास विफल, सीमावर्ती क्षेत्र में बढ़ाई गई निगरानी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी के प्रयास को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के सतर्क जवानों ने समय रहते विफल कर एक नाबालिग बालिका को सुरक्षित बचा लिया। यह कार्रवाई 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के अंतर्गत जी कम्पनी, सीमा चौकी कमला द्वारा 14 जुलाई को की गई ।गुप्त सूचना के आधार पर एसएसबी की टीम ने सुबह लगभग 11 बजे नेपाली रेलवे स्टेशन, जयनगर के पास, सीमा स्तम्भ संख्या 270/13 से लगभग डेढ़ किलोमीटर भारतीय सीमा के भीतर विशेष गश्त अभियान चलाया। इस दौरान जवानों को एक युवक द्वारा एक नाबालिग लड़की को नेपाल की ओर ले जाने की संदिग्ध गतिविधि नजर आई। त्वरित कार्रवाई करते हुए जवानों ने युवक को धर दबोचा और मानव तस्करी के इस प्रयास को नाकाम कर दिया ।पूछताछ में पीड़िता की पहचान झारखंड निवासी 14 वर्षीय सुनीता हेम्ब्रम के रूप में हुई, जिसे बहला-फुसलाकर सीमा पार ले जाया जा रहा था। वहीं गिरफ्तार आरोपी की पहचान नेपाल निवासी 20 वर्षीय अनुरूप मांझी, पिता रामसागर मांझी के रूप में हुई है। आरोपी पर नाबालिग लड़की की तस्करी का प्रयास करने का आरोप है ।एसएसबी के उप-कमांडेंट (प्रचालन) विवेक ओझा के नेतृत्व में यह अभियान सफल रहा। प्रारंभिक जांच में संकेत मिला है कि यह सुनियोजित मानव तस्करी का प्रयास था। गिरफ्तार तस्कर व पीड़िता को आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु जयनगर थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया है। मामले की जांच संबंधित सिविल एजेंसियों द्वारा की जा रही है ।48वीं वाहिनी के कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए जवानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि, मानव तस्करी जैसे जघन्य अपराध को रोकना हमारी नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। जवानों की सतर्कता इस बात का प्रमाण है कि एसएसबी न केवल सीमाओं की सुरक्षा कर रही है, बल्कि मानवाधिकारों की रक्षा में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है ।उन्होंने यह भी कहा कि सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को सफल नहीं होने दिया जाएगा और ऐसे अभियानों को और अधिक सशक्त किया जाएगा। यह घटना न केवल एसएसबी की तत्परता का उदाहरण है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में मानव तस्करी जैसी घटनाओं के विरुद्ध निरंतर सतर्कता आवश्यक है।

दो शराब तस्करों को सात वर्षों की सश्रम कारावास व एक एक लाख अर्थदण्ड

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिला के सिविल कोर्ट दरभंगा के उत्पाद अधिनियम के विशेष न्यायाधीश रविशंकर कुमार की अदालत ने दो शराब तस्करों को सात वर्षों की सश्रम कारावास और एक एक लाख अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। अर्थदंड भुगतान नहीं करने पर छह माह की सजा भुगतने का प्रावधान किया गया है। दोनों सजायाफ्ता तस्कर समस्तीपुर जिला के कल्याणपुर थानाक्षेत्र के फुलहारा निवासी बैजनाथ पासवान का पुत्र बीरो पासवान और लक्ष्मण पासवान का पुत्र शक्ति कुमार है। अदालत ने मामले की सूनवाई पुरी कर दोषसिद्ध दोनों अभियुक्तों को शराब तस्करी की जूर्म में दोषी पाते हुए 7 जुलाई को न्यायिक हिरासत में मंडल कारा भेज दिया था । मामले में अभियोजन पक्ष का संचालन कर रहे उत्पाद अधिनियम के स्पेशल एपीपी हेमंत कुमार एवं मनोज कुमार मनमौजी ने बताया कि बर्ष 2022 में सिमरी थाना की पुलिस ने अभियुक्त बीरो पासवान एवं शक्ति कुमार को ट्रक के साथ 528.720 लीटर विदेशी शराब के साथ रंगे हाथ घटनास्थल से गिरफ्तार किया था। इस मामले में पुलिस के व्यान पर आरोपियों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत सिमरी थानाकांड संख्या-104/2022 दर्ज की गई थी।अदालत में मामले का बिचारण जीओ वाद सं.- 10678/2022 के तहत चल रही थी। कोर्ट ने दोनो अभियुक्तों का सजा के बिंदु पर सुनबाई पश्चात मंगलवार को दोनों दोषियों को सात वर्षों की सश्रम कारावास और एक एक लाख रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। अदालत में 29 अगस्त 2022 को अभियुक्तों के विरुद्ध आरोप गठन किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में पांच गवाहों की गवाही कराई गई थी।

16 जुलाई को लखीसराय आएंगे केंद्रीय मंत्री, करीब 200 करोड़ रुपए के विकास योजनाओं की देंगे सौगात

नीतीश सरकार के मंत्री अशोक चौधरी भी केंद्रीय मंत्री के रहेंगे साथ

- जदयू जिला अध्यक्ष रामानंद मंडल ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय ! केंद्रीय मत्स्य पालन डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री सह क्षेत्रीय सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह का 16 जुलाई को लखीसराय जिले में आगमन होने जा रहा है !जिसको लेकर जद यू के नेताओं और कार्यकर्ताओं में काफी खुशी देखी जा रही है !केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के आगमन को लेकर जद यू के कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त स्वागत की तैयारी की है !

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जनता दल यू के जिला अध्यक्ष रामानंद मंडल ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि 16 जुलाई दिन बुधवार को केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का जिले के सूर्यगढा विधानसभा क्षेत्र में आगमन होने जा रहा है,आगमन के पश्चात केंद्रीय मंत्री द्वारा सूर्यगढा विधानसभा क्षेत्रवासियों को करीब 200 करोड़ का सौगात देंगे !जिसमें करीब 155 सड़कों का उद्घाटन व शिलान्यास किया जाएगा तथा कई पुल-पुलियों का भी आधारशिला रखा जाएगा !जद यू जिला अध्यक्ष रामानंद मंडल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर जद यू के कार्यकताओं और नेताओं ने बड़े पैमाने पर स्वागत की तैयारी की है ! उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बगैर भेदभाव के सभी वर्गों के लोगों का विकास कर रहे हैं ! उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के साथ बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री अशोक चौधरी भी शामिल रहेंगे !

सघन दस्त नियंत्रण पखवारा आयोजन को ले डीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा भारत सरकार के निर्देश अनुसार राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन अंतर्गत ा से होने वाले शिशु मृत्यु को शून्य स्तर तक लाने के उद्देश्य से गत कई वर्ष से सघन दस्त नियंत्रण पखवारा का आयोजन निभीं विभागों के समन्वय एवं सहभागिता से किया जाता रहा है। इसी क्रम में वर्ष 2025में इसके स्थान पर स्टॉप डायरिया कैंपियन भारत सरकार के निर्देशन में आज से आयोजन किया गया जो दो माह तक स्वस्थ विभाग, समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, ग्रामीण बिकास विभाग, नगर एवं आवास विभाग एवं लोक अभियंत्रण विभाग के सहयोग से चलेगा। इस अभियान में घर घर जाकर ओ आर एस एवं जिंक टेबलेट की महत्व को समझना और पहुंचना है।

जिलाधिकारी सहरसा दीपेश कुमार ने हरि झंडी दिखाकर जगरूपता रथ को रवाना किया। उन्होंने कहा हमारा लक्ष्य दो महीनों में 394693 लाभार्थियों तक पहुंचना है। जिसके लिए जिला अंतर्गत 191जिंक काउंटर बनाया गया है।

प्रसिद्ध चिकित्सक व जाने-माने समाजसेवी रहे स्व डॉ श्याम सुंदर प्रसाद सिंह को मरणोपरांत पद्म पुरस्कार दिए जाने की गई अनुशंसा

सामाजिक संस्थान सिनेयात्रा ने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय से की अनुशंसा

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !कला,संस्कृति और सिनेमा को समर्पित सामाजिक संस्थान ह्मसिनेयात्राह्व के संस्थापक व सचिव रविराज पटेल ने गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पद्म पुरस्कार समिति के सचिव को अनुशंसा पत्र के माध्यम से मांग किया कि लखीसराय जिले के सुप्रसिद्ध चिकित्सक,जनसेवक और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के अग्रदूत रहे डॉ श्याम सुंदर प्रसाद सिंह को मरणोपरांत पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया जाए !अनुशंसा पत्र में सामाजिक संस्थान सिनेयात्रा के संस्थापक व सचिव ने स्वर्गीय डॉ. सिंह की कारगुजारियों का जिक्र करते हुए कहा की चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उन्होंने निःस्वार्थ भाव से गरीब और वंचित समाज के लोगों की सेवा की !अपने जीवन काल में उन्होंने कभी भी चिकित्सा को व्यवसाय की दृष्टि से नहीं देखा,बल्कि सेवा को ही धर्म मानकर पीड़ितों के कल्याण में समर्पित रहे !सिनेयात्रा के सचिव रविराज पटेल ने अनुशंसा पत्र में लिखा कि स्व. डॉ. श्याम सुंदर प्रसाद सिंह की सबसे ऐतिहासिक और कालयजी उपलब्धि लखीसराय स्थित श्री इंद्रदमेश्वर महादेव मंदिर,अशोक धाम का नव निर्माण एवं विकास है !एक जीर्ण-शीर्ण स्थल को श्रद्धा,पुरातत्व और सांस्कृतिक चेतना का महाकेंद्र बनाना उनकी दूरदर्शिता,आस्था और सेवा भावना का प्रतीक है !डॉ. सिंह ने अपने जीवन की पूंजी और ऊर्जा इस तीर्थ स्थल के पुनरुद्धार में समर्पित कर दी,जिससे यह मंदिर लाखों श्रद्धालुओं का आध्यात्मिक केंद्र बन चुका है !सिनेयात्रा के सचिव ने अनुशंसा पत्र में लिखा की डॉ. सिंह के बहुमूल्य योगदानों को दृष्टिगत रखते हुए मरणोपरांत पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया जाए !

अनमोल मोती काव्य संग्रह का विमोचन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जोहार दर्पण के तत्वाधान में ह्यअनमोल मोती ह्वकाव्य- संग्रह का विमोचन व काव्य- सम्मेलन रविवार को बोकारो स्थित सेक्टर-6 के डी.ए.वी स्कूल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया, अंद्रिका सिंह के द्वारा सरस्वती-वंदना और झूमा चक्रवर्ती द्वारा स्वागत गीत ने पूरे महौल को आनंदमय बना दिया। सभी प्रांतों से आज कवि-कवियित्रियों ने एक-से बढ़कर एक प्रस्तुति दी, अंद्रिका सिंह , स्मिता, कविता साव, संध्या रानी, नीलम झा, पूर्णिमा सुमन, सुमन झा, श्यामल मुंशी, भोला सागर, विशाल पंडित, श्याम सुंदर केवट, लोकेश्वर साहू, सविता धर, अरुण पाठक, अनुराधा सिंह, संजय हजारीबागी, सरोज झा झारखंडी, पूजा शाही, रजत नाथ, सुप्रिया रश्मि, अंकित उपाध्याय व अन्य कवि, कवियित्रियों ने सावन के गीत, विरहन के गीत, संबंधों के मेल, राजनीति, हास्य-व्यंग सभी तरह के विषयों पर रचना रखी। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष, सह संस्थापक आ०पंकज कुमार दास के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन व काव्य- प्रस्तुति की गई। इस मौके पर सभी साहित्यकारों, मुख्य अतिथि गणों व विशिष्ट अतिथि को अंग वस्त्र, मेमोटो देकर सम्मानित किया गया।

रेल संपति की चोरी कर रहे एक चोर गिरफ्तार आरपीएफ ने समान बरामद कर भेजा जेल

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ नें मंगलवार को रेल संपति चुराने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेजा। रेल सुत्रो से मिली जानकारी अनुसार आरपीएफ इंस्पेक्टर धनंजय कुमार के निर्देशन पर उप निरीक्षक संतोष कुमार सुमन साथ उप निरीक्षक सुजीत कुमार मिश्र, प्रधान आरक्षी विरेन्द्र कुमार सभी रेसुब/पोस्ट/सहरसा गस्त व आपराधिक गतिविधि निगरानी हेतु यार्ड, वाशिंग पीट के तरफ प्रस्थान किया। आपराधिक गतिविधि निगरानी के दौरान वाशिंग पीट, यार्ड ड्यूटी में तैनात प्रधान आरक्षी संतोष कुमार झा यार्ड में मिले जिनको साथ लेकर आपराधिक गतिविधि निगरानी कर रहा था। इसी क्रम में सहायक उप निरीक्षक आकाश रंजन कुमार एवं देव शंकर सिंह भी गस्त करते हुए मिले। सभी यार्ड में गहन निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान सहरसा-मधेपुरा रेल लाईन से पूरब व पश्चिम बिजली पोल संख्या 1165-1163 के बीच देखा गया कि मधेपुरा वाली लाईन से पश्चिम वाली लाईन पर खड़ी कोच के पास 01 व्यक्ति मोटर साईकिल खड़ा कर उसपर कुछ वजनी सामान लोड करने का प्रयास कर रहा है तथा 01 व्यक्ति को लाईन से पूरब झाड़ी में देखा गया। सभी सतर्क होते हुए अपने-आप को छिपाते हुए उसके तरफ बढ़े तो देखे कि झाड़ी वाला व्यक्ति प्लास्टिक की बोरी में रखा कुछ वजनी सामान लेकर यार्ड में खड़े मोटर साईकिल के तरफ आ रहा है। सभी मोटर साईकिल के पास पहुँचे वहाँ पर खड़ा व्यक्ति देखकर भागने लगा। जिसे घेरकर पकड़ लिया गया तथा प्रधान आरक्षी संतोष कुमार झा व आकाश रंजन कुमार उक्त व्यक्ति को पकड़ कर रखने हेतु आदेश देकर सभी झाडी के पास वाला व्यक्ति मधेपुरा लाईन से सटे पूरब जो एक सफेद प्लास्टिक की बोरी को फेंक कर भागा था। उसका पीछा किये परन्तु वह यार्ड के बगल के गली मोहल्ले का फायदा उठाकर कहीं छिप गया। जिसकी पहचान बिपीन कुमार, पिता-बिजेन्द्र शर्मा, सा०-बटराहा, वार्ड सं0-26/35, थाना-सदर, जिला-सहरसा के रुप में किया गया। बाद वापस आकर यार्ड में खड़े मोटर साईकिल व पकड़े गए व्यक्ति व स्टाफ के पास पहुँच कर मोटर साईकिल बी आर -19 आई वी -0244 के पास रखे 02 बोरियों के संबंध में पकड़े गये व्यक्ति से उसका नाम पता पुछा गया तो उसने अपना नाम मो मनोवर उम्र 18 वर्ष, पे०-मो० जमशेद, सा०-बटराहा, वार्ड सं0-26, थाना-सदर, जिला-सहरसा बताया तथा उसके द्वारा बताया गया कि मैं अपने साथी के साथ यार्ड में खड़ी लाल रंग के पुराना कोच से बैट्री चूराया हूँ। जिसमें कुछ बैट्री फूट गया है। जिसे लाकर लोड करने हेतु रखा था। मेरा साथी बिपिन बताया कि 22-23 दिन पहले वाशिंग पीट में खड़ी कोच से तार चूराया था जिसे छुपाकर यहीं झाड़ी में रखा था जिसे निकालकर ला रहा हूँ। बाद तीनों बोरियों को पकड़े गए व्यक्ति मो० मनोवर से खोलवाकर चेक किया गया ।

मां भगवती विषहरी मंदिर दीवारी से चेन स्नैचिंग करती दो महिला चोर को पुलिस ने रंगे हाथ दबोचा

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिला अंतर्गत सोनवर्षा कचहरी थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध भगवती मंदिर, दीवारी में मंगलवार को पूजा अर्चना जल चढ़ाने आए श्रद्धालुओं की भीड़ में गर्भगृह में चेन स्नैचिंग कीतवाल घटना को अंजाम दे रही 2 सीसीटीवी में कैद महिला चोर अपराधियों को मंदिर कमेटी टीम महिला चोर को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया, पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों महिला चोर को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुट गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मंदिर परिसर में भीड़ का लाभ उठाकर चेन स्नैचिंग करने वाली यह महिला गिरोह पहले से सक्रिय था और त्योहार व विशेष अवसरों पर वारदात को अंजाम देती थी। मंगलवार को जब एक महिला श्रद्धालु गर्भगृह से चेन काटने का प्रयास किया तो उसने शोर मचाया। वहां तैनात मंदिर कमेटी के पुजारी और सदस्य ने सीसीटीवी कैमरे के आधार पर पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए कुछ संदिग्ध महिलाओं को पकड़ लिया। मौके पर तैनात पुलिस बल ने बताया कि गिरफ्तार महिलाओं के पास से और संदिग्ध सामान बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि यह गिरोह अन्य जिलों में भी सक्रिय रहा है। पुलिस इनके आपराधिक रिकॉर्ड की छानबीन कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनके साथ कितने और लोग जुड़े हैं। तत्काल सोनबरसा कचहरी पुलिस ने दोनों महिला को गिरफ्तार कर छानबीन में जुट गई है। मंदिर समिति और श्रद्धालुओं ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने की मांग की है।

कांग्रेस द्वारा माय बहीन मान योजना के तहत सैकड़ों महिलाओं ने कराया पंजीकरण

कांग्रेस के कथनी व करनी में कोई अंतर नही है : मनोज गौतम

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार प्रदेश प्रतिनिधि मजनू हैदर अली कैश की अध्यक्षता में सहरसा बस्ती वार्ड नमबर 28 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के प्रवेक्षक मनोज गौतम की उपस्थिति में माय बहीन मान योजना के तहत सैकड़ों महिलाओं ने पंजीकरण कराया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रवेक्षक मनोज गौतम ने कहा कि कांग्रेस जो कहती है वही करती है कि अगर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनती है तो बिहार की जनता के लिये इस योजना के अलावे अन्य योजनाएँ भी लागू करेंगी। बिहार के चुनाव में मोदीजी और एनडीए के नेता आकर रंग विरंगी घोषणा करेंगें लेकिन वो अन्य प्रदेशों की तरह कभी भी पूरा नहीं करेंगें और बिहार की घोषणा भी जुमला साबित होगा। प्रदेश प्रतिनिधि मजनू हैदर कैश ने कहा कि - हमारी सरकार यानी महागठबंधन की सरकार बनती है तो 200 यूनिट विजली, सिनियर सिटीजन को 1500 की राशि समेत बड़े पैमाने पर बेरोजगारों को गारंटी के साथ नौकरी देने का भी काम करेंगी। जैसे अभी कांग्रेस की सरकार तेलंगाना, कर्नाटक, झारखंड आदि में दे रहीं है। इसलिये आप तमाम महिलाओं को फार्म भरने के लिए आगे आना चाहिये ताकि आप सब को लाभ मिल सके।कार्यक्रम में पूर्व जिला उपाध्यक्ष बद्री प्रसाद यादव, पूर्व मुखिया एवं वाड पार्षद मो जकी आलम, युवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष अखतर सिद्दीकी, विधानसभा अध्यक्ष भाई अब्दुल बासित सहित दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पत्रकारिता एवं जनसंचार एक ही सिक्के के दो पहलू : डॉ रजनीश

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा स्थानीय पटुआहा स्थित ईस्ट एन वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के बहुउद्देशीय सभागार में ईस्ट एन वेस्ट कॉलेज ऑफ मास कम्युनिकेशन द्वारा बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (बीजेएमसी) कोर्स के पहले सत्र में नामांकित छात्र एवं छात्राओं का कोर्स इंडक्शन का विधिवत शुरूआत ईस्ट एन वेस्ट कॉलेज समुह के चेयरमैन डॉ रजनीश रंजन, जन संचार महाविद्यालय के शैक्षणिक निदेशक मुक्तेश्वर प्रसाद सिंह मुकेश, ईस्ट एन वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ नागेंद्र कुमार झा जन संचार महाविद्यालय के प्राचार्य विष्णु स्वरूप ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। जनसंचार महाविद्यालय के प्राचार्य विष्णु स्वरूप ने आगत अतिथियों को पचरंगा अंग वस्त्र एवं पाग देकर सम्मानित किया। कोर्स इंडक्शन समारोह निदेशक मुक्तेश्वर मुकेश के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री मुकेश ने कहा कि हमारे महाविद्यालय का भले यह पहला सत्र है, परंतु हमारी शैक्षणिक टीम में एक से बढ़कर एक देश के नामचीन संस्थाओं से उपाधि प्राप्त प्राध्यापक शामिल है। जिनके निर्देशन में कोसी के छात्र छात्रा अध्ययन प्रशिक्षण के साथ-साथ रोजगार तक के सफर को पूरा करेगा। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ईस्ट एन वेस्ट कॉलेज समुह के चेयरमेन डॉ रंजन ने कहा कि पत्रकारिता एवं जनसंचार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, परंतु दोनों पहलुओं का मूल्य एवं अवधारणाएं अलग-अलग हैं जिसे आप अध्ययन के क्रम में जानेंगे। उन्होंने कहा सम्पूर्ण राज्य स्तर पर यह इकलौता जनसंचार महाविद्यालय है, जहां मैट्रिक, इंटर या स्नातक स्तरीय डिग्र व डिप्लमाउ कोर्स संचालित हो रहा है। कहा की रिपोर्टिंग एवं एडिटिंग पत्र लगातार तीन वर्षों तक आप विष्णु स्वरूप के निर्देशन में सीखेंगे, साथ ही उन्होंने कहा कि जनसंचार का आधार लेखन है जिसे आप नेशनल इंटीग्रिटी अवार्ड प्राप्त संस्थान इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन से उपाधि प्राप्त आशीष भारद्वाज से सीखेंगे जबकि फिल्म मेकिंग एवं विज्ञापन संचार शोध संस्थान एमसीआई नई दिल्ली से उपाधि प्राप्त मनोज श्रीपति से सीखेंगे। मैथिली पत्रकारिता एक अच्छे पत्र के रुप पढ़या जाएगा। जिसे रेडियो ईस्ट एन वेस्ट के क्रिएटिव हेड किशलय कृष्ण पढ़येंगे। ईस्ट एन वेस्ट फाउंडेशन के जनसंपर्क पदाधिकारी अभय मनोज के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम के अवसर पर ईस्ट एन वेस्ट डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ बसंत कुमार मिश्रा, नोडल अंशु कुमार गुप्ता, प्राध्यापक प्रमुख प्रियंका पांडेय सहित अन्य मौजूद थे।

सावन में हर रोज उल्टानाथ महादेव मंदिर में अनुपम श्रृंगार पूजा एवं महाआरती से माहौल हुआ भक्तिमय

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर) । अंगप्रदेश के चर्चित श्री श्री 108 तारकेश्वर नाथ सह उल्टा नाथ महादेव मंदिर में प्रत्येक वर्ष की भांति सावन में हर रोज चौथे दिन प्रथम सोमवारी की रात ढ़लते भोलेनाथ का अनुपम श्रृंगार पूजा एवं महाआरती का भव्य आयोजन बड़े ही हर्षोउल्लास एवं धूमधाम से श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। गौरतलब है कि इस दौरान मंदिर प्रांगण और गर्भगृह को आकर्षक तरीके से सजाया गया था। पूरे सादगी एवं हर्षोल्लास के साथ महिला एवं पुरुष शिवभक्तों सहित अन्य धमार्नुरागियों ने श्रृंगार पूजा के साथ-साथ महाआरती में हिस्सा लिया। आस पड़ोस के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को लेकर श्रृंगार पूजा के समय मंदिर परिसर का चप्पा चप्पा लोगों की भीड़ से पट गया । श्रृंगार पूजा सहित महाआरती का आयोजन मंदिर कमिटी के लोगों द्वारा पूरी तैयारी एवं विधि विधान के साथ प्रत्येक वर्ष सावन महीने में किया जाता है । श्रृंगार पूजा के बाद भारी संख्या में लोगों ने भोलेनाथ की भव्य महाआरती में भाग लेकर महाप्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक आयोजन के दौरान पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव, भोले शंकर की जय, बोलबंम का नारा है बाबा एक सहारा है,

एक दिवसीय नियोजन कैंप का आयोजन किया गया, तीन कंपनियों ने लिया भाग, 50 रिक्तियों के विरुद्ध 21 अभ्यर्थियों का तैयार किया गया संक्षिप्त लिस्ट

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। श्रम संसाधन विभाग, बिहार अंतर्गत जिला नियोजनालय, मुंगेर में मंगलवार को एक दिवसीय नियोजन कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में निजी कंपनी आमधनी प्राईवेट लिमिटेड . के प्रतिनिधि देवेश पाण्डेय, एच आर मैनेजर के द्वारा कैंप में उपस्थित अभ्यर्थियों को देकसोना , एम आर एफ,महिन्द्रा आदि कंपनियां में कार्य सम्बंधित, वेतन एवं भत्ते, कार्य स्थल एवं अन्य विषयों की जानकारी विस्तृत रूप में दी गयी। कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा दिए गए 50 रिक्तियों के विरुद्ध कुल 21 अभ्यर्थियों का साक्षात्कारोपरांत स्थल पर संक्षिप्त लिस्ट तैयार किया गया। जॉब कैंप में कुल 26 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर यंग प्रोफेशनल उज्जवल सिंह भंडारी, बेरोजगार युवकों को कैरियर एवं रोजगार सम्बन्धी मार्गदर्शन दिया एवं बताया की नियोजन कार्यालय जिले के रोजगार इच्छुक अभ्यर्थिओं को रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में प्रत्येक माह जॉब कैंप का आयोजन करता है।

जिसमें बिहार एवं अन्य राज्यों के निजी क्षेत्र के नियोजकों को आमंत्रित किया जाता है, जिसकी सूचना समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित की जाती है साथ ही बताया गया की जिले के वैसे अभ्यर्थी जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं वो नियोजनालय में संचालित पुस्तकालय की सुविधा निःशुल्क लाभ ले सकते है।

जॉब कैंप में जिला कौशल प्रबंधक, मुंगेर, श्री कन्हैया केशरी द्वारा बिहार स्किल डेवलेपमेंट मिशन (इरऊ्ट) द्वारा संचालित कार्यक्रमों और इरऊ्ट द्वारा पटना में आयोजित रोजगार मेला के बारे में विस्तार से बताया गया।

कोसी की प्रचंड वेग में कई घर नदी में हुआ विलीन

- सिमरी बख्तियारपुर में कोसी नदी का कटाव हुआ तेज
- घोघसम गांव में कई घर नदी में हुए विलीन
- ग्रामीणों ने प्रशासन से तुरंत कटाव निरोधी कार्य की रखी मांग

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर प्रखंड क्षेत्र के घोघसम गांव में कोसी नदी ने मानसून की शुरूआत के साथ ही अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कोसी के कटाव ने गांव के 40 से अधिक घरों को प्रभावित किया है। जिनमें से कई घर तो नदी में विलीन हो चुके हैं। ज्ञात हो की कोसी नदी का जलस्तर बीते 1 जुलाई से ही बढ़ रहा है। जिसके कारण सिमरी बख्तियारपुर और सलखुआ क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। नेपाल और उत्तर बिहार में लगातार बारिश ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। घोघसम गांव के लोग डरे-सहमे हैं। वे लोग प्रशासन से तत्काल कटाव निरोधी कार्य शुरू करने की मांग कर रहे थे। पिछले साल कटावरोधी कार्यों ने गांव को कुछ हद तक बचाया था। लेकिन इस बार फिर से खतरा बढ़ गया है। जल संसाधन विभाग के अनुसार कोसी नदी का जलस्तर सहरसा में खतरे के निशान के करीब है। जबकि बक्सर, पटना तथा भागलपुर में गंगा का जलस्तर भी बढ़ रहा है। कोसी बैराज के 56 गेट में से कई गेट खोले गए हैं। जिससे जलस्तर और बढ़ा है। घोघसम में कटाव के कारण फसलों और घरों को भारी नुकसान हुआ है।ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की ओर से समय पर सहायता नहीं मिल रही है। पिछले साल भी जिले के असई गांव में भी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी।सिमरी बख्तियारपुर के 57 गांवों में से कई घोघसम और कोसी तटबंधों के बीच बसे हैं। यहां हर साल बाढ़ और कटाव का खतरा रहता है। वर्ष 2008 में कोसी की बाढ़ ने सुपौल, सहरसा, मधेपुरा और अररिया जैसे जिलों में 27 लाख लोगों को प्रभावित किया था। ग्रामीणों ने मांग की है कि कटाव निरोधी बांधों को मजबूत किया जाए और प्रभावित परिवारों को पुनर्वास और मुआवजा भी दिया जाए।

जमीन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर बैठक

जमुईः पूर्व वन एवं पर्यावरण मंत्री स्व. अर्जुन मंडल की स्मृति में पार्क निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर सर्वजन कल्याण सेवा समिति के सदस्यों की बैठक महाराजगंज बाजार स्थित एक निजी भवन में महासचिव अभिषेक झा की अध्यक्षता में हुई। मौके पर महासचिव अभिषेक झा ने बताया कि समिति की ओर से पूर्व वन एवं पर्यावरण मंत्री स्वर्गीय अर्जुन मंडल स्मृति में उनके पैतृक गांव प्रधानचक में पार्क निर्माण कराने को लेकर बिहार सरकार के तत्कालीन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डा. प्रेम कुमार को विगत नौ जनवरी 2025 को ज्ञापन दिया गया था। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मंत्री प्रेम कुमार ने विभाग के अधिकारियों को इस दिशा में तुरंत समुचित कदम उठाकर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया था।

मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्य का डीएम ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज अनुमंडल क्षेत्र में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का मंगलवार को जिला पदाधिकारी तरनोज सिंह ने जायजा लिया। इस कार्य को लेकर एक पखवाड़े में डीएम दूसरी बार उदाकिशुनगंज पहुंचे। इससे पूर्व डीएम एक जुलाई को मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्य का जायजा लेने उदाकिशुनगंज पहुंचे थे। मंगलवार को डीएम ने उदाकिशुनगंज नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या पांच - छह के डोहटबारी मुहल्ले के मतदान केन्द्र संख्या 298 और 299 अंतर्गत पहुंचे। उनके साथ कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। मतदान केंद्र संख्या 298 और 299 के अंतर्गत आने वाले मतदाताओं से डीएम ने बातचीत की। वहीं लोगों को मुख्य चुनाव आयोग निदेशों से लोगों को अवगत कराया। इस प्रक्रिया को लेकर डीएम ने लोगों से लंबी बातचीत की।लोगों से कार्य में सहयोग की अपील की। कहा कि इस कार्य में लोगों की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने लोगों से कहा कि इस कार्य को लेकर किसी भी प्रकार का भ्रम मन में नहीं रखें। यह कार्य लोगों के हित में बेहतर है। फिर चुनाव आयोग के निदेशों का पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आमजनों के सहयोग से तय समय पर यह कार्य पूरा होगा। वहीं लोगों के संदेह को दूर करते हुए डीएम ने कहा कि कोई भी लोग वोटर बनने से नहीं चुकेंगे। जो लोग बाहर है वह एप और वेबसाइट के माध्यम से फार्म अपलोड कर जुड़ेंगे। बीएलओ को लोगों के घर तक पहुंच रहे हैं। बीएलओ घर-घर फार्म का वितरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को फार्म भरकर जमा करना है। आवश्यक प्रमाणिकता के साथ फार्म भरकर जमा करें। बीएलओ एक प्रति भरें फार्म की प्राप्ति देंगे। उसके बाद दावा आपत्ति की प्रक्रिया है। इस दौरान डीएम उस क्षेत्र के दर्जनों मतदाताओं से मिले।

काशी से भी प्राचीन - 5500 वर्ष पुराना है कालीबंगा का शिवलिंग

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

शिव को संहारक नहीं, सृजनकर्ता माना गया है। आदि अनादि से लेकर कलियुग तक, शिव भक्ति भारतीय जनमानस की आत्मा में समाई रही है। चाहे हिमालय की ऊंची कंदराएं हों या दक्षिण के मंदिरों की भव्यता, शिव सदा हर युग में उपस्थित रहे हैं। लेकिन अब जो प्रमाण राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के कालीबंगा क्षेत्र से मिले हैं, वह इतिहास और पुरातत्त्व दोनों की दृष्टि से क्रांतिकारी हैं। यहां मिला टेराकोटा से बना एक प्राचीन शिवलिंग बनारस के काशी विश्वनाथ से भी हजारों साल पुराना है, यह सिद्ध करता है कि हड़प्पा सभ्यता के लोग भी शिव के परम भक्त थे। कालीबंगा राजस्थान के उत्तर-पश्चिम में स्थित हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के किनारे बसा एक पुरातन बस्ती था, जो सिंधु घाटी सभ्यता का अभिन्न अंग माना जाता है। यह स्थान ह्यकाली रंग की चूड़ियोंह्व के कारण कालीबंगा कहलाया। 1960 के दशक में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (अरक) द्वारा की गई खुदाई में यहां से मिट्टी के बर्तन, घरों की नींव, ईंटों की सड़कें, कृषि उपकरण, और अब एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवशेष शिवलिंग प्राप्त हुआ है। कालीबंगा से प्राप्त हुआ शिवलिंग महज 4.5 सेंटीमीटर लंबा है और टेराकोटा (पकी मिट्टी) से बना है। यह आकार में छोटा अवश्य है, लेकिन इसका महत्व असीम है। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के अनुसार, यह शिवलिंग करीब 5500 वर्ष पुराना है, जो इसे भारत में अब तक का सबसे प्राचीन शिवलिंग बनाता है। इसकी तुलना जब वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के शिवलिंग से की जाती है, जो वर्तमान स्वरूप में मात्र 250-300 वर्ष पुराना है, तो स्पष्ट होता है कि शिव भक्ति का इतिहास हजारों वर्षों से भी अधिक गहराई में जड़ें जमाए हुए है। कालीबंगा की खुदाई में शिवलिंग के अलावा नंदी की आकृति और पीपल पूजन मुद्रा वाले सिक्के भी प्राप्त हुए हैं। नंदी, जो शिव के वाहन के रूप में पूजे जाते हैं, और पीपल, जिसे शाश्वत जीवन का प्रतीक माना गया है, इन दोनों की उपस्थिति इस बात का ठोस संकेत देता है कि हड़प्पा के लोग शिव के उपासक थे। यह खोज केवल धार्मिक आस्था की पुष्टि नहीं करता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि हड़प्पा की समृद्ध सभ्यता में अध्यात्म, प्रकृति पूजा और धार्मिक प्रतीक बहुत पहले से मौजूद था। कालीबंगा क्षेत्र की खुदाई से अब तक 1450 से अधिक पुरावशेष प्राप्त हुए हैं, जिन्हें संरक्षित कर कालीबंगा संग्रहालय में रखा गया है। संग्रहालय की गैलरियों में इन वस्तुओं को बारीकी से समझाने वाले बोर्ड लगे हैं, जिनमें हड़प्पा कालीन जीवनशैली, व्यापार, कृषि, वस्त्र, आभूषण और अब आध्यात्मिक जीवन से जुड़े प्रमाण भी सम्मिलित हैं। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण वस्तु यही प्राचीन शिवलिंग है, जो वहां आने वाले प्रत्येक आगंतुक को भारत की सनातन परंपरा की गहराई से परिचित कराता है। कालीबंगा और अन्य हड़प्पा स्थलों की खुदाई से यह ज्ञात होता है कि उस समय के लोग अत्यंत व्यवस्थित जीवन जीते थे। कृषि, व्यापार, नगर नियोजन, जल प्रबंधन, सभी क्षेत्रों में वे उन्नत थे। परंतु यह प्रमाण इस अवधारणा को और भी सुदृढ़ करता है कि धर्म और अध्यात्म उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा था। हड़प्पा सभ्यता को पहले तक एक धर्मनिरपेक्ष सभ्यता माना जाता था क्योंकि वहां विशाल मंदिरों के अवशेष नहीं मिले। लेकिन कालीबंगा का शिवलिंग, नंदी की आकृति, और पीपल पूजन मुद्रा से स्पष्ट होता है कि उनके धर्म के प्रतीक सूक्ष्म थे लेकिन सशक्त। डॉ. श्याम उपाध्याय जैसे शोधकर्ताओं का मानना है कि यह शिवलिंग भारतीय इतिहास के पुनर्लेखन की नींव रखता है। यह केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि उस संस्कृति की झलक है जो पांच हजार वर्ष पूर्व भी दैवीय ऊर्जा को मूर्त रूप में पूजती थी। इस खोज ने भारत के धार्मिक इतिहास को सिंधु घाटी सभ्यता तक पीछे खींच दिया है। कालीबंगा की खुदाई और यहां से प्राप्त धार्मिक प्रतीक न केवल भारतीय इतिहास को समृद्ध करता है, बल्कि यह विश्व समुदाय को भी यह संदेश देता है कि भारत की धार्मिक चेतना की जड़ें अत्यंत गहरी और प्राचीन हैं।

नीति आयोग की मानव पूँजी से संबंधित क्रांति

राव इंद्रजीत सिंह

भारत जैसे विशाल और वैविध्यपूर्ण देश में प्रगति का वास्तविक पैमाना केवल जीडीपी के आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों में नहीं, बल्कि इस बात में निहित है कि वह देश अपनी जनता का कितने बेहतर ढंग से पोषण करता है। भारत की मानव पूँजी–हमारी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और उत्पादकता– केवल एक आर्थिक संपत्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है। पिछले दस वर्षों में, भारत के प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक-नीति आयोग के नेतृत्व में देश में एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति ने आकार लिया है, जिसने देश द्वारा अपने सबसे महत्वपूर्ण संसाधन, यानी अपने नागरिकों, में निवेश करने के तरीके को नए आकार में ढाला है।

एक ऐसे देश में जहाँ 65 प्रतिशत से ज्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र वाले लोगों की है, तो वह जनसांख्यिकीय लाभांश बेहद दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है। लेकिन इस युवा आबादी का विशाल आकार अपने साथ एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी लेकर आता है। प्रमुख चुनौती इस युवा ऊर्जा को आर्थिक विकास और राष्ट्रीय विकास की शक्ति में रूपांतरित करना है। यहीं पर नीति आयोग एक दूरदर्शी उत्प्रेरक के रूप में उभरा है - जो न केवल आज की प्राथमिकताओं, बल्कि भविष्य की समृद्धि का भी रोडमैप तैयार कर रहा है। पिछले एक दशक में, नीति आयोग एक थिंक टैंक से एक सुधारवादी साधन और कार्यान्वयन भागीदार के रूप में विकसित हुआ है, जो आँकड़ों, सहयोग और मानव-केंद्रित डिजाइन द्वारा समर्थित साहसिक विचारों के लिए जाना जाता है। इसने नीति-निर्माण को एक शीर्ष-स्तरीय प्रक्रिया से राज्यों, निजी क्षेत्र, वैश्विक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के साथ सह-निर्माण की गतिशील प्रक्रिया में बदल दिया है। इसकी ताकत केवल योजना बनाने में ही नहीं, बल्कि संज्ञान लेने और उन अवधारणाओं को अमली जामा पहनाने में भी निहित है। इसके मार्गदर्शन में मानव पूँजी की आधारशिला-शिक्षा की पूर्णता नए सिरे से परिकल्पना की गई है। नीति आयोग ने इस बात को स्वीकार करते हुए कि केवल पहुँच ही पर्याप्त नहीं होती, गुणवत्ता और न्यायसंगतता पर जोर दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जहाँ नीति आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही, ने –रटंत शिक्षा से आलोचनात्मक चिंतन, लचीलेपन और व्यावसायिक एकीकरण का रुख करते हुए एक नए युग का सूत्रपात किया। इसने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण और विषयों के बीच निर्बाध परिवर्तन पर जोर दिया। इसने देश भर में मौजूद 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स में नवाचार को समाहित करते हुए अटल नवाचार मिशन जैसी पहलों के माध्यम से जवाबदेही और कल्पनाशीलता दोनों को सुनिश्चित किया। भारत के युवाओं को 21वीं सदी के लिए कुशल बनाना इसके मिशन का एक और आधार रहा है। कौशल भारत मिशन का समर्थन देने से लेकर आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से वंचित जिलों के महत्वपूर्ण भाग तक व्यावसायिक कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित करने तक, नीति आयोग ने कक्षा और करियर के बीच की खाई को पाटने में मदद की है। कौशल भारत मिशन के तहत, 1.5 करोड़ से ज्यादा युवाओं को तकनीक, उद्योग संबंधी और माँग-आधारित पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण वाली पहलों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। इसने महज प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ही प्रशिक्षण नहीं दिया–अपितु इसने क्षेत्रीय जरूरतों का आकलन किया और भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों ही तरह के युवाओं के लिए वास्तविक आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोलने वाले कार्यक्रम तैयार किए। इसके साथ ही साथ, इसने गतिशील, समावेशी श्रम बाजार का समर्थन किया। इसने 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को–मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और व्यावसायिक सुरक्षा से संबंधित चार सरलीकृत संहिताओं में युक्तिसंगत बनाने में सहायता प्रदान की। इन सुधारों ने नियोक्ता के लचीलेपन को श्रमिक सुरक्षा के साथ संतुलित किया, जिससे विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को लाभ हुआ, जो भारत के कार्यबल का बहुसंख्यक हिस्सा है। अनुपालन को सरल बनाकर और औपचारिकता को प्रोत्साहित करके कार्यस्थल केवल अधिक उत्पादक ही नहीं, बल्कि अधिक मानवीय भी बना। लागत के रूप में देखी जाने वाली स्वास्थ्य सेवा को निवेश के रूप में नए सिरे से परिभाषित किया गया। नीति आयोग ने प्रतिक्रियात्मक उपचार से अग्रसक्रिय स्वास्थ्य का रुख किए जाने को मूर्त रूप प्रदान करने में मदद की।

डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रुपए के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दशार्ता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पदार्पाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था। आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रुपए के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दशार्ता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पदार्पाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था। आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड़यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाजार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।

इस संकट की घड़ी में डिजिटल लेन-देन एक बड़ी राहत और समाधान बनकर उभरा है। यूपीआई, भीम मोबाइल वॉलेट्स, नेट बैंकिंग और कार्ड पेमेंट्स जैसे साधन नकली नोटों की समस्या को जड़ से समाप्त करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल लेन-देन के लाभ ही लाभ है, पूर्ण पारदर्शिता यानी हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड होता है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आती है। कर चोरी, हवाला, और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी काली प्रवृत्तियाँ समाप्त होती है। नकली मुद्रा की संभावनाओं पर विराम लगता है, जिससे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड़यंत्र एवं साजिशें नाकाम होती है। लेन-देन सेकंडों में पूरा होता है और उनमें सरलता भी रहती है। पासवर्ड आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लेन-देन सुरक्षित रहता है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचता है, पैसा सीधे उनके खातों में पहुँचता है, बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने हर मंच पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने की बात कही है। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को मोबाइल बैंकिंग, क्यूआर कोड, और कार्ड से भुगतान की शिक्षा देने की मुहिम चलाई है। इसका असर यह है कि आज भारत यूपीआई ट्रांजैक्शन में दुनिया में नंबर 1 है। डिजिटल इंडिया गरीब को ताकत देता है, मिडल क्लास को सुविधा देता है और राष्ट्र को मजबूती देता है। भारत की असली शक्ति अब डिजिटल प्रचलन बन रही है, जहाँ एक बटन से करोड़ों का ट्रांजैक्शन सुरक्षित होता है। मोदी की डिजिटल क्रांति ने भारत को इक्कीसवीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत आधार दे दिया है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस डिजिटल युद्ध में सहभागी बनें, नकली नोटों को ना कहें, डिजिटल लेन-देन को अपनाएं। यही राष्ट्रभक्ति है, यही समय की माँग है। संदिग्ध नकदी की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों को दें। नकली नोटों की पहचान करना सीखें और दूसरों को भी जागरूक करें। निश्चित ही जहाँ नकली नोट देश की आत्मा को खोखला करते हैं, वहीं डिजिटल मुद्रा राष्ट्र की नींव को मजबूत करती है। निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ-ही-साथ डिजिटल भुगतान से जुड़े घपल्ले एवं घोटाले भी है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए।

कोख में कत्ल होती बेटियाँ: हरियाणा की घुटती संवेदना

जब तक समाज की सोच, पारिवारिक मानसिकता और चिकित्सा संस्थानों की नैतिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक कोई योजना सफल नहीं होगी। बेटी को बचाने के लिए उसका जन्म गर्व का विषय बनाना होगा, अपराधबोध का नहीं.....जिस धरती पर दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी जैसी नारियों की पूजा होती है, उसी धरती पर बेटियाँ आज भी माँ की कोख में दम तोड़ रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने हरियाणा की उस कड़वी सच्चाई को फिर से उजागर किया है, जिसमें तीन महीनों में एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात दर्ज किए गए-जिनमें अधिकांश के पीछे पुत्री होने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है। यह आँकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर छुपी पुरुषप्रधान सोच, भेदभावपूर्ण मानसिकता और शासन-प्रशासन की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आशा कार्यकताओं को ह्लसहेलीह्व की भूमिका में तैनात किया था।

प्रियंका सौरभ

लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

हरियाणा में केवल तीन महीनों में एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात। कारण झ कन्या भ्रूण हत्या की आशंका। छप्पन आशा कार्यकताओं को कारण बताओ नोटिस। निगरानी प्रणाली में चूक। पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिस के सहयोग से कठोर कार्यवाही की तैयारी। किन्तु क्या यह सख़्ती पर्याप्त है? जब तक समाज की सोच, पारिवारिक मानसिकता और चिकित्सा संस्थानों की नैतिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक कोई योजना सफल नहीं होगी। बेटी को बचाने के लिए उसका जन्म गर्व का विषय बनाना होगा, अपराधबोध का नहीं.....जिस धरती पर दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी जैसी नारियों की पूजा होती है, उसी धरती पर बेटियाँ आज भी माँ की कोख में दम तोड़ रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने हरियाणा की उस कड़वी सच्चाई को फिर से उजागर किया है, जिसमें तीन महीनों में एक हजार एक सौ चौवन गर्भपात दर्ज किए गए-जिनमें अधिकांश के पीछे पुत्री होने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है। यह आँकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर छुपी पुरुषप्रधान सोच, भेदभावपूर्ण मानसिकता और शासन-प्रशासन की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आशा कार्यकताओं को ह्लसहेलीह्व की भूमिका में तैनात किया था। उनका कर्तव्य था कि वे गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करें, उनके स्वास्थ्य की देखरेख करें, और सही सलाह देकर उन्हें सहयोग प्रदान करें। किन्तु छप्पन आशा कार्यकताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना यह दशार्ता है कि इस निगरानी प्रणाली में गम्भीर लापरवाही हुई है। क्या ये कार्यकर्ता जानबूझकर लापरवाह थीं, या उनके पास संसाधनों की कमी थी? क्या वे सामाजिक दबाव, भय अथवा अव्यवस्था के कारण चुप रहीं? यह गहन जाँच का विषय है, क्योंकि केवल दंड देना समाधान नहीं, अपितु इस समस्या का संवेदनशील समाधान आवश्यक है। हमारे देश में गर्भधारण से पूर्व एवं पूर्व प्रसव भ्रूण परीक्षण निषेध अधिनियम के अंतर्गत भ्रूण की लिंग जाँच तथा लिंग के आधार पर गर्भपात एक दंडनीय अपराध है। परंतु यह अधिनियम केवल कागजों तक सीमित रह गया है। हरियाणा में कई स्थानों पर अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्र, निजी चिकित्सा केंद्रों की मिलीभगत, तथा पैसे के लालच में लिंग जाँच और भ्रूण हत्या आज भी बेरोक-टोक जारी है। इन केंद्रों पर रोक लगाने हेतु बनाए गए विशेष दस्तों तथा निरीक्षण टीमों की सक्रियता केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। स्वास्थ्य विभाग ने गर्भपात करवाने वाली महिलाओं की ह्लपश्च परीक्षण प्रणालीह्व को अधिक कठोर करने की घोषणा की है तथा विशेष रूप से उन महिलाओं की निगरानी बढ़ाने की बात कही है, जिनकी पहले से एक या अधिक पुत्रियाँ हैं। उद्देश्य सकारात्मक है, परंतु यदि इसे संवेदनशीलता और सम्मान के साथ लागू नहीं किया गया, तो यह कदम स्वयं महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकारों और निजता पर प्रहार बन सकता है। क्या यह निगरानी केवल भय का वातावरण उत्पन्न करने का माध्यम बन रही है? या फिर वे महिलाएँ, जो सामाजिक दबाव में आकर गर्भपात करवाने को विवश हुईं, अब एक बार फिर पीड़िता की बजाय अपराधिनी बना दी जाएँगी? ह्लबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व जैसे नारे केवल दीवारों पर लिखे जा रहे हैं अथवा नेताओं के भाषणों में दोहराए जा रहे हैं। जमीनी सच्चाई यह है कि ग्रामीण ही नहीं, शहरी समाज भी पुत्री को आज भी एक बोझ के रूप में देखता है। दहेज, सुरक्षा, सम्मान और वंश परंपरा जैसे कुप्रथाओं के कारण बेटियाँ आज भी अवांछित हैं। क्या केवल नारेबाजी पर्याप्त है या इस दिशा में मूलभूत सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता है? कोख में हो रही बेटियों की हत्या केवल माँ या परिवार की जिम्मेदारी नहीं है। यह एक सामूहिक अपराध है, जिसमें समाज, चिकित्सा संस्थान, प्रशासनिक व्यवस्था और हम सब शामिल हैं। जब कोई महिला दूसरी या तीसरी बार पुत्री को जन्म देने वाली होती है, तो समाज उसकी मानसिकता, पात्रता और पारिवारिक स्थिति पर कटाक्ष करता है। यही मानसिकता उस माँ को मजबूर करती है कि वह अगली बार कन्या का जन्म न होने दे-भले ही इसकी कीमत किसी जीवन के रूप में क्यों न हो। केवल नोटिस, निलंबन और निगरानी से यह विकराल समस्या नहीं सुलझेगी। इसके लिए आवश्यक है झ स्थानीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण अभियान, पुत्रियों के जन्म पर प्रोत्साहन योजनाओं का क्रियान्वयन, जनजागृति के लिए पत्र-पत्रिकाओं, चलचित्रों और सामाजिक माध्यमों का उपयोग, पारिवारिक मुखियों को संवेदनशील बनाना, लिंग परीक्षण करने वाले चिकित्सकों पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही, अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्रों को बंद करना, तथा शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में लिंग समानता की शिक्षा को समाविष्ट करना। आशा कार्यकताओं को दंडित करना एक सतही समाधान है। असल प्रश्न यह है-क्या उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण, संसाधन, समय पर मानदेय तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा प्राप्त थी? जिन चिकित्सकों ने अवैध लिंग जाँच की, जिन केंद्रों ने भ्रूण हत्या करवाई, तथा जिन परिवारों ने कन्या को अस्वीकार किया-क्या उन सबको भी समान रूप से उत्तरदायी ठहराया गया? यदि माताओं को निर्णय लेने का अधिकार देना है, तो उन्हें शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान देना होगा। बेटी तभी बचेगी जब उसकी जननी स्वयं को सक्षम और सशक्त मानेगी। आज आवश्यकता है कि हम हर माँ को यह कहें-ह्लतू दुर्बल नहीं है, तेरे गर्भ में एक शक्ति पल रही है।ह्व पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिसिया दबाव केवल भय का वातावरण उत्पन्न करेंगे। इनकी अपेक्षा यदि हम संवाद को प्राथमिकता दें, महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दें, तथा समाज में बेटियों के लिए सम्मान का भाव विकसित करें-तो परिणाम अधिक स्थायी और सकारात्मक होंगे।

पूर्वोत्तर भारत को मिली नई रफ्तार

बइरबीझ्रसायरंग रेल लाइन से मिजोरम में बहेगी विकास की बयार वर्ष 2025 मिजोरम के इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर दर्ज हुआ है। पहली बार इस पर्वतीय राज्य की राजधानी आइजोल को देश के ब्रॉड गेज रेलवे नेटवर्क से जोड़ा गया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि बइरबीझ्र सायरंग ब्रॉड गेज रेल परियोजना के पूरा होने से संभव हो सकी है। यह न केवल मिजोरम, बल्कि समग्र पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास और सामाजिक समरसता के लिए भी एक क्रांतिकारी कदम है। मिजोरम भारत का एक दूरस्थ, पहाड़ी और सीमावर्ती राज्य है, जिसकी सीमाएं उत्तर में असम और मणिपुर, पश्चिम में त्रिपुरा और बांग्लादेश तथा पूर्व व दक्षिण में म्यांमार से मिलती हैं। समुद्र से कटा होने और ऊबड़-खाबड़ भौगोलिक संरचना के कारण यह राज्य अब तक सड़क मार्ग पर ही निर्भर था। सीमित सड़क कनेक्टिविटी

और अविकसित बुनियादी ढांचे के कारण यह क्षेत्र देश की मुख्यधारा से कटा-कटा महसूस करता था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 नवंबर 2014 को बइरबीझ्रसायरंग रेल परियोजना की आधारशिला रखी थी। इसके बाद भूमि अधिग्रहण कार्य 2014झ्र15 में पूर्ण किया गया और 2015झ्र16 से निर्माण कार्य आरंभ हुआ। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए यह परियोजना 2025 में पूरी हुई और जून 2025 में रेलवे सुरक्षा आयुक्त (उफ्र) ने इसके संचालन की अनुमति प्रदान की। परियोजना के अंतर्गत 51.38 किमी लंबी ब्रॉड गेज रेलवे लाइन का निर्माण किया गया है, जिस पर 100 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रेनों का परिचालन संभव है। इस रेल खंड पर बइरबी से सायरंग के बीच हॉतोर्की, कवनपुई और मुआलखांग स्टेशन स्थित हैं। परियोजना में कुल 48 सुरंगें बनाई गई हैं, जिनकी कुल लंबाई 12.85 किमी है। इसके अलावा, 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल, 5 रोड ओवरब्रिज तथा 9 रोड अंडरब्रिज भी बनाए गए हैं। इनमें से सबसे ऊंचा पुल 104 मीटर ऊंचा है, जो दिल्ली की कुतुबमीनार से भी ऊंचा है। इस परियोजना की कुल लागत 7,714 करोड़ आंकी गई है और इसके निर्माण की जिम्मेदारी उत्तर-पूर्व सीमांत रेलवे (ठऋफ्र) को दी गई थी। यह परियोजना मिजोरम के आम नागरिकों, विशेषकर ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सड़क मार्ग की सीमाओं से जूझते इन लोगों को अब तेज, सुरक्षित और सस्ता परिवहन विकल्प मिलेगा। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाएं और उच्च शिक्षा तक पहुंच आसान होगी, बल्कि राज्य के युवाओं को रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर भी मिलेंगे। कृषि क्षेत्र में भी इसका प्रभाव दूरगामी होगा। स्थानीय किसान अब अपने कृषि उत्पादों को देश के विभिन्न बाजारों तक कम लागत और कम समय में पहुंचा सकेंगे, जिससे उनकी आमदनी में इजाफा होगा। इससे राज्य की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नया बल मिलेगा। पर्यटन की दृष्टि से भी यह रेलवे लाइन अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिजोरम की मनोहारी प्राकृतिक छटा, सुरंगें, घाटियाँ और पुल इस रेल यात्रा को यादगार अनुभव में बदल देंगे। इससे न केवल घरेलू बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका सामरिक महत्व है। म्यांमार सीमा के करीब होने के कारण यह रेलवे लाइन भारत की सामरिक रणनीति को भी मजबूती देती है। यह भविष्य में दक्षिण-पूर्व एशिया तक रेलवे संपर्क के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है और भारत की ह्यएक्ट ईस्ट पॉलिसीह्व को गति देने वाला एक प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। अब मिजोरम की राजधानी आइजोल भी भारतीय रेल मानचित्र पर दर्ज हो चुकी है। इसके साथ ही पूर्वोत्तर की अन्य राज्य राजधानियाँ झ गुवाहाटी (असम), इटानगर (अरुणाचल प्रदेश), अगरतला (त्रिपुरा), और शिलांग (मेघालय) (हालांकि शिलांग आंशिक रूप से) ब्रॉड गेज नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं। इस परियोजना के दौरान मौसम, भूगोल और संसाधनों की जो चुनौतियाँ सामने आईं, उन्होंने भारतीय रेल की इंजीनियरिंग क्षमता, प्रबंधन दक्षता और दूरदृष्टि को प्रमाणित किया। क्षेत्र में वर्षभर केवल 4झ्र5 महीने ही निर्माण कार्य संभव था, शेष समय वर्षा और भूस्खलन के कारण कार्य अवरुद्ध रहता था। संकरी और तीव्र ढाल वाली सड़कों पर निर्माण सामग्री को बड़े ट्रकों से उतार कर छोटे वाहनों से ढोया गया। साथ ही, श्रमिकों की कमी, नेटवर्क की समस्याएं और भौगोलिक अलगाव जैसी बाधाओं के बावजूद परियोजना समयबद्ध रूप से पूरी की गई। बइरबीझ्रसायरंग रेलवे परियोजना मिजोरम के विकास की नई रेल बन चुकी है झ जो कनेक्टिविटी से कहीं आगे, एक सामाजिक, आर्थिक और सामरिक बदलाव का वाहक बन चुकी है।

चंपारण में प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को लेकर एनडीए कार्यकर्ताओं की वाल्मीकि सभागार में बैठक

●एनडीए के दिग्गज नेताओं ने विपक्षी नेताओं पर जमकर साधा निशाना

●अपरिपक्व युवा नेता ये थूककर चाटने वाले पीएम बनने का ख्वाब देख रहे हैं- केंद्रीय मंत्री,ललन सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। मोतिहारी में 18 जुलाई को होने वाले प्रधानमंत्री की सभा के तैयारियों का जायजा लेने वाल्मीकिनगर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। ललन सिंह ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि थूककर चाटने वाला देश का पीएम बनने का ख्वाब देख रहा है तो वहीं दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार में विपक्ष को पता होता है कि आने वाले दिन कहां क्राइम होने वाला है। बताते चलें की मंगलवार की सुबह 10 बजे वाल्मीकिनगर स्थित वाल्मीकि सभागार (कन्वेंशनल सेंटर) में स्थानीय विधायक धीरेंद्र प्रताप उर्फ रिंकू सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई एक कार्यक्रम में पहुंचे संजय झा,ललन सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बिहार और केंद्र में विपक्ष की भूमिका में बैठे नेताओं पर जमकर हमला बोला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा कि हाल हीं में पटना में हुए खेमका हत्याकांड का मास्टर माइंड को किस पार्टी का संरक्षण प्राप्त है। बिहार में विपक्षी पार्टी को कल कहां और क्या क्राइम होना है सब पहले से पता होता है। ये लोग बिहार में सुशासन की डबल इंजन सरकार को बदनाम करने के लिए क्राइम करवाते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहलगाम हमले के बाद हुए सर्जिकल स्ट्राइक पर वे लोग सवाल उठाते हैं कि कैसे पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक किया गया इसका क्या प्रमाण है। ऐसे सवाल उठाने वाले नेताओं को मिसाइल में बैठाकर पाकिस्तान भेजना चाहिए। साथ में उन्हें इंची टेप देना चाहिए ताकि माप उठा सकें कि कितना दूर तक स्ट्राइक किया गया है। वहीं केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने पीएम मोदी की तारीफ में कसीदे गढ़ते हुए कहा कि पीएम मोदी जिस देश में जाते हैं,उन्हें वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जाता है। जबकि विपक्ष में बैठा एक अपरिपक्व युवा जिसे बोलने का ढंग नहीं है वह देश का अगुवा बनना चाहता है। ऐसा व्यक्ति जो चुनाव प्रचार के दौरान जनसैलाब के बीच यह बोलता है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश के चौकीदार को चोर कहा था। जब कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया तब लिखित रूप में अपनी गलती मानकर माफी मांगी। ऐसे थूककर चाटने वाले युवा नेता देश का प्रधानमंत्री बनने का ख्वाब देख रहे है। बताते चलें कि 18 जुलाई को प्रधानमंत्री आगामी विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों के मद्देनजर मोतिहारी में जनसभा करने वाले हैं।

गैर-संचारी रोगों के खिलाफ जंग में अग्रणी स्वास्थ्यकर्मियों को सिविल सर्जन ने किया सम्मानित

छपरा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए विभाग कृत-संकल्पित है और इसको लेकर विभिन्न स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। गैर संचारी रोग का स्क्रीनिंग और उपचार की सुविधा सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर अब ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिल रही है। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित करने का भी प्रावधान है। इसी कड़ी में सारण के सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा के द्वारा रिविलगंज के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राकेश कुमार समेत 7 स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सिविल सर्जन ने रिविलगंज के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राकेश कुमार, बीएचएम संजीव कुमार, रिविलगंज भादपा की सीएचओ गीता त्रिपाठी, परसा बनकेरवा के सीएचओ सत्यवीर सिंह, टेकनिवास रिविलगंज के सीएचओ सत्येंद्र कुमार, रिविलगंज मोहब्बत परसा के सीएचओ कुमारी प्रियंका, दरियापुर के सुंदरपुर की सीएचओ नेहा सिंह को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम, समय पर पहचान और उपचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित कर स्वास्थ्य विभाग ने उनके योगदान को सराहा है। यह सम्मान सारण जिले में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में दिया गया। गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग और इलाज में सीएचओ की भूमिका महत्वपूर्णःसिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। विशेषकर हाइपरटेंशन, डायबिटीज, कैंसर आदि गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग और इलाज में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) और अन्य स्वास्थ्यकर्मी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में एनसीडी स्क्रीनिंग के लिए लक्ष्यानुरूप कार्य करें, ताकि प्रारंभिक स्तर पर बीमारियों की पहचान हो सके और समय पर उपचार शुरू हो सके। उत्साहवर्धन करना हमारी प्राथमिकताः जिला गैर-संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. भूपेंद्र कुमार ने बताया कि गैर-संचारी रोग आज देश के सामने बड़ी चुनौती है। यदि इनका समय रहते स्क्रीनिंग और प्रबंधन न हो, तो यह गंभीर रूप ले सकते हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक इन बीमारियों की रोकथाम, जांच और इलाज की सुविधा पहुँचाई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

सभी विद्यालयों मे एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम पर पौधा रोपण

बनियापुर । प्रखंड के सभी विद्यालयों मे सरकार के निर्देश पर महत्वाकांक्षी कार्यक्रम एक पेड़ माँ के नाम आयोजन किया गया ,जहा सभी शिक्षकों,छात्र छात्राओं द्वारा चढ़ बढ़ कर हिस्सा लिया गया,तथा माँ के नाम पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर उसकी तस्वीर पोर्टल पर अपलोड किया गया,जिसके लिए स्थानीय बी ई ओ रामनाथ बैठा व अन्य कर्मी इस कार्य के लिए लगे हुए थे।

झोपड़ी नुमा मकान में अचानक आग लग जाने से लाखों रुपए की संपत्ति जल कर नष्ट

एकमा । नगर पंचायत के भुईली गांव के दलित बस्ती में मंगलवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे शंकर राम के पुत्र श्याम कुमार राम के झोपड़ी नुमा मकान में अचानक आग लगा गई जिससे लाखों रुपए की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई । घटना की जानकारी पुलिस को मिलते ही अग्नि शमन दमकल मशीन पहुंचकर आग पर काबू कर लिया। लेकिन तब तक सारी संपत्ति जल का नष्ट हो गई । इस संबंध में पीड़िता श्याम किशोर राम ने बताया कि हम राज मिस्त्री का काम करते हैं। साथ ही घर का सेंट्रीग का सामान भाड़े पर चलाता हूं । जिसमें दो चौकी सहित लाखों रुपए की पटरा तख्ता जल का नष्ट हो गई ।घटना की जानकारी मिलते ही ।विधायक प्रतिनिधि अवधेश यादव कन्हैया यादव ने पहुंचकर पीड़ित परिजनों से मिलकर गहरा दुख व्यक्त करते हुए हर संभव मदद करने का आश्वासन देते हुए कहा कि आपदा से मिलने वाली सहायता शीघ्र ही मुहैया कराई जाएगी साथ ही प्रधानमंत्री आवास का भी लाभ दिया जाएगा।

घोरहट पैक्स में वार्षिक आम सभा सह कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन

मांझी प्रखंड के घोरहट पंचायत के भभौली में पैक्स अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह के अध्यक्षता में पैक्स गोदाम परिसर में वार्षिक आम सभा सह कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन मंगलवार को किया गया बैठक में किसानों के हित में कई प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक का शुभारंभ बीसीओ धर्मेन्द्र चंद्रवंशी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर पैक्स अध्यक्ष ने कहा कि हमारे पंचायत के किसानों ने जिस उम्मीद के साथ मुझे पैक्स अध्यक्ष की जिम्मेवारी दी है ।उसे ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करने के लिए हम कृत संकल्पित है। पैक्स अध्यक्ष ने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं का लाभ अपने किसानों तक जिम्मेदारी पूर्वक सही तरीके से पहुचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ बैठक में पीडीएस, ट्रैक्टर सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई इस अवसर पर सदस्य -रामेश्वर भारती,कृष्णा यादव, चंदा देवी, मीणा देवी, विद्याशंकर राम, रंजीत महतो, सुड्डू बाबा, श्यामसुंदर भारती, प्यारे अंगद, इमामुदिन मिया, प्रबंधक-दीपक कुमार भारती, पूर्व मुखिया ललन चौधरी, नन्द महतो, मुख़्तार मियां, जवाहिर यादव, सूरज सिंह, सुरेश्वर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसानों मौजूद रहे।

5 07 लाख 27 हजार 353 बच्चों को डायरिया से बचाव का रखा गया है लक्ष्य

बेतिया। शहर के अम्बेडकर नगर यूपीएचसी से स्टॉप डायरिया अभियान-2025 का शुभारंभ किया गया। अभियान को 22 सितंबर तक चलाया जाएगा ये बातें कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिले के डीसीएम राजेश कुमार ने कहीं। उन्होंने कहा की डायरिया से बच्चों को बचाव, रोकथाम एवं उपचार हेतु संस्थान एवं समुदाय स्तर पर जनजागरूकता से संबंधित कई अहम गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्रचार हेतु जागरूकता रथ भी घूम रहा है। उन्होंने बताया की 5 वर्ष तक के बच्चों के बीच 10 लाख ओआरएस, 99 लाख जिंक की दवा वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा की डायरिया बाल मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। उन्होंने बताया की 17 जुलाई को दस्त नियंत्रण पखवाड़ा एवं परिवार नियोजन पखवाड़ा पर बैठक होगी।

जेपीयू ने जारी किया पीजी का परीक्षा शेड्यूल

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। जयप्रकाश विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के द्वारा ए एम.ए/एम.एससी/एम.कॉम. (सीबीसीएस-2023-2025) प्रथम सेमेस्टर परीक्षा 2023 के लिए परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है उक्त बातों की जानकारी देते हुए जेपीयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर परमेंद्र कुमार बाजपेई के आदेश अनुसार उक्त परीक्षा 28 जुलाई से 31 जुलाई तक दो पालियों में ली जाएगी। उक्त परीक्षा के लिए विभिन्न विषयों को दो ग्रुपों में बाटा गया है। ग्रुप-ए में भौतिकी, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान, गृह विज्ञान, अंग्रेजी और हिंदी तथा ग्रुप बी में गणित, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, उर्दू, संस्कृत और वाणिज्य को रखा गया है। ग्रुप ए की परीक्षा प्रथम पाली में 10 बजे से 1 बजे तक तथा ग्रुप बी की परीक्षा द्वितीय पाली में 2 बजे से 5 बजे शाम तक होगी। डॉ मिश्रा ने बताया कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर अनुचित साधनों के प्रयोग की रिपोर्ट पर वॉकआउट/स्टेआउट/रद्दीकरण के मामले में कोई परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केन्द्र के अलावा किसी अन्य केन्द्र पर परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। केंद्र में परिवर्तन की अनुमति भी नहीं होगी। तथा परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी, यदि ऐसा पाया गया तो उसे जब्त कर लिया जाएगा तथा वापस नहीं किया जाएगा।

मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण में अफरा तफरी और अराजकता का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सीपीआई की सारण जिला कार्यकारिणी ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य मे बड़े पैमाने पर अफरा तफरी और अराजकता का आरोप लगाया है। पुनरीक्षण कार्य मे पहले विज्ञापन में दो प्रपत्र की बात की गई थी। एक प्रपत्र दस्तावेज के साथ जमा करना था और एक पावती रसीद के रूप मे मतदाता को देना था। किन्तु एक ही प्रपत्र जमा कराया जा रहा है वह भी बिना किसी दस्तावेज के। इसमें भी भारी अराजकता और अनियमितता व्याप्त है। पार्टी ने अपनी सभी इकाइयों का आह्वान किया है कि 25 जुलाई तक सभी गरीब और कमजोर वर्ग के महिला पुरुष मतदाताओं के प्रपत्र जमा कराने के कार्य मे लगकर प्रपत्र जमा करने मे सहयोग किया जाय। दस्तावेज के संबंध मे स्थिति को स्पष्ट करने की भी मांग की गई। बिहार से बाहर रह रहे प्रवासी मजदूरी के लिए समयावधि विस्तार की भी मांग की गई। एक प्रस्ताव पारित कर पार्टी का जिला सम्मेलन 23 तथा 24 अगस्त को जलालपुर मे आयोजित करने का फैसला लिया गया। जिला सम्मेलन से पूर्व सभी शाखाओं और अंचलों के सम्मेलन सम्पन्न कर लेने का फैसला लिया गया। शिवजी दास की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक को राज्य कार्यकारिणी सदस्य सुरेन्द्र सौरभ और जिला सचिव रामबाबू सिंह ने संबोधित किया। बैठक में सहायक जिला सचिव नागेन्द्र राय, चूलहन सिंह, हरिबलम सिंह, सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, रजाक हुसैन, सुरेश वर्मा, महेन्द्र प्रभाकर, सुग्रीव गुप्ता आदि ने भाग लिया।

भाजपा बनियापुर उत्तरी मंडल में बूथ कमेटी की समीक्षा बैठक संपन्न, मोर्चा कमेटी का हुआ गठन

प्रात : किरण संवाददाता

बनियापुर । भारतीय जनता पार्टी के बनियापुर उत्तरी मंडल में मंगलवार को उत्तरी मंडल अध्यक्ष मणिभूषण दुबे की अध्यक्षता में बूथ कमेटी की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मंडल स्तर पर विभिन्न मोर्चा कमेटियों का भी गठन किया गया। बैठक में पिछड़ा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष के रूप में कपिलदेव सिंह, एसटी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष के रूप में भारत राम, आईटी सेल प्रभारी के रूप में विकास ओझा तथा मीडिया प्रभारी के रूप में विजय सोनी को नियुक्त किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री संजय सहाय मौजूद रहे। साथ ही बनियापुर विधानसभा के वरिष्ठ नेता अजीत सिंह, उत्तरी मंडल अध्यक्षअनिल शर्मा, संजीव कुमार, अखिलेश माझी, रोहित तिवारी, छोटू सिंह, मुन्ना कुशवाहा, बिट्टू सिंह और राजकुमार यादव सहित कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे बैठक का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाना और आगामी चुनावों की रणनीति पर विचार करना था। नेताओं ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और पार्टी की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

सारण में कालाजार उन्मूलन को लेकर सिंथेटिक पैराथायराइड का होगा छिड़काव

21 जुलाई से 60 दिनों तक चलेगा छिड़काव अभियान

●फील्ड वर्कर और ग्रामीण चिकित्सकों को दिया जायेगा प्रशिक्षण

●सारण जिले के 158 पंचायतों के 248 गांवों में होगा छिड़काव

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिले में कालाजार उन्मूलन के प्राप्त लक्ष्य को सस्टेन करने तथा कालाजार के रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग प्रयारसत है। इस दिशा में जिले छिड़काव अभियान की शुरूआत की जायेगी। इसको लेकर 21 जुलाई से 60 दिनों तक छिड़काव अभियान प्रस्तावित है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने पत्र जारी कर सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों और वीबीडीएस को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया है। निर्देश दिया गया है कि अभियान के पूर्व फील्ड वर्करों और ग्रामीण चिकित्सकों को प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ हीं सभी जरूरी उपकरणें की मरम्मती कराकर तैयार रखा जाये। छिड़काव के तीन माह तक दीवारों का रंगरोगन या लिपाई पोताई नहीं करें: डॉ. दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि कालाजार उन्मूलन के लिए आईआरएस कार्यक्रम के तहत सिथेटिक पाराथाईराइड का छिड़काव किया जाता है। गर्मी और बरसात के मध्य कालाजार के प्रकोप की संभावना बढ़ जाती है। बालू, मक्खी मिट्टी वाले घरों की दीवारों, गौशाला तथा गंदी जगहों पर पाये जाते हैं। रोकने के लिए साल में दो बार सिथेटिक पाराथाइराइड का छिड़काव किया जाता है। छिड़काव से पूर्व घरों की अंदरूनी दीवारों में मौजूद छिद्र को बंद कर दें। घर के सभी कमरों की दीवारों पर छह फुट तक छिड़काव कराया जाना चाहिए। कीटनाशक के छिड़काव के दो घंटे बाद घर या कमरे में जाए। छिड़काव से पहले खाने की वस्तुएं, कपड़े व बर्तन सहित अन्य आवश्यक सामान को हटा देना चाहिए। रसायन छिड़काव के तीन माह तक दीवारों का रंगरोगन या लिपाई पोताई नहीं करनी है। 158 पंचायतों के 248 गांवों में होगा छिड़कावः वीडीसीओ सतीश कुमार ने बताया कि जिले के 158 पंचायतों के 248 गांव में कालाजार नियंत्रण को लेकर सिंथेटिक पैराथायराइड का छिड़काव किया जायेगा। साथ हीं शहरी क्षेत्र के 9 वार्डों में छिड़काव किया जायेगा। जिले में 8 लाख 64 हजार 906 जनसंख्या के 1 लाख 65 हजार 456 घरों को लक्षित किया जायेगा। अभियान के सफलता को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों और छिड़काव कर्मियों का प्रशिक्षण का कैलेंडर जारी कर दिया गया है। सभी का प्रशिक्षण किया जाना है। क्या है कालाजारः कालाजार मादा सैंड फ्लाइ के काटने से होती है। यह एक जानलेवा बीमारी है। लंबे समय तक बुखार, तिल्ली एवं जिगर बढ़ जाना, खून की कमी व वजन के घटने जैसे लक्षणों के साथ त्वचा का रंग काला पड़ जाता है। समय पर समुचित इलाज करा कर इस बीमारी से बचाव किया जा सकता है। जिले में कालाजार संभावित स्थलों की पहचान कर कीटनाशक का छिड़काव कराया जा रहा है। सदर अस्पताल में कालाजार के इलाज की व्यवस्था है।

दरियापुर अंतर्गत बिसाही गांव हत्याकांड का दो नामजद अभियुक्त हुआ गिरफ्तार : ग्रामीण एसपी

●शूटर राजू नट के निशानदेही पर एक कट्टा एवं दो कारतूस बरामद

छपरा। जिले के दरियापुर थाना अंतर्गत बिसाही गांव में गत दिन हुए हमले में दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है, एक नामजद अभियुक्त के निशान देही पर एक कट्टा एवं दो कारतूस बरामद भी कर लिया गया है। उक्त बातें नव पदस्थापित ग्रामीण एसपी संजय कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ग्रामीण एसपी संजय कुमार ने कहा कि 13 जुलाई को दरियापुर थाना अंतर्गत बिसाही गांव में दो लोगों को गोली मार कर घायल कर दिया गया था। गंभीर रूप से घायलों में संतोष राय और कांग्रेस राय शामिल थे। उन्होंने कहा कि इलाज के दौरान संतोष राय की मौत हो गई। कांग्रेस राय के बयान पर इस मामले में दरियापुर थाना कांड संख्या -441/25 दर्ज कर तकनीकी एवं मानवीय सूचना के अनुरूप दोनों अभियुक्त राजू नट एवं सुनील राय को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीण एसपी संजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया कि इस हत्याकांड में सुनील राय साजिश करता था। जबकि राजू नट शूटर है। गिरफ्तार दोनों का आपराधिक रिकार्ड रहा है। संजय राय सजायाप्ता मुजरिम है, इस पर विभिन्न थानों में 20 से अधिक अपराधिक मुकदमा दर्ज है। वहीं गिरफ्तार राजू नट पर भी विभिन्न थानों में 5 से 6 मुकदमा दर्ज है। उन्होंने कहा कि घटना के कारण जमीन से संबंधित है और संगठित अपराधी हैं। ये लोग काफी दिनों से जमीन का कारोबार कर रहे थे,और ऊंचे दर पर बेचते थे। दोनों का आपराधिक रिकार्ड रहा है,फिलहाल गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

स्कूली छात्राओं को परेशान करना युवक को पड़ा भारी, पुलिस ने काटा चालान

छपरा कार्यालय। राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की तरफ से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन बावजूद इसके महिलाओं और स्कूली छात्राओं से छेड़खानी के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला सारण जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र से सामने आया है। जहां स्कूली छात्राओ के साथ छेड़खानी करने के आरोप में दो मोटरसाइकिलों पर स्थानीय प्रशासन ने भरी रकम का चालान काटा है। इस बात की जानकारी वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दरियापुर थाना को सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल एक वीडियो प्राप्त हुआ, जिसमें दरियापुर थाना क्षेत्र स्थित एक विद्यालय के समीप कुछ मनचलों युवकों ने विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को परेशान किया जा रहा है। उक्त वायरल वीडियो के आधार पर दरियापुर थाना द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए छात्राओं के साथ छेड़खानी करने वाले दो मनचलों के मोटरसाइकिलों पर 25000 हजार रुपए का चालान काटा गया है। वायरल वीडियों में दिख रहे युवकों की पहचान कर ली गई है। मनचलों युवकों पर पुलिस कठोर सजा दिलाने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है। वही सारण पुलिस के तरफ से एक अपील कर कहा कि किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक या असामाजिक गतिविधि की जानकारी तत्काल नजदीकी थाना या सारण पुलिस कंट्रोल रूम हेल्पलाइन नंबर (9031036406) को सूचना दें।

पारिवारिक कलह में एक युवक ने पेड़ से लटक किया आत्महत्या

प्रात : किरण संवाददाता

नगरा सारण। नगरा थाना क्षेत्र के बन्नी बिंदटोली गांव में मंगलवार की सुबह आपसी पारिवारिक विवाद में एक युवक ने आत्महत्या कर लिया है। मृतक युवक बन्नी बिंदटोली गांव के मुनिलाल महतो का 22 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार महतो बताया जाता है। घटना की प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक युवक मंगलवार की सुबह में अपने पत्नी के साथ कुछ खरेलू मामले को लेकर मारपीट किया। उसके बाद वह अपने घर के कुछ दूरी पर नदी किनारे एक पेड़ पर रस्सी के सहारे फंदा लगाकर जीवन लीला समाप्त कर लिया। इस बात की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची नगरा पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। मृतक के दो बच्चे है। वही मृतक के पत्नी निशा देवी एवं पूरे परिवार का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है। घटना की जानकारी देते हुए नगरा थानाध्यक्ष विजय कुमार रंजन ने बताया कि आपसी पारिवारिक विवाद में युवक ने आत्म हत्या किया है ।उन्होंने कहा कि मौके पर उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों और परिजनों ने लिखित आवेदन दिया है, जिसमें बताया गया है कि मृतक युवक ने आपसी पारिवारिक विवाद में आत्म हत्या किया है। जिसके कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया जाएगा।

समीक्षा बैठक से लौटने क्रम में पैक्स अध्यक्ष का स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो वीटीआर जंगल मे घुसा

बगहा। वाल्मीकिनगर के वाल्मीकि सभागार (कन्वेंशन सेंटर) में एनडीए कार्यकताओं की समीक्षा बैठक में शामिल होने के बाद सेमरा कटकुईया के पैक्स अध्यक्ष राकेश कुशवाहा का स्कॉर्पियो लौटने के क्रम में बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य पथ स्थित कोतराहा मोड के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। सूत्रों की माने तो बैठक से वापस जाने के क्रम में स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर गाड़ी वीटीआर के जंगल में घुस गया। लेकिन इस घटना में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं मिल रही है। साथ ही वाहन में कितने लोग सवार थे, इसका खुलासा नहीं हो पाया है ।कयास लगाया जा रहा है कि घटना होने के बाद उस पर सवार सभी लोग उपचार के लिए अंयत्र चले गए है। लेकिन वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था ।वाहन पर पैक्स अध्यक्ष सेमरा कटकुईया का बोर्ड लगा हुआ है।

56.96 करोड़ से स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज योजना के अंतर्गत मुख्य नाला निर्माण के लिए नालों पर से हटेगा अतिक्रमण: गरिमा

●जारी निर्माण कार्य में और तेजी के लिए नालों पर अतिक्रमण की नगर निगम और जिला परिषद के अमीन कर रहे हैं ज्वाइंट पैमाईश

बेतिया। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने निमार्णाधीन स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम निरीक्षण किया। सर्किट हाउस के समीप मोहर्रम चौक होते कलेक्ट्रेट चौक होते निकलने वाले इस मुख्य नाले के जारी निर्माण के तहत महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम के निर्माण को तेज गति से पूरा करने के लिए नालों पर अतिक्रमण की जांच के लिए नगर निगम और जिला परिषद प्रशासन के अमीनों द्वारा संयुक्त रूप से पैमाईश की जा रही है। पैमाईश रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई के बाद इस महत्वपूर्ण योजना के कार्य को और तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। इसके लिए जिला परिषद के कार्यपालक अधिकारी सह उप विकास आयुक्त से महापौर ने अनुरोध कर अमीनो की आवश्यकता बताई। अभी निमार्णाधीन नाले का कार्य जिला जज आवास से शुरू हो गया है। इस मौके पर मौजूद बुडको के साइट इंचार्ज अभियंता पप्पू कुमार ने बताया कि सर्किट हाउस से मोहर्रम चौक के इस निमार्णाधीन नाले की चौड़ाई करीब साढ़े तीन फीट और गहराई 6 फीट होगी। नाले का लेबल सड़क के बराबर होगा। ताकि बरसात और अन्य जल निकासी सुगमता पूर्वक होते रहना सुनिश्चित हो सके। वही महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण पूरा हो जाने से नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र के लिए सुगम जल निकासी की सुविधा के साथ नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र को जल जमाव से मुक्त बनाया जा सकेगा। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि नगर विकास एवं आवास विभाग से स्वीकृत एवं फलित होने जा रहा यह नया जल निकासी सिस्टम बीते करीब साढ़े तीन साल के उनके अथक प्रयास के बाद अब फलीभूत रूप में है ।जिसके तहत नगर निगम क्षेत्र के सघन शहरी क्षेत्र के लिए 56.96 करोड़ लागत वाला नया स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज सिस्टम संभव हुआ है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि बुडको अर्थात बिहार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन से इसकी निविदा प्रक्रिया विगत पूरी करने के आधार पर इसके लिए दिल्ली के प्रीतमपुरा की कंपनी मेसर्स सीके इंफ्रा लिमिटेड और मेसर्स बिल्डनेट इंगर्स को कायार्देश भी जारी करते हुए बुडको ने अपनी टीम भी तैनात कर दी है। महापौर ने बताया कि पूर्ववर्ती नगर परिषद के सभापति वाले कार्यकाल में सघन क्षेत्र में आबादी के अनुसार नई जल निकासी व्यवस्था के लिए स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज सिस्टम निर्माण का प्रस्ताव भेजा था। जिसके पेंडिंग रह जाने के बाद अपने वर्तमान कार्यकाल में बिहार मंत्री परिषद से इसकी स्वीकृति मिल पाई थी। महापौर ने बताया कि इस योजना को पूरी करने की समय सीमा 24 माह अर्थात दो साल निर्धारित की गई है ।जिसके अनुसार कुल 9 खंड में बंटे नए और विस्तृत सिवरेज सिस्टम से सुगम जल निकासी का लाभ से सघन शहरी क्षेत्र के करीब पौने दो लाख की आबादी को मिलने लगेगा। जिससे व्यवस्थित और सुचारू जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित हो जायेगी।

महिला स्वाभिमान बटालियन के नए महिला समादेष्टा ने पदभार संभाल

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बिहार स्वाभिमान सशस्त्र महिला बटालियन वाल्मीकिनगर के नए समादेष्टा के रूप में सुश्री निर्मला ने मंगलवार को कैंप परिसर में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। सुश्री निर्मला ने पूर्व समादेष्टा मिथिलेश कुमार के जगह पर आई है। सुश्री निर्मला इससे पूर्व अपराध अनुसंधान केंद्र सरदार पटेल भवन पटना में कार्यरत थी। वाल्मीकिनगर में योगदान देने के बाद सुश्री निर्मला ने बताया कि बिहार सशस्त्र महिला स्वाभिमान बटालियन में यह पहली सेवा है। मैं अपने कनीय अधिकारियों के साथ मिलकर कैंप में होने वाले प्रशिक्षण से लेकर कानून व्यवस्था बनाए रखना पहली प्राथमिकता होगी। बटालियन में जो भी जवान है चाहे पुरुष हो या महिला सबके लिए एक नियम एक कानून होगा। समय बीतने के बाद जो भी आवश्यकता है होगी उसमें बदलाव के साथ-साथ लागू करना हमारा मुख्य काम होगा। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर रमाशंकर पांडेय, हवलदार जवाहर पांडेय, डीएसपी ममता प्रसाद सहित बटालियन के अन्य जवान उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. संजय कुमार को जदयू के विधि प्रकोष्ठ भोजपुर के जिलाध्यक्ष हुए मनोनीत

आरा। डॉ. संजय कुमार के मनोनयन पर जदयू जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, दल के वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह उर्फ दादा एवं विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जी को धन्यवाद देते हुए कहा कि ये दल के कर्मठ सिपाही हैं इनके मनोयन से दल की मजबूती को बल मिलेगा। इनके मनोयन पर दल राष्ट्रीय महासचिव सह विधानपार्षद श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, विधानपार्षद राधाचरण साह, पूर्व विधायक प्रभुनाथ प्रसाद, वशिष्ठ ने कामेश्वर कुशवाहा, भाई ब्रह्मेश्वर, पप्पु चौबे, शंभु प्रसाद सोनी, भीम सिंह पटेल, राजीव रंजन श्रीवास्तव, मनोज कुमार झमन, अवधेश कुमार, मुमताज वारसी, पुष्पा कुशवाहा, अजीत मेहता, संजय चौधरी, ददन राम, शिवशंकर राम ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

श्री शिव परिवार प्रतिकात्मक रुद्र महायज्ञ का हुआ जलभरी

आरा । रामनगर गली नंबर 3 स्थित नव निर्मित महा,देव मंदिर परिसर में मंगलवार से प्रारंभ हो रहे सात दिवसीय शिव परिवार प्रतिष्ठात्मक सह रुद्र महायज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा सह शोभा यात्रा निकाली गई। यज्ञाधीश श्री देवनारायण (दया बाबा) संयोजकत्व में आयोजित रुद्र महायज्ञ के लिए गाजे-बाजे के साथ दर्जनों घोड़ों, रथ व वाहनों के अलावा आकर्षक झांकी के साथ रामनगर मोहल्ले से बड़कागांव घाट तक के लिए निकाली गई। बड़कागांव घाट पर यज्ञाचार्य श्री देवनारायण (दया बाबा) के सानिध्य में पूर्ण विधि विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पवित्र कोरवा नदी से जलभरी कर श्रद्धालु यज्ञ मंडप के लिए प्रस्थान किए। यह यज्ञ 15 जुलाई से लेकर 21 जुलाई तक चलेगा जिसमें हर रोज प्रवचन विद्वान पंडितों द्वारा किया जाएगा।

हिंदू जागरण मंच के द्वारा भव्य आरती एवं श्रृंगार का आयोजन किया गया

आरा। श्रावण माह के पवित्र महीने में हिन्दू ,जागरण द्वारा जेल रोड स्थित जोड़ा मंदिर में भोले बाबा एवं बजरंगबली की भव्य आरती एवं भोले बाबा का श्रृंगार का आयोजन किया गया। हिंदू जागरण द्वारा यह कार्यक्रम हर वर्ष होता है जिसमें शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रावण महीने में आरती का आयोजन होता है, इसी क्रम में जोड़ा मंदिर स्थित अर्द्धनारिस्वर भोले बाबा की आरती हुए तथा विभिन्न प्रकारों के पुष्पों से बाबा का श्रृंगार हुआ। कार्यक्रम का शुरुआत श्री शिव रुद्राष्टकम से हुआ जिसके पश्चात बोले बाबा तथा बजरंगबली की आरती हुई। आरती में हिन्दू जागरण मंच के सैकड़ों कार्यकर्ता के साथ बाबा के भागतो में भारी मात्रा में श्रद्धालु जुटे एवं पूरे उमंग से हर हर महादेव, जय श्री राम के जयघोष भी किए। एवं अंत में प्रसाद वितरण कार्यक्रम हुआ।

आरा नगर निगम बना नरक निगम : क्यामुद्दीन अंसारी

आरा। भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य व आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि मौसम की पहली फुहार में ही आरा नगर निगम बना नरक निगम। माले नेता ने कहा कि पुरा आरा शहर जल जमाव, किचड़, तालाब में तब्दील हो गया है। आरा शहर का सबसे खूबसूरत इलाका बाबू बाजार हो या वार्ड 42 अनाईठ मिल्की मुहल्ला हो या वलीगंज रामगढ़िया खेताड़ी मुहल्ला चारो तरफ जल, किचड़ और जल जमाव है। माले नेता ने कहा कि आरा नगर के मेयर, डिप्टी मेयर हो या आयुक्त किसी को आरा शहर की गंदगी, बजबजाती नालियां, जल जमाव से आरा शहर को मुक्त कराने की चिंता नहीं है ये आरा नगर को लुटने में जुटे हैं। माले नेता ने कहा कि आरा शहर की नारकीय हालात के पुरी तरह जिम्मेवार व जवाब देह भाजपा के आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह है। माले नेता ने कहा कि कल तक अनाईठ मिल्की के जल जमाव की समस्या को हल नहीं किया गया तो आरा में भाकपा माले आंदोलन तेज कर देगा।

गंडकी नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत, शव की खोज जारी

दरियापुर स्थानीय थाना क्षेत्र के भरहापुर के पास गंडकी नदी में नाव से गिर कर दो बच्चे पानी में डूब गए। डूबे हुए बच्चों में मुख्तार अली का 10 वर्षीय पुत्र साजिद अली और अहमद का 11 वर्षीय पुत्र नूर हसन शामिल है जो जैतीपुर गांव के रहने वाले हैं घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम करीब छह बजे नाव पर बैठ सभी बच्चे नदी पार कर रहे थे घटना की सूचना मिलते ही नदी किनारे परिजनों की चीख पुकार मच गई। सूचना मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन तथा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर कामेश्वर प्रसाद घटना स्थल पर पहुंचे स्थानीय लोगों द्वारा दोनों किशोरों की खोजबीन शुरू की गई लेकिन नदी की तेज धारा में कुछ भी पता नहीं चल सका सुबह में प्रशासन द्वारा गोताखोरों को मांग कर दोनों किशोरों की खोज करने की बात कही गई है घटना के बाद नदी किनारे काफी लोगों की भीड़ जुट गई सभी लोग अपने अपने स्तर से नदी किनारे डूबे हुए किशोरों के मिलने की आस में खोज करते रहे।

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव द्वारा चिरांद, करींगा का मकबरा एवं छपरा संग्रहालय का स्थलीय निरीक्षण

- ऐतिहासिक स्थलों को सहेजना सरकार की है प्राथमिकता : सचिव कला संस्कृति
- जिलाधिकारी के साथ सचिव ने किया स्थलीय निरीक्षण, दिए गए दिशा-निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मंगलवार को बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव द्वारा जिलाधिकारी सारण के साथ सदर प्रखंड अंतर्गत स्थित ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों- चिरांद के पुरातात्विक स्थल, करींगा का मकबरा एवं छपरा संग्रहालय का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर सचिव ने पर्यटन की दृष्टि से इन तीनों स्थलों के व्यापक विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि चिरांद के ऐतिहासिक स्थल तक सुगम पहुंच पथ का निर्माण शीघ्र सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही करींगा के मकबरा की संरचना, संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण से संबंधित विस्तृत योजना बनाकर उसे अमल में लाने के लिए ठोस प्रयास प्रारंभ की जाय । छपरा संग्रहालय को भी तकनीकी दृष्टि से समृद्ध बनाने, प्रदर्शनी के तरीकों में नवाचार लाने तथा स्थानीय इतिहास को प्रमुखता से प्रस्तुत करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अंचलाधिकारी सदर एवं थानाध्यक्ष समेत अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। सचिव ने विशेष रूप से चिरांद की ऐतिहासिक विरासत की चर्चा करते हुए कहा कि यह स्थल प्राचीन सभ्यता का अद्भुत प्रमाण है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। करींगा का मकबरा, जो स्थानीय धार्मिक, ऐतिहासिक एवं स्थापत्य महत्व का प्रतीक है, उसके संरक्षण को लेकर भी विशेष पहल की जाएगी। सचिव ने कहा कि बिहार की संस्कृति और विरासत को सहेजना हमारी प्राथमिकता है, और ऐसे स्थलों के विकास से न केवल सांस्कृतिक चेतना का संचार होगा, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे आपसी समन्वय से कार्य करते हुए समयबद्ध ढंग से योजनाओं को धरातल पर उतारें, जिससे सारण जिले की सांस्कृतिक पहचान और अधिक सुदृढ़ हो सके।

अपराधियों ने उड़ाई प्रशासन की नींद

मांझी। मंगलवार को मांझी थाना क्षेत्र के नरपलिया तथा दुर्गापुर में हथियार के बल पर घटी लूट की दो अलग अलग घटनाओं ने स्थानीय प्रशासन की नींद उड़ा दी है। पहली घटना मांझी एनएच मुख्य मार्ग पर मांझी थाना क्षेत्र के नरपलिया बाजार स्थित धीरज टेलकम नामक मोबाइल दुकान सह साइबर कैफे की दुकान पर घटी जहाँ दुकान में घुसकर अपराधियों ने संचालक प्रताप कुमार पर पिस्टल तानकर अपराधियों ने दुकानदार से तीन लाख 25 हजार रुपये लूट कर फरार हो गए। हालाँकि लूट की घटना को अंजाम देने के बाद भाग रहे एक अपराधी को दुकानदार ने साहस का परिचय देते हुए पकड़ लिया तथा स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उसकी पिस्टल छीन ली। दुकानदार ने बताया कि लूट के दौरान दुकान में मौजूद चकिया निवासी दिनेश माँझी की पत्नी से भी अपराधियों ने पांच हजार रुपये छीन लिया। बाद में स्थानीय दुकानदारों ने पकड़े गए अपराधी का हाथ पांव बांधकर उनकी जमकर धुनाई कर दी जिससे वह अधमरा हो गया। बाद में सूचना पाकर पहुँची पुलिस ने पकड़े गए अपराधी को अपने कब्जे में लेकर उसे माँझी सीएचसी में एडमिट करा दिया। पुलिस ने पकड़े गए अपराधी की बाइक को भी जब्त कर लिया है पकड़ा गया अपराधी दाउदपुर थाना क्षेत्र के मदन साठ गांव का रहने वाला बताया जाता है। घटना की गम्भीरता को देखते हुए मौके पर पहुंचे सारण के एसएसपी डॉ कुमार आशीष ने घटना की गहनता से मुआयना किया तथा आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के क्रम में दावा किया कि जल्द ही मामले का उदभेदन किया जाएगा तथा फरार तीन अपराधी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे एवम लूट की राशि भी बरामद करने का हरसम्भव प्रयास किया जाएगा। घटना ग्यारह बजे के आसपास की बताई जाती है। उधर स्थानीय दुर्गापुर घाट पर शाम के चार बजे चार की संख्या में आ धमके हथियार बन्द अपराधियों ने फायरिंग करके मौके पर खड़ी एक मोटर चालित नौका को लूटकर फरार हो गए। बाद में नौका संचालक रबीन्द्र चौधरी ने शोर मचाकर गांव के अन्य लोगों को घाट पर बुलाया तबतक अपराधी नौका लेकर भागने में सफल हो गए। बाद में ग्रामीणों ने दूसरे नाव के सहारे उस नौका का पीछा भी किया लेकिन लूटी गई नौका बरामद नहीं हो सकी। इस बीच माँझी बहोरन सिंह के टोला स्थित एक मोटर पार्ट्स दुकान से दिन दहाड़े चोरी करते एक चोर को पकड़कर दुकानदार ने पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़ा गया चोर छपरा शहर के गुदरी बाजार का रहने वाला बताया जाता है।

मिशन फिजिकल अकादमी ने गृह रक्षा वाहिनी में चयनित अभ्यर्थियों को किया सम्मानित

आरा। वीर कुंवर सिंह स्टेडियम आरा में मिशन फिजिकल अकादमी के द्वारा गृह रक्षा वाहिनी में चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक योगेंद्र पांडेय ने किया। इस आयोजन का उद्घाटन आरा नगर निगम की महापौर इंदु देवी, समाजसेवी संजय राय, जदयू नेता अभय विश्वास भट्ट, पीटीआई कन्हैया सिंह ने संयुक्त रूप से फिता काटकर किया। उद्घाटन के उपरांत मिशन फिजिकल अकादमी के निर्देशक योगेंद्र पांडेय ने मुख्य अतिथि महापौर इंदु देवी को अंग वस्त्र बुके और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर महापौर इंदु देवी ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा कि आप जहां भी रहे ईमानदारी से अपने कार्य का निर्वहन करें। मेरी जहाँ भी जरूरत होगी वहां हम सभी के सेवा में सदैव रहेंगे। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार कंचन किशोर, सत्य चैरिटेबल ट्रस्ट के डायरेक्टर संजय राय, अभय विश्वास भट्ट जदयू नेता, कन्हैया सिंह पीटीआई जैन कॉलेज, नीरज कुमार सिंह राष्ट्रीय कोच तीरंदाजी, धनंजय सिंह, सुनील चौधरी ,अरुण को योगेंद्र पांडे मिशन फिजिकल अकादमी ने अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इसके बाद गृह रक्षा वाहिनी में चयनित आकाश कुमार ,मंटू कुमार, चंदन , सुषमा कुमारी, खुशबू कुमारी ,मधुबाला कुमारी ,रंजीत कुमार मनीषा कुमारी, पूनम कुमारी ,रोहित कुमार ,आशुतोष कुमार महिमा कुमारी, ज्योति कुमारी ,बजरंगी प्रसाद, शंभू कुमार रेशमा कुमारी ,गया कुमार ,गुड्डू ,संजना, निशा ,बीकू को मुख्य अतिथि इंदु देवी, विशिष्ट अतिथि संजय कुमार राय अभय विश्वास भट्ट ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर लाल बहादुर लाल पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी रोहित कुमार,अजय कुमार एमके सिंह आदि उपस्थित रहे। वही रमना मैदान और स्टेडियम के सफाई का बवस्था देखने वाले तरुण कुमार को भी संस्था द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

सभी कोटि के शिक्षकों को पूर्ण वेतनमान देना होगा : मंटु

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ, जगदीशपुर इकाई की बैठक संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष किंग अभिषेक क्षत्रप एवं संचालन प्रखण्ड सचिव जयप्रकाश ठाकुर ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु ने कहा कि शिक्षकों के साथ सरकार भेदभावपूर्ण नीति अपनाते हुए प्रारंभिक से उच्चतर माध्यमिक तक के शिक्षकों को 18 से 20 वर्षों की सेवा के बाद भी प्रोन्नति से वंचित रखा है। जिलाध्यक्ष मंटु ने कहा कि सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद विशिष्ट शिक्षकों को सहायक शिक्षक का दर्जा नहीं मिल रहा एवं उनका वेतन निर्धारण नही हो पा रहा है जो अत्यंत निंदनीय है। जिला सचिव उपेन्द्र कुमार सिंह,प्रखण्ड अध्यक्ष किंग अभिषेक क्षत्रप, सचिव जयप्रकाश ठाकुर, जगदीशपुर महासचिव चन्द्रदेव कुमार सिंह ने कहा कि नियोजित ,विशिष्ट और विद्यालय अध्यापकों को राज्यकर्मी जैसी सुविधाएं सेवा निरंतरता और प्रोन्नति सुनिश्चित की जाए। प्रधानाध्यापक एवं प्रधान शिक्षक का भी मुल वेतन का निर्धारण कर योगदान सुनिश्चित किया जाए। बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ प्रदेश इकाई के आह्वान पर इन सभी मुद्दों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा कर दी है। 16 जुलाई को जिला पदाधिकारी को संघ द्वारा मांग पत्र सौपा जाएगा ,19 जुलाई को जिला मुख्यालय में स्टेशन परिसर से जेपी स्मारक तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा और 22 जुलाई को पटना के गर्दनीवाग में विधानसभा घेराव में सैकड़ों शिक्षक पटना पहुंचेंगे । बैठक में संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु, जिला सचिव उपेन्द्र कुमार सिंह , प्रखण्ड अध्यक्ष किंग अभिषेक क्षत्रप, सचिव जयप्रकाश ठाकुर,जगदीशपुर महासचिव चन्द्रदेव कुमार सिंह, उपाध्यक्ष कमलेश कुशवाहा, राधेश्याम सिंह, नगर अध्यक्ष सुनिल कुमार,संयोयक सत्येन्द्र कुमार , कोषाध्यक्ष शशी भूषण पाल, मृत्युंजय चौधरी , नित्यानंद किशोर, जयप्रकाश कश्यप , अरविन्द कुमार सिंह,हरेन्द्र कुमार सिंह,सरोज कुमार साह, लक्ष्मी कांत सिंह सहित दर्जनों शिक्षक मौजूद थे।

क्रिकेट टूनार्मेंट में विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

आरा/बड़हरा। करजा बरजा पंचायत में आज एक प्रेरणादायक और उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला जब स्थानिय युवाओं द्वारा आयोजित क्रिकेट टूनार्मेंट में भोजपुर के समाजसेवी और भाजपा नेता अजय सिंह बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। खेल प्रेम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अजय सिंह ने टूनार्मेंट समिति को 11,000 का नगद पुरस्कार भेंट किया। यही नहीं, उन्होंने स्वयं भी मैदान में उतरकर क्रिकेट खेला और पाँच गेंदें खेलकर उपस्थित खिलाड़ियों और दर्शकों में जोश भर दिया। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए एक अनोखी पहल की–उनकी फेंकी गई गेंदों में जो भी बच्चे कैच पकड़ते गए, उन्हें 500-500 का नगद पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने के लिए पंचायत के प्रमुख प्रमोद तिवारी (वर्तमान पैक्स अध्यक्ष) तथा संगठन के सक्रिय प्रचारक प्रयाग तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस आयोजन में क्षेत्रीय ग्रामीणों और युवाओं की भारी भागीदारी रही। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में राम प्रताप सिंह, दीपक सिंह, नीरज सिंह, धीरज सिंह, रमेश पासवान, लोटन यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। खिलाड़ियों का उत्साह और समाजसेवी अजय सिंह का यह सराहनीय योगदान, क्षेत्र में खेल और युवा विकास को नई दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है।

विभिन्न मांगों को लागू करने को लेकर धरना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा भोजपुर ।वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय जीरो माइल स्थित नूतन परिसर में बिहार राज्य संबंध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक शिक्षक कर्मचारी महासंघ द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है जिसके माध्यम से आपसे विभिन्न मांगों को लागू करने के लिए फेडरेशन ऑफ एफिलिएटिड डिग्री कॉलेज टीचिंग एंड नॉन टीचिंग इंप्लाइज एसोसिएशन ऑफ बिहार की विश्वविद्यालय इकाई कै सैकड़ो लोग उपस्थित हुए और इसके माध्यम से माननीय न्यायालय के आदेश के बावजूद भी राज्य सरकार उसे आदेश पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है इसको लेकर उन लोगों ने विभिन्न मांगों को विश्वविद्यालय के समक्ष रखा जिसमें मुख्य रूप से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न सेमेस्टर की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच चयन समिति से चयनित शिक्षकों से कराई जाएविश्वविद्यालय द्वारा 600 पंजीयन शुल्क अभ्यर्थी से लिया जाता है उसमें से 200 महाविद्यालय का दिया जाए विश्वविद्यालय चयन समिति से चयनित शिक्षकों का अनुमोदन समय अवधि में किया जाएविभिन्न महाविद्यालयों के साथी निकायों से नियुक्त शिक्षकों का यथाशीघ्र चयन समिति कराया जाएमहाविद्यालय को राज्य सरकार से मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि नामांकन समय से महाविद्यालय को उपलब्ध कराया जाए धरना में उपस्थित लोगों में शंभूनाथ सिंह अध्यक्ष वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय शिक्षक कर्मचारी संघ अशोक कुमार पांडे जीएनएम कॉलेज पर सातवा डॉक्टर हरेंद्र कुमार सिंह महात्मा गांधी कॉलेज इलाहाबाद की रोड डॉ रविंद्र कुमार सिंह बिक्रमगंज के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में शिक्षा एवं शिक्षक एवं शिक्षकेटर कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुरातात्विक स्थलचिरांद का होगा कायाकल्प, राष्ट्रीय राजमार्ग से पुरातात्विक स्थल तक सड़क भी बनेगा

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज : विश्व के दुर्लभ पुरातात्विक स्थलों में से एक चिरांद को विकसित करने का प्रयास एक बार फिर जमीन पर दिखने लगा है। बिहार सरकार के कला संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव प्रणव कुमार ने आज मंगलवार को पुरातात्विक स्थल चिरांद का निरीक्षण किया। उनके साथ जिलाधिकारी अमन समीर, एसडीएम नीतीश कुमार, एडीएम, सीओ सदर तथा कला-संस्कृति विभाग के विमल तिवारी,हर्ष रंजन डोरीगंज थानाध्यक्ष दिलीप कुमार व पदाधीकारी उपस्थित थे। गंगा, सरयुग और सोन नद के संगम पर स्थित चिरांद गंगा क्षेत्र में स्थित एक ऐसा पुरातात्विक स्थल है, जहाँ से नव पाषाण युग की पूर्ण विकसित सभ्यता के अवशेष मिले हैं। इसने प्राचीन भरता के इतिहास की समझ को नई दिशा दी है। यह ऐसा पुरातात्विक स्थल है जहाँ से नव पाषाण युग के बाद के सभी सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। इस प्रकार यह पुरातात्विक स्थल मोहनजोदड़ो और हड़ुपा जैसा महत्त्वपूर्ण है। इसके साथ ही रामायण में वर्णित तथ्यों के आधार पर यह कहा जाता है कि चिरांद रामयण परिपथ का एक महत्वपूर्ण और प्रामाणिक स्थल है। बाल्मीकि कृत रामायण में यह वर्णन मिलता है कि महर्षि विश्वामित्र राम और लक्ष्मण के साथ सरयुग के तट पर चलते हुए, इस तीन पवित्रतम नदियों के संगम पर पहुंचे थे। इसी स्थल पर विश्वामित्र ने श्रीराम को बाला अत्ति बला विद्या प्रदान किया था। जिसे वे सम्पूर्ण रूप से सुरक्षित हो गए थे। इस प्रकार यह स्थल रामायण के दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संरक्षण योग्य है। पहलीबार भारतीय पुरातत्व के पूर्व निदेशक डॉ बी० एस० वर्मा के निर्देशन में 1961 से लेकर 1971 के बीच इस स्थल की खुदाई की गई थी। यहाँ के भूगर्भ से प्रचुर मात्रा में निकले पुरातात्विक स्मारक चिन्हों से इतिहास में स्थापित मान्यतायें बदली थी। बिहार सरकार के सचिव ने चिरांद के अलावा करिंगा मकबरा एवं छपरा संग्रहालय का भी निरक्षण किया इस तीनो स्थलों को यथा शीघ्र संरक्षित और विकसित करने की योजना पर बहुत शीघ्र काम शुरू होने वाला है ।जिसमे पुरातात्विक स्थल तक सम्पर्क सड़क, स्थल पर बने भवन व परिसर को विकसित करने आदि पर विचार विमर्श हुआ ।इस अवसर पर चिरांद विकास परिषद् के सचिव श्रीराम तिवारी ने धार्मिक सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक से अति महत्वपूर्ण इस स्थल के विकास से सम्वन्धित व्यावहारिक सुझाव दिए। इस स्थल तक पहुँचने के लिए सड़क नहीं है इसके साथ ही इस पुरातात्विक स्थल पर नदी से कटाव का खतरा अब भी विद्यमान है। चिरांद विकास परिषद् इस पुरातात्विक और सांस्कृतिक स्थल के विकास और संरक्षण को लेकर विगत बीस सैलून से कार्य कर रहा है। इसे विद्यालय और शिक्षण संस्थानों को जोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा है।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया

प्रात : किरण संवाददाता

पटना,/हाजीपुर । मुख्यालय, हाजीपुर में 03 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं ।

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा द्वारा किया गया पौधारोपण

पटना/ हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन] हाजीपुर की अध्यक्षा सुनीता सिंह के पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्प को पूरा करने के उद्देश्य से LITTLE ANGELS KINDERGARTEN AND PLAY SCHOOL, कोनहाराघाट के प्रागंण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अध्यक्षा द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्षा ने हरियाली के सकंल्प को आगे बढ़ाते हुए कहा कि हमें समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण करना चाहिए ताकि हमारे आस-पास हरियाली रहे तथा साथ ही साथ पर्यावरण भी सुरक्षित रह सके। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बच्चों को जानकारी दी गयी तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए

जागरुकता लाने के उद्देश्य से एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया जिसका बच्चों ने भरपूर आनंद उठाया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया गया कि पेड़-पौधे कार्बन डाइआक्साइड एवं अन्य हानिकारक गैसों को अवशोषित कर हमें ऑक्सीयजन प्रदान करते हैं जिससे हमें अधिक मात्रा में ऑक्सीजन प्राप्त होता है जो हमारे जीवन के लिए बहुत लाभदायक हैं। पेड़-पौधे पर्यावरण को स्वसच्छप रखते हैं तथा गर्मी के असर को कम कर देते हैं जिसके कारण हमें गर्मी के दिनों में कम गर्मी का अहसास होता है। इस अवसर पर विद्यालय में उपस्थित सभी बच्चों से भी वृक्षारोपण कराया गया। विद्यालय में उपस्थित सभी बच्चों के साथ-साथ सिलाई केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही सभी महिलाओं को उपहार स्वरुप गमले सहित एक-एक पौधा दिया गया तथा घर में इसकी देखभाल करते रहने के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर संगठन की सचिव मीनाक्षी कुमार, कोषाध्यक्षा अर्चना चौधरी, संयुक्त सचिव प्रियंका सिंह एवं संगठन की अन्य सदस्याओं द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया।

सरयू नदी में डूबने से किशोर और युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

रिविलगंज (सारण)। रिविलगंज थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 09 के सामने स्थित सरयू नदी में मंगलवार को स्नान के दौरान डूबने से एक किशोर और एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान भगवान बाजार थाना क्षेत्र के गुदरी मोहल्ला निवासी जैनुद्दीन के 20 वर्षीय पुत्र बब्लू और सफरुद्दीन के 14 वर्षीय पुत्र रियाज के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चारझपांच दोस्त सरयू नदी में स्नान करने गए थे। स्नान के दौरान रियाज गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे डूबता देख बब्लू उसे बचाने के लिए नदी में कूद पड़ा, लेकिन तेज बहाव के कारण दोनों ही पानी में बह गए और डूब गए। घटना के बाद साथ मौजूद दोस्तों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को नदी से बाहर निकाला और आनन-फानन में रिविलगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर इमरजेंसी वार्ड में तैनात चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही रिविलगंज थाना पुलिस एवं अंचल पदाधिकारी कौशल कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों के हवाले कर दिया गया। बताया जा रहा है कि बब्लू और रियाज दोनों अपने अपने मामा के घर बचपन से ही रहते थे. इस घटना के बाद गुदरी घर एवं रिविलगंज में कोहराम मचा है, परिजनों का रो रो कर हाल बेहाल है

रमना मैदान में लगाया जाएगा 101 फीट का राष्ट्रीय ध्वज

आरा। नगर निगम के सभागार में मंगलवार को निगम की सशक्त स्थायी समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता महापौर इंदु देवी ने की। बैठक में नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सैरात धारकों के खिलाफ बार-बार शिकायत मिल रही थी, कि निर्धारित राशि टेंपो का 15 रुपए की जगह पर 25 और 30 रुपये वसूला जाता है एवं बस पड़ाव, बिहारी मिल, पुरानी पुलिस लाइन और गांगी पर बस एवं अन्य मिनी वाहनों का निर्धारित दर के हिसाब से ज्यादा पैसा वसूला जा

रहा है। स्टेशन टेम्पू स्टैंड पर टेम्पू चालकों को मारा पीटा जाता था, जिसके कारण कुछ दिन पूर्व टेम्पू चालको के द्वारा हड़ताल किया गया था। आज सशक्त स्थाई समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि आगे शिकायत मिलने पर सैरात धारको का परवाना रद्द करते हुए उनकी जमा राशि को जप्त किया जाएगा। प्रत्येक वार्ड में डस्टबिन खरीद कर लगाया जाएगा एवं अनेकों सफाई सामग्री कि खरीददारी की जाएगी। 101 फीट का राष्ट्रीय ध्वज रमना मैदान में लगाया जाएगा। शहर में एलईडी स्क्रीन विभिन्न जगहों पर चिन्हित कर लगाया जाएगा। वार्ड नंबर-43 में त्रिदणडी स्वामी मंदिर के बगल में खाली भूखंड पर चिल्ड्रन पार्क एवं ओपन जिम का निर्माण कराया जाएगा। बैठक में नगर आयुक्त अंजू कुमारी, उपनगर आयुक्त कोमल कुमारी, साथ में सशक्त स्थायी समिति के माननीय सदस्य वार्ड 6 की वार्ड पार्षद मालती देवी, वार्ड 19 के पार्षद पारसनाथ, वार्ड नंबर 21 के पार्षद डॉ. जितेंद्र, वार्ड 22 की पार्षद रेखा जैन, वार्ड नंबर 40 के पार्षद राजीव उर्फ गुड्डू जी उपस्थित थे।

राजद का सामान्य समारोह सह कार्यशाला आयोजित,मुख्य अतिथि रहे अभय कुशवाहा

गया। मानपुर के एक निजी रिसॉर्ट में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से एक सामान्य समारोह सह कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि अभय कुशवाहा का स्वागत कर किया गया है। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए अभय कुशवाहा ने राजद की आगामी योजनाओं की जानकारी दी है। उन्होंने कहा,यदि राज्य में राजद की सरकार बनती है, तो ह्यमाई बहन सम्मान योजनाह्व के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये दिए जाएंगे, जिससे परिवार चलाने में आसानी होगी। इसके साथ ही गरीब परिवारों को मात्र 500 रुपये में घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। कुशवाहा ने पिछली सरकारों की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि ह्व1990 से पहले गरीबों और पिछड़ों को वोट देने से रोका जाता था, लेकिन लालू यादव के शासन में उन्हें न केवल मतदान का अधिकार मिला, बल्कि राजनीतिक भागीदारी का अवसर भी प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में गया जिला राजद अध्यक्ष मुर्शीद आलम, महा नगर अध्यक्ष जितेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष मोहम्मद ताहिर, कुंदन वर्मा, मीडिया प्रभारी हाविद अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष किशोरी यादव, वजीरगंज से संभावित प्रत्याशी इंद्रदेव विद्रोही, पूर्व मुखिया लालदेव प्रसाद, अरविंद कुमार, अर्जुन यादव, सतेंद्र यादव, राजेश कुमार, विद्यानंद ठाकुर समेत बड़ी संख्या में राजद नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे हैं ।इस कार्यक्रम के दौरान सामाजिक न्याय, संगठन विस्तार और आगामी चुनावों की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

लाखों रुपए के राजस्व देने वाला कुर्था बस स्टैंड सुविधाओं से है महरूम

प्रात: किरण संवाददाता

कुर्था, स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के कुर्था बस स्टैंड जहां प्रतिवर्ष लाखों रुपए के राजस्व राज्य सरकार को जाती है परंतु सुविधा के नाम पर यात्रियों को गंदगी के अंबार लगे बस स्टैंड दी जाती है जहां लोग बरसात के दिनों में कठिनाई से यात्री बाहन पर सवार होते हैं बता दे कि प्रतिवर्ष लगभग कुर्ता बस स्टैंड से लाखों रुपए का राजस्व राज्य सरकार को जाती है लेकिन यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई सुविधा नहीं दी जाती है बताते चले कि कुर्ता बस स्टैंड से गया जहानाबाद अरवल किंजर मानिकपुर मोतीपुर शकूराबाद रांची पटना पालीगंज समिति विभिन्न शेरों के लिए यात्री बस खुलती है जहां प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में यात्री बस स्टैंड पहुंचते हैं जिन्हें राज्य सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की कोई सुविधा माहिया नहीं कराई जाती है जबकि पूर्व में पर्थ बस स्टैंड को स्थानांतरण कर नए बस स्टैंड के निर्माण करने की बात कही गई थी लेकिन अब तक मामला से कर रहा इस संबंध में मोटर वर्क्स यूनियन के अध्यक्ष रामाशंकर यादव ने बताया कि बरसात के दिनों में बस स्टैंड में कचरा का अंबार लगा हुआ रहता है जिसके वजह से यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है बावजूद इस मामले में ना तो विभागीय अधिकारी सजक दिख रहे हैं और नहीं नगर पंचायत के अधिकारी इसके वजह से लोग गंदगी के अंबार लगे बस स्टैंड में किसी तरह पहुंचते हैं।

स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था लोगों के बन रहा परेशानियों का सबक

कुर्था, एक तरफ राज्य सरकार स्वास्थ्य जैसे बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दावा करती है वही दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग के लापरवाही कहे या गैर जिम्मेदाराना हरकत के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्था में आने वाले मरीज के परिजनों के परेशानी का सबब बनता दिख रहा है कुर्था प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिबर्तित हुए कई माह गुजर गए परंतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोई विशेष व्यवस्था नहीं किया गया है हद तो तब हो जाती है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्था तीन जिला के समानांतर क्षेत्र में बसे होने के कारण अन्य जिला के भी मरीज इलाज कराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्था आते हैं परंतु विभागीय अधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मियों के लापरवाही के कारण इन्हें किसी तरह से इलाज हो पाता है क्योंकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ना तो कोई स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं और नहीं शिशु रोग विशेषज्ञ जिस कारण उन्हें उचित इलाज के लिए सदर अस्पताल अरवल रेफर कर दिया जाता है वही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्था में मरीज के परिजनों को बैठने के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें कभी पेड़ की छांव में तो कभी पास में पुराने भवन का सहारा लेना पड़ता है। हद तो तब हो जाती है कि बरसात के महीना में बारिश होने के कारण मरीज के परिजनों को बैठने का जगह भी नसीब नहीं होता क्योंकि पुराने भवन में बैठने पर विषैला जीव जंतुओं के डर सताती है तो वहीं पेड़ के नीचे बैठने पर आकस्मिक आपदा सहित बारिश से भेजने का भी डर रहता है इस कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्ता में आने वाले मरीजों के परिजन जैसे तैसे अपना समय गुजारते हैं।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के प्रयास के आरोपी को दस साल हुई सजा

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एडिजे आठ मनीष कुमार जायसवाल ने मदनपुर थाना कांड संख्या -187/18, एसटीआर -365/19,304/24 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए एक मात्र अभियुक्त विकास दास नीमा आजन मदनपुर को सजा सुनाई है। एपीपी प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि अभियुक्त को भादंवि धारा 307 में दस साल की सजा और दस हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है। अभियुक्त को न्यायालय द्वारा -04/07/25 को भादंवि धारा -307 में दोषी करार देते हुए बंधपत्र विखंडित कर जेल भेज दिया गया था। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक श्यामली दास नीमा आजन मदनपुर ने 09 अगस्त 18 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें कहा था कि हमारे पिता बाबू राम दास 08 अगस्त 18 को रात्रि में सामुदायिक भवन में सोये हुए थे तब रात्रि 10 बजे अभियुक्त विकास दास ने जान मारने के नियत से गर्दन पर वार कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया था। पिताजी द्वारा जोर जोर से हल्ला करने पर ग्रामीण जुटे और अभियुक्त भाग गया तब मेने इलाज हेतु प्राथमिकी स्वस्थ केंद्र मदनपुर लाया और घटना के जानकारी पुलिस को देकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

पांच अभियुक्तों को हुई आजीवन कारावास

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एडिजे दस अशोक कुमार गुप्ता ने फेसर थाना कांड संख्या -37/22, जी आर -612/22,एस टी आर -377/22,193/22 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए काराधिन अभियुक्त मो तोहिद समेत पांच अभियुक्तों को सजा सुनाई है। एपीपी विन्देश्वरी प्रसाद तांती ने बताया कि अभियुक्त गजेन्द्र यादव, महेंद्र यादव,मो तोहिद, इस्तेखार अहमद,एनुल होदा मौलानगर फेसर को भादंवि धारा 302/34 में आजीवन कारावास और बीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है, जुमार्ना न देने पर छः महीने अतिरिक्त कारावास होगी, और भादंवि धारा 323/34 में एक साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया है दोनों सजाएं साथ साथ चलेगी, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक जमीला खातून मौलानगर फेसर ने 27/03/22 को प्राथमिकी अभियुक्तों के खिलाफ दर्ज कराई थी जिसमें कहा था कि उसके पति इस्तेयाक अहमद अपने दोनों पुत्र फैजान रजा और आशिफ रजा के साथ खेती कर 3:30 बजे दोपहर में घर वापस लौट रहे थे तो महेंद्र यादव के घर के पास घात लगाए बैठे अभियुक्तों ने अचानक लाठी डंडे भाला से हमला कर तीनों को गम्भीर रूप से जख्मी कर दिया था दोनों पुत्रों के इलाज सदर अस्पताल औरंगाबाद में हुई और पति के गम्भीर स्थिति के कारण मगध कोलेज गया में भर्ती कराया गया था जहां 28/03/22 को मृत्यु हो गई थी।

बारुण के शिक्षकों द्वारा दयाशंकर सिंह को सम्मानित किया गया

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड के ए-1 प्लाजा सभागार में औरंगाबाद के निवर्तमान डीपीओ एवं बारुण प्रखंड के पूर्व प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं जमुई जिले के वर्तमान जिला शिक्षा पदाधिकारी आदरणीय दया शंकर बाबू को बारुण प्रखंड के शिक्षकों के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भव्यता के साथ सम्मानित किया गया। अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापक राम प्रताप भारती की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रमुख अर्चना चंद्र यादव,पूर्व प्रमुख रंजन सिंह उप प्रमुख प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह,जिला पार्षद प्रतिनिधि सत्येंद्र राम,विनय कुमार सिंह,रवि शंकर सिंह, मनोज कुमार सिंह,अरविंद कुमार,चंद्रशेखर सिंह,संजय कुमार सिंह,पप्पू कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, सुरेश विद्यार्थी,सतीश कुमार पांडेय प्रशांत प्रियदर्शी,धर्मेंद्र कुमार सिंह,पंकज कुमार, राजेश कुमार,सुधीर कुमार सिंह, समाजसेवी राजू यादव कामता यादव लेखापाल कुश कुमार,कंप्यूटर ऑपरेटर प्रतीक कुमार के गरिमामई उपस्थिति में संबोधन के क्रम में लोगों ने कहा कि बारुण प्रखंड में दयाशंकर सिंह के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उनके कार्यकाल के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सुधारों और समर्पण की प्रशंसा करने के साथ-साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। प्रतीक कुमार ने कहा कि दया शंकर बाबू जैसा कोई पदाधिकारी अभी तक नहीं आया ।बारुण प्रखंड के प्रखंड संसाधन केंद्र के सभी कर्मियों का हार्दिक इच्छा है कि वे जिला शिक्षा पदाधिकारी बनकर जरूर आए।

नबीनगर विधानसभा के युवा समाजसेवी संजीव कुमार सिंह ने बारुण के विभिन्न गांवों का किया दौरा

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। नवीनगर विधानसभा के युवा समाजसेवी,सूर्य राघव मंदिर बड़ेम के अध्यक्ष,कई महोत्सवों के शुरूआत कर्ता संजीव कुमार सिंह द्वारा नबीनगर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार जनता के बीच जनता की समस्याओं को निराकरण किया जा रहा है इस क्रम में बारुण प्रखंड के विभिन्न पंचायतों का दौरा किया और वहां के जन समस्याओं को त्वरित निष्पादन करते हुए जनता के मान सम्मान को मूर्त रूप प्रदान किया गया। इस क्रम में गोठौली पंचायत के मखरा,जानपुर, एवं पिपरा पंचायत के कर्मा बरौली ग्राम में उन्होंने जनता के बीच जनता दरबार लगाया और जनता के विभिन्न समस्याएं वृद्धा पेंशन प्रधानमंत्री आवास बिजली पथ निर्माण आदि की समस्याओं को अधिकारियों से बात कर उनको सुलझाया गया ।मखरा ग्राम में दर्जनों ग्रामीणों की पेंशन से संबंधित समस्याएं थी उसका उन्होंने पंचायत सचिव एवं उसके सक्षम अधिकारी से वार्ता की और उन्हें सुलझा कर जनता को न्याय दिलाया ।कुछ गांवों में बिजली की समस्याएं थी ।उन्हें भी तत्काल सुलझाने का प्रयास किया गया ।विदित हो कि संजीव कुमार सिंह जदयू के वरिष्ठ कार्यकर्ता है ।नवीनगर विधानसभा के 2025 के भावी उम्मीदवार हैं और जिस प्रकार से वे जनता के बीच लगातार जुड़े रह रहे हैं और जनता की समस्यायों को त्वरित निष्पादन कर उन्हें न्याय दिला रहे हैं।

राधा कृष्ण मंदिर विकास समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर में पुनपुन रोड प्राचीन राधा कृष्ण ठाकुरवाड़ी मंदिर के प्रांगण में राधा कृष्ण मंदिर विकास समिति के सदस्यों की अहम बैठक आयोजित की गई ।समाजसेवी पंकज कुमार एवं जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी के गरिमामई उपस्थिति में समिति के अध्यक्ष कमलेश पासवान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सदस्यों ने आपसी विचार समन्वय किया ।मंदिर के विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर अपनी सहमति दी ।सभी सदस्यों ने मंदिर के विकास के लिए न्यूनतम मासिक शुल्क प्रत्येक माह जमा करने का निर्णय लिया जिससे मंदिर पर कोई आर्थिक बोझ ना हो और मंदिर का ज्यादा ज्यादा विकास किया जा सके।

मंदिर में ठाकुर जी के राग भोग एवं पुजारी जी को वेतन समय से दिया जा सके। साथ ही साथ अगले माह जन्माष्टमी पूजा महोत्सव धूमधाम से मनाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में अरुण कुमार गुप्ता सोनू जायसवाल,दुर्गा प्रसाद, गौरी प्रसाद, सुरेंद्र पासवान, कृष्णकांत,रवि अग्रवाल, शुभम कुमार, शिवजी प्रसाद, गुड्डू गुप्ता,अनिल कुमार,रंजीत प्रसाद गुप्ता, प्रवीण अग्रवाल,रिंकू कुमार सोनी,जीतन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

चलती ट्रेन से गिरकर प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच रगड़ खा रहे यात्री की रेल वीरों ने बचाई जान

● मारने वाला है भगवान, बचाने वाला है भगवान। बाल न बांका कर सके, जिसके रक्षक दयानिधान

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। ऐसा ही कुछ मंगलवार को गया जी के मानपुर जंक्शन पर हुआ। एक यात्री शशि कुमार 63322 गया-किउल सवारी ट्रेन पर चढ़ने के क्रम में ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच रहे गैप में गिर गया है। ट्रेन खुल चुकी थी। यात्री ने हिम्मत रखते हुए और बुद्धिमानी से खड़ा ही रह गए। चुकी ट्रेन रन कर रही थी यात्री कोच और प्लेटफॉर्म के कंक्रीट के बीच रॉल करते रहा। बताया गया कि ये सभी तीन लोग थे जो इस ट्रेन से यात्रा करने वाले थे। जिनमें से एक अन्य को भी हल्की चोट आई है। इस बीच ऑन ड्यूटी आरपीएफ के हेड कॉन्स्टेबल रोहित रंजन, एसएंडटी विभाग के कर्मचारियों सुरेंद्र कुमार, बैजनाथ कुमार, पॉइंट्स मैन अभिमन्यु कुमार, केएन श्रीवास्तव एवं अन्य यात्रियों ने त्वरित यात्री को प्लेटफॉर्म पर खींच लिया। इस रगड़ के कारण यात्री के सिर एवं कमर से रक्त स्राव हो रहा था। ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर मनीष कुमार एवं शेखर कुमार त्वरित अस्पताल भेजने के लिए तैयारी शुरू कर रहे थे कि इसी बीच घायल के परिजन मानपुर के सिकहर से वाहन लेकर स्टेशन आए और अरुण कुमार नामक यात्री को अस्पताल ले गए। इस बीच आरपीएफ के स्टाफ रोहित रंजन कुमार, रेल कर्मचारी सुरेंद्र कुमार, बैजनाथ कुमार, अभिमन्यु आदि ने घायल यात्री को स्ट्रेचर पर लिटाकर वाहन तक ले गए। यात्री को मानपुर सदर अस्पताल में ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। गया आरपीएफ पोस्ट के प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव ने बताया कि मानपुर स्टेशन पर ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत एक घायल यात्री की जान बचा ली गई है। उन्होंने बताया समय लगभग 11.05 बजे मानपुर जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 03 पर गाड़ी सं. 63322 पर आई और निर्धारित ठहराव के बाद खुलते ही एक यात्री शशि कुमार उम्र 28 वर्ष,पिता-अरुण लाल, मोहल्ला व थाना- मेसकौर, जिला -नवादा(बिहार) चलती गाड़ी मे चढ़ने के प्रयास मे प्लेटफार्म पर गिर गये और गाड़ी के पायदान में फंसकर कुछ दूर रगड़ाने लगे। जिसे ऑन ड्यूटी आरपीएफ के प्रधान आरक्षी रोहित रंजन कुमार के सहयोग से पकड़कर बचाया गया है। उन्होंने बताया इस दौरान यात्री को कमर एंव सिर में चोट आ गई। जिसके कारण ब्लडिंग हो रहा था। तत्काल स्टेशन कार्यालय से स्ट्रेचर मंगवाकर उपचार हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर(गया) मे भर्ती करवाया गया है। इसी क्रम में उनके भाई ऋषि कुमार, बहनोई एंव अन्य परिजन भी पहुँच गए। डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचर के उपरांत घायल व्यक्ति को आगे बेहतर ईलाज हेतु मगध मेडिकल कॉलेज गया के लिये रेफर कर दिया गया। पीड़ित को परिजन द्वारा मगध मेडिकल कॉलेज गया लेकर चले गये। डॉक्टर द्वारा घायल व्यक्ति की स्थिति सामान्य बताया गया है और वो अपने परिजनों से बातचीत कर रहे थे।

गया जंक्शन पर ट्रेन में चढ़ने के क्रम में यात्री का मोबाइल चोरी कर भाग रहा अपराधी गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

गया जंक्शन पर चोर उचक्के और यात्री की सुरक्षा व्यवस्था में लगी आरपीएफ एवं जीआरपी की टीम ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से यात्री से चुराया गया मोबाइल बरामद किया गया है। आरपीएफ के पोस्ट प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव ने बताया कि श्रावणी मेला को लेकर आरपीएफ एवं जीआरपी की टीम निगरानी कर रही है। उन्होंने बताया सउनि राम सेवक साथ में आरक्षी विकास कुमार, शशि शेखर, सीआईबी के प्रधान आरक्षी एस. जे. रॉय तथा साथ जीआरपी गया के अधिकारी व स्टाफ द्वारा संयुक्त रुप से गया रेलवे स्टेशन पर गश्त किया जा रहा था। गाड़ियों को सुरक्षित पास करा रहे थे। इसी क्रम में प्लेटफार्म संख्या-1 पर एक व्यक्ति तेजी से दौड़कर भाग रहा है। शक होने पर आरएमएस कार्यालय के पास उसे पकड़ लिया गया। पकड़े गए व्यक्ति अपना नाम सन्नी कुमार टीमला (19) पिता बुलेन्दु यादव, ग्राम झिटकौरिया, थाना उमता, जिला जहानाबाद बताया। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी श्री यादव ने बताया कि इतने में पीछे से एक यात्री दौड़ता हुआ आया। जिसे अपना नाम अजीत कुमार पिता सुदर्शन प्रजापति पता अंबालिया थाना करगहार जिला रोहतास बताया। जिसने बताया कि वे गाड़ी संख्या 12371 से सासाराम जाने के लिए आगे जनरल कोच में चढ़ रहे थे। चढ़ने के क्रम में ही मोबाइल चोरी हो गया। पकड़े गए व्यक्ति की तलाशी ली गई तो उसके पास से यात्री का चोरी किया हुआ मोटरोला कंपनी का मोबाइल बरामद हुआ। जिसे मौके की कार्रवाई करते हुए जीआरपी थाना गया ले जाया गया। जहां यात्री द्वारा दिए गए लिखित शिकायत के आधार पर जीआरपी थाना में कांड संख्या 213/25 अन्तर्गत 303 (2),317(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत कायम किया गया। मोबाईल की अनुमानित कीमत 15,000 रुपया आंकी गई है।

बगरा गांव में स्वच्छता को लेकर चला जागरूकता अभियान

गया। चतरा सांसद कालीचरण सिंह के सौजन्य से बगरा गांव में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में कुल 25 ग्रामीणों ने भाग लिया है। शिविर में लोगों को स्वच्छता, साफ-सफाई बनाए रखने, जलजनित और वायुवाहित बीमारियों से बचाव, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा कचरा प्रबंधन जैसे विषयों पर जानकारी दी गई है। वक्ताओं ने ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्रामीणों और स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया है।

माई बहिन मान योजना की सफलता से घबराई बीजेपी

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी ।जिला कांग्रेस कमिटी की महासचिव और गया जी टाऊन विधानसभा की भावी प्रत्याशी डॉ देविका सरयार मिश्र के नेतृत्व ओर पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ गगन कुमार मिश्र की उपस्थिति में गया टाऊन के वार्ड न 11 में माई बहिन मान योजना के तहत सैकड़ों महिलाओं का पंजीकरण करवाया है। इसके साथ हीं उन्होंने महिलाओं को इस योजना के लाभ के बारे में बताया है ।इस कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं ।जानकारी हो कि डॉ देविका पिछले कई दिनों से ।लगातार विभिन्न मोहल्लों में ओर वार्डों में इस कार्यक्रम को कर रही हैं ।उन्होंने बताया कि बीजेपी इस कार्यक्रम की सफलता से घबरा गई है और इस पर जो गया में केस किया गया है वो पूरी तरह बेबुनियाद है मै नहीं मान योजना में पंजीकरण हेतु किसी भी दस्तावेज की जरूरत नहीं है बस आपको दिए गए न पर मिस कॉल देना है और कार्यकृत वॉलंटियर या असेंबली लीडर आपका पंजीकरण करवा देंगे ।बाकी सारी प्रक्रिया महागठबंधन को सरकार बनाने के उपरांत सरकार के द्वारा पूरी की जाएगी। डॉ गगन कुमार मिश्र ने बताया कि असल में यह योजना बहुत हीं सफल रही है और गया हीं नहीं पूरे बिहार में बहुत सफल रही है और महिलाओं में इसको लेकर काफी उत्साह है ।कांग्रेस पार्टी समर्थित सरकारों ने ऐसी योजनाएं पहले हीं झारखंड, कर्नाटका और तेलंगाना में लगी कर रखी हैं ।इस कार्यक्रम के दौरान गया शहर के प्रखंड अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह उर्फ लाबी सिंह,कार्यक्रम संयोजक आकाश कुमार,आयुष मिश्रा, मो साजिद आलम,श्री शशांक भूषण और नीतीश कुमार उपस्थित रहे है।

तीन बच्चों की डूबने से हुई मौत पर परिजनों को चार लाख की अनुग्रह राशि वितरित किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी ।गया के मगध मेडिकल थाना के अंतर्गत काजिचक क्षेत्र में डूबने से कल तीन बच्चों की दुखद मृत्यु हो गई थी। जिला अधिकारी, गया के निर्देश पर नगर अंचलाधिकारी द्वारा मृतकों के परिजनों को कुल 4 लाख की अनुग्रह राशि के चेक वितरित किए गए। प्रशासन ने शोक संतप्त परिवारों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया है।

हम साधारण परिवार से हैं, जन्म के साथ चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं हुए हैं: ब्रिगेडियर राम नरेश

गया ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर राम नरेश ने जिला स्कूल एनसीसी ट्रूप का किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

गया। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के कमांडर ब्रिगेडियर राम नरेश मंगलवार को जिला स्कूल एनसीसी गया का निरीक्षण किया। प्लस टू जिला स्कूल में 27 बिहार बटालियन एनसीसी गया के समादेशी पदाधिकारी कर्नल अमर सुधीर पारकर एवं प्रशासनिक पदाधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित चौहान ने गर्मजोशी से स्वागत किया है। ब्रिगेडियर राम नरेश का परिचय विस्तार से कैडेट्स को एनसीसी पदाधिकारी सेकंड ऑफिसर मुकेश प्रसाद वर्मा ने दिया है। एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए ब्रिगेडियर राम नरेश ने कैडेट्स को एनसीसी में एनरोलमेंट के लिए प्रोत्साहित किया है । उन्होंने अपने परेड इंस्ट्रक्टर और एएनओ को कैडेट्स के बेहतर सिखलाई सुनिश्चित हो, इसका जायजा लिया है। उनसे बातचीत की। उनका मनोबल को बढ़ाया। उन्हें आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत करने को कहा है। उन्होंने कहा कि हम साधारण परिवार से हैं। हम जन्म के साथ चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं हुए हैं। जिन्दगी में आगे बढ़ना है, कुछ करना है तो कड़ी मेहनत करना होगा। उन्होंने कहा एनसीसी में बढ़ चढ़कर योगदान करें। इसके लिए प्रोत्साहित किया है। इस दौरान उन्होंने जिला स्कूल के प्रिंसिपल कुमारी सरिता से मुलाकात की। उनसे एनरोलमेंट से लेकर सांस्थानिक प्रशिक्षण से संबंधित चर्चा किया। एनसीसी कार्यालय का निरीक्षण किया। वहां व्यवस्था देखकर प्रसन्न हुए। इस मौके पर 27 बिहार बटालियन के सूबेदार मेजर सरदारी लाल, सूबेदार अभिरंजन तिवारी, ट्रेनिंग एनसीओ वाई.के.यादव, हवलदार ललित एवं अन्य स्टाफ मौजूद थे।

सौतेली मां ने डांट पिलाई तो घर से भागकर लड़की चली आई गया जंक्शन, आरपीएफ ने चाइल्ड लाइन को किया सुपुर्द

गया जी। सौतेली मां की डांट फटकार लगाने से नाराज हुई एक लड़की घर से नाराज होकर निकल गई। गुस्से में कहीं और भाग जाने के लिए गया जंक्शन पर आ गई थी। जिसपर आरपीएफ की टीम की नजर पड़ गई। इसके बाद लड़की को सुरक्षित आरपीएफ पोस्ट पर लाया गया है। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव ने बताया कि मंगलवार को उनि धीरेंद्र कुमार, आरक्षी विकाश कुमार, प्रधान आरक्षी आरसी राम गया स्टेशन एरिया में गश्त कर रहे थे। इस दौरान प्लेटफॉर्म पर एक नाबालिक लड़की को डरी सहमी हालात में देखा गया है। जब पास जाकर पूछताछ की गई तो लड़की ने बताया कि वह बोधगया थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। जो महादलित परिवार से ताल्लुक रखती है। उसने गया स्टेशन आने के बारे में पूछने पर बताया कि उनकी मां सौतेली हैं। मां की डांटने की वजह से घर से भाग कर गया स्टेशन आ गई हूं। यादव ने बताया इसकी सूचना रेलवे चाइल्ड हेल्प डेस्क गया को देते हुए लड़की के साथ किसी तरह की अनहोनी घटना न घटित हो, उसे आरपीएफ पोस्ट पर लाया गया है। जहां उसकी काउंसलिंग की गई। रेलवे चाइल्ड हेल्प डेस्क सुपरवाइजर सुरभि कुमारी को रेस्क्यू की गई बालिका को सकुशल व सही सलामत अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपुर्द कर दिया गया है।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र निष्पादन की समीक्षा में लापरवाही बरतने वाले पर गिरी गाज

गयाजी। नगर निगम के नगर आयुक्त कुमार अनुराग ने मंगलवार को जन्म-मृत्यु निष्पादन की समीक्षा में लापरवाही करने वाले पदाधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की है। निगम कार्यालय में नगर आयुक्त ने रजिस्ट्रार व संबंधित सहायक राकेश कुमार से स्पष्टीकरण मांगते हुए वेतन रोकने का निर्देश दिया है। नगर आयुक्त कुमार अनुराग के द्वारा जन्म मृत्यु रजिस्ट्रेशन फॉर्म की गहण समीक्षा की गई। निरंतर शिकायत प्राप्त हो रही थी कि कई दिनों से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र लंबित है एवं निष्पादन नहीं किया जा रहा है। इस क्रम में जिला पदाधिकारी महोदय ने संज्ञान लेते हुए अनुमंडल पदाधिकारी को भी निदेशित किया था। आज नगर आयुक्त द्वारा पूरे प्रक्रिया की जांच की गई है। नगर आयुक्त ने बताया कि समीक्षा से पता चला कि निबंधन नियमावली में कुछ दिनों पहले बदलाव हुए थे जिस कारण से रजिस्ट्रार द्वारा विलंब किया जा रहा था। बदलाव यह था कि अब एक वर्ष से पुराने जन्म मृत्यु के आवेदन की स्वीकृति अनुमंडल पदाधिकारी देंगे। पूर्व, में यह सत्यापन हेतु प्रखंड कार्यालय भेजा जाता था। साथ ही, विलंब की राशि 50 से बढ़ाकर 100 रुपए कर दी गई है। वर्तमान में, नियम यह है कि जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु सरकार द्वारा नई नियमावली के आलोक में, 30 दिनों के अंदर जन्म या मृत्यु का अगर प्रमाण पत्र बनवाना है तो, निगम में प्रतिनियुक्त रजिस्ट्रार द्वारा जांच कर निर्गत किया जाता है। 30 दिनों से एक वर्ष के अंदर वाले प्रमाण पत्रों की सत्यापन सांख्यकी पदाधिकारी सह जिला रजिस्टर द्वारा किया जाता है एवं 1 वर्ष के ऊपर जन्म मृत्यु घटनाओं को सत्यापन उपरांत अनुमंडल पदाधिकारी सदर से अनुमति प्राप्त कर निर्गत किया जाना है। जुलाई माह के शुरूआत में हीं जिला पदाधिकारी का निदेश सभी अनुमंडल पदाधिकारियों के लिए निर्गत किया जा चुका था। मुख्यतः एक वर्ष से अधिक वाले आवेदन हीं लंबित है। रजिस्ट्रार एवं अनुमंडल पदाधिकारी के समन्वय की कमी के कारण, इतनी संख्या में आवेदन लंबित रह गए थे। रजिस्ट्रार का ये दायित्व था कि नए नियम के अनुरूप वो सत्यापन के पश्चात अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन स्वीकृति हेतु भेजे परन्तु सभी आवेदन इनके कार्यालय में लंबित पाए गए हैं। लंबित आवेदनों को लेकर इनके द्वारा कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया है। इस समीक्षा में पाया गया कि जन्म से संबंधित कूल 682 आवेदन लंबित है। मृत्यु से संबंधित 101 आवेदन लंबित है। एक साथ जन्म मृत्यु से संबंधित इतने लंबित मामलों को देख नगर आयुक्त कुमार अनुराग द्वारा काफी अप्रसन्नता व्यक्त की गई है। निगम आयुक्त द्वारा बताया गया कि जिला पदाधिकारी द्वारा भी इस विषय का संज्ञान लिया गया एवं अप्रसन्नता व्यक्त की गई। साथ ही, निगम बोर्ड की बैठक में भी इस विषय पर चर्चा हुई थी। इस बात पर ध्यान में नगर आयुक्त ने रजिस्टर एवं संबंधित सहायक राकेश कुमार से स्पष्टीकरण की मांग की एवं वेतन स्थगित किया गया है। नगर आयुक्त द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी को भी निदेशित किया की, रजिस्ट्रार के अनुशंसा से प्राप्त आवेदनों को अविलंब स्वीकृति प्रदान कर दें। रजिस्ट्रार एवं जन्म मृत्यु शाखा के सहायक को अंतिम चेतावनी देते हुए निर्देश दिया कि 426 आवेदन एक वर्ष से अधिक लंबित हैं, अनुमंडल पदाधिकारी सदर को अग्रसारित करें एवं अनुमति प्राप्त कर आज ही प्राप्त कर निर्गत करें तथा शेष लंबित जन्म मृत्यु आवेदनों को दो दिनों के अंदर निष्पादित करें।

व्यापार

संसेक्स
82253.46 पर बंद
निफ्टी
25082.30 पर बंद

सोना
96,970
चांदी
98500

वेदांता पर अमेरिकी शॉर्ट-सेलर का नया हमला

एजीएम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की वायसरॉय रिसर्च ने वेदांता की वार्षिक आम बैठक की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह बैठक पूरी तरह से स्टेज मैनेज्ड थी। निवेशकों के सवालों को न तो ठीक से प्रोत्साहित किया गया और न ही उनके सवालों का सार्थक जवाब दिया गया। दूसरी ओर, भारतीय प्रॉक्सी सलाहकार कंपनी इनगवर्न ने कहा है कि वेदांता समूह का ढांचा, जहां होल्डिंग कंपनियां अपनी सहायक कंपनियों से आने वाली नकदी का इस्तेमाल करती हैं, पूरी तरह वैध और आम बात है। उन्होंने कहा कि यह ढांचा खासकर पूंजी-गहन उद्योगों जैसे बुनियादी ढांचा, प्राकृतिक संसाधन और उपयोगिताओं में आम है। इनगवर्न ने भारत के अडाणी समूह, टाटा समूह और

रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा वैश्विक कंपनियों ग्लेनकोर और एंग्लो अमेरिकन जैसे उदाहरण भी दिए।

शॉर्ट-सेलर रिपोर्ट्स पर चेतावनी- इनगवर्न ने कहा कि शॉर्ट-सेलरों की रिपोर्टें अब बाजार के लिए बड़ी घटना बन गई हैं और अक्सर उनके बाद शेयरों में काफी उछाल-गिरावट आती है। इसलिए जरूरी है कि हितधारक इन रिपोर्टों को सही परिप्रेक्ष्य में देखें। उन्होंने कहा कि वायसरॉय जैसी शॉर्ट-सेलर रिपोर्टें अक्सर उन कंपनियों के अपने फायदे को दर्शाती हैं और सार्वजनिक आंकड़ों के नकारात्मक पहलुओं पर ज्यादा जोर देती हैं।

भारत के पास अमेरिकी रसायन बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने का सुनहरा मौका

एसबीआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पास अमेरिका को रासायनिक निर्यात बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है, अगर भारत अमेरिका के साथ 25 प्रतिशत से कम टैरिफ पर बातचीत करने में सफल हो पाए। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार चीन और सिंगापुर के वर्तमान बाजार के एक हिस्से पर भारत कब्जा कर सकता है और अमेरिकी रासायनिक निर्यात में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है।

इसमें कहा गया कि अगर भारत इन दोनों देशों के रासायनिक निर्यात का मात्र 2 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लेता है, तो अपनी जीडीपी में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है।

जापान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया के 1 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा – इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया कि भारत को जापान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया जैसे अन्य देशों से भी लाभ मिल सकता है। इन्हें अभी भारत की तुलना में अधिक टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। अगर भारत इन तीन देशों से अमेरिकी रासायनिक आयात बाजार का 1 प्रतिशत हिस्सा भी हासिल कर लेता है, तो भारत के जीडीपी में 0.1 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है।

बढ़ ही रहा है एंथम बायोसाइंसेज आईपीओ का जीएमपी

मुंबई, एजेंसी। बेंगलुरु की एक कंपनी है एंथम बायोसाइंसेस यह दवाइयों से जुड़े रिसर्च, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग का काम करती है। इसे सीआरडीएमओ भी कहते हैं। एंथम बायोसाइंसेस का आईपीओ कल यानी 14 जुलाई को ही खुल चुका है। इसमें आप कल यानी 16 जुलाई तक आवेदन दे सकते हैं।

- **पहले दिन ही 77 फीसदी भर गया-** नेशनल स्टॉक एक्सचेंजपर उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह पहले दिन ही करीब 77 फीसदी भर चुका है। इसके 33.83 मिलियन शेयरों के लिए बिड आए हैं जबकि इसका इश्यू साइज 4.4 मिलियन शेयरों का है। इसमें एनआईआई के लिए रिजर्व हिस्से में 1166 फीसदी, रिटेल कोटे में 0.61 फीसदी और क्यूआईबी कोटे में 37 फीसदी बिड आए हैं। आईपीओके लिए शेयर की कीमत 540 से 570 रुपये के बीच तय की गई है। आपको कम से कम 26 शेयर खरीदने होंगे। जहां तक इसके जीएमपी की बात है तो आईपीओ खुलने से पहले इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम, इश्यू प्राइस से लगभग 18 प्रतिशत ऊपर था। आज यह और बढ़ कर 20.35 फीसदी पर चला गया। इसका मतलब है कि लोग शेयर को तय कीमत से ज़्यादा पर खरीदने को तैयार हैं।

कब शुरू हुई है कंपनी

एंथम बायोसाइंसेस साल 2006 में शुरू हुई थी। यह फार्मा इंडस्ट्री में एक खास तरह का काम करती है। यह दवाइयों की रिसर्च, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग जैसी सभी सेवाएं देती है। भारत में कुछ ही सीआरडीएमओकंपनियां हैं जो छोटे मॉलिक्यूल (केमिकल बेस्ड) और बड़े मॉलिक्यूल (बायोलॉजिक्स) दोनों पर काम करती हैं। एंथम बायोसाइंसेस उनमें से एक है।

खास मॉडल पर काम करती है

कंपनी का एक खास मॉडल है जिसे स्र्र्स- यानी फी-फॉर-सर्विस कहते हैं। इससे कंपनी को दुनिया भर की छोटी और मध्यम आकार की बायोटेक कंपनियों को अपनी सेवाएं देने में मदद मिलती है।

ग्लोबल बॉडी से मिला है अप्रूवल

कंपनी की फैसिलिटीज ष्त्रस्क्कके नियमों का पालन करती हैं। इन्हें यूएसएफडीए, एएनवीएसए, टीजीए और पीएमडीए जैसी ग्लोबल रेगुलेटरी बॉडीज से अप्रूवल मिला हुआ है। कंपनी अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। यह फर्मेंटेशन और सिंथेसिस कैपेसिटी को बढ़ा रही है ताकि भविष्य में कॉम्प्लेक्स बायोलॉजिक्स और स्पेशलिटी इंग्रेडिएंट्स की डिमांड को पूरा किया जा सके।

आपको सब्सक्राइब करना चाहिए

अब सवाल यह है कि क्या आपको इस आईपीओ में पैसा लगाना चाहिए आनंद राठी और केनरा बैंक सिक्योरिटीज ने इस इश्यू को सब्सक्राइब करने की सलाह दी है। इसका मतलब है कि उनका मानना है कि आपको इस आईपीओ में निवेश करना चाहिए। एनालिस्ट्स का कहना है कि एंथम बायोसाइंसेस की इंडस्ट्री में अच्छी पोजीशन है, कंपनी की रेवेन्यू विजिबिलिटी अच्छी है और इसका बिज़नेस मॉडल हाई-मार्जिन वाला है।

रेलवे को मिला 26,406,974,27 रुपये का 'कवच' ऑर्डर

शेयरों में करीब 4 प्रतिशत की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलटेल कॉरपोरेशन शेयरों की कीमतों में आज करीब 4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह 264 करोड़ रुपये का मिला नया वर्क ऑर्डर है। कंपनी ने इस वर्क ऑर्डर की जानकारी 14 जुलाई को एक्सचेंज के साथ साझा किया है। बीएसई में यह स्टॉक 415 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 3.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 425.50 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। कंपनी के शेयर सुबह 10.15 मिनट पर 418 रुपये के रेंज में ट्रेड कर रहे थे।

क्या मिला है वर्क ऑर्डर

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि उन्हें 26,406,974,27 रुपये का काम मिला है। यह काम कंपनी को ईस्ट सेंट्रल रेलवे से मिला है। कंपनी ने बताया है कि 607 किलोमीटर के लिए उन्हें कवच ट्रैक तैयार करना है। इस काम को पूरा करने के लिए रेलटेल कॉरपोरेशन के पास 2 साल का समय है। बीते 3 महीने कंपनी के लिए शेयर बाजार में काफी शानदार रहे हैं। इस दौरान स्टॉक का भाव 36 प्रतिशत चढ़ा है। जबकि सेंसेक्स इंडेक्स इस दौरान 7 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। इस तेजी के बावजूद भी एक साल में कंपनी के शेयर 27 प्रतिशत टूट चुके हैं। कंपनी का 52 वीक हाई 607.85 रुपये और 52 वीक लो लेवल 265.30 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 13,439 करोड़ रुपये का है।

लगातार डिविडेंड दे रही है कंपनी

रेलटेल कॉरपोरेशन उन कंपनियों में से एक है जो लगातार निवेशकों को डिविडेंड दे रही है। कंपनी ने आखिरी बार निवेशकों को इसी साल अप्रैल के महीने में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर डिविडेंड दिया था।

उससे पहले नवंबर के महीने में कंपनी ने एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड दिया था।

अगले 10 वर्षों में 10 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी बनेगा भारत

गोल्डमैन सैश ने जताई यह संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भू-राजनीति में जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, भारत के लिए अपार अवसर उपलब्ध होंगे। भारत अपनी सहायक आर्थिक नीतियों और अन्य प्रयासों से अगले दशक में 10 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। गोल्डमैन सैश की भारत में सह-अध्यक्ष गुंजन समदानी ने सोमवार को कहा, देश जब 10 लाख करोड़ डॉलर के करीब पहुंच जाएगा, तब वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) भारतीय अर्थव्यवस्था में 0.5 लाख करोड़ डॉलर का सकल मूल्यवर्धन कर सकेंगे।

साथ ही, 2-2.5 करोड़ लोगों को रोजगार भी प्रदान करेंगे। गुंजन ने सीआईआई जीसीसी शिखर सम्मेलन में कहा, अभी से 2035 के बीच वैश्विक विकास में उभरते बाजारों का 65 फीसदी योगदान होगा। भारत एक उज्ज्वल स्थान है और हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के साथ अगले दशक में 10 लाख करोड़ डॉलर के करीब पहुंच जाएंगे।

- **भारत के पास वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर**-गोल्डमैन सैश की सह-अध्यक्ष ने कहा, भारत के पास ऐसे समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है, जब दुनियाभर के बाजार फिर से व्यापार संतुलन स्थापित करने, आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी समस्याओं और कईदेशों में चल रहे तनावों समेत कई जटिल चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

कई वैश्विक रुझानों का लाभ उठाने के लिए तैयार भारत

गुंजन ने कहा, भारत एक साथ कई वैश्विक रुझानों का लाभ उठाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है। जनसांख्यिकीय लाभांश, अग्रणी एसटीईएम स्नातक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन से समर्थित प्रतिभाशाली एआई कौशल भारत के पक्ष में काम करेंगे और उसे इनका लाभ मिलेगा।

2025 तक 4.92 लाख करोड़ से अधिक होगा वैश्विक प्रौद्योगिकी खर्च

गोल्डमैन सैश की कार्यकारी ने कहा, एआई वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सबसे आकर्षक परिवर्तनकारी अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। एआई, ऑटोमेशन और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने वाले नवाचार केंद्रों के रूप में विकसित जीसीसी क्षेत्र वैश्विक रुझानों से लाभान्वित होगा। वैश्विक प्रौद्योगिकी खर्च 2025 तक 4.92 लाख करोड़ डॉलर से अधिक होगा।

नई पीढ़ी की बिजनस में कोई दिलचस्पी नहीं...

अंबानी के रिश्तेदार ने बेच दी 6,800 करोड़ की वीआईपी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। लगेज बनाने वाली कंपनी वीआईपी इंडस्ट्रीज में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के मालिक दिलीप पीरामल अपनी 32 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रहे हैं। यह सौदा लगभग 1,763 करोड़ रुपये में होगा। यह हिस्सेदारी मल्टीपल्स नाम की एक प्राइवेट इक्विटी कंपनी, शेयर बाजार में निवेश करने वाले आकाश भंसाली और कैरटलेन के संस्थापक मिथुन साचेती खरीदेंगे। इसका मतलब है कि अब वीआईपी इंडस्ट्रीज का मैनेजमेंट इन लोगों के हाथ में आ जाएगा।

ये लोग कंपनी के बाकी शेयरधारकों से भी 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक ऑफर देंगे। इसके लिए वे 1,438 करोड़ रुपये खर्च करेंगे। अगर यह ऑफर सफल रहा, तो खरीदारों की हिस्सेदारी बढ़कर 58 प्रतिशत तक हो सकती है। दिलीप पीरामल, जो पीरामल एंटरप्राइजेज के चेयरमैन अजय पीरामल के बड़े भाई हैं। उनके पास मार्च के अंत तक वीआईपी में 52 प्रतिशत हिस्सेदारी है। दिलीप पीरामल ने 1980 में फैमिली बिजनस से अलग होकर वीआईपी को संभाला था। अब 75 साल की उम्र में वे अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं। सौदे के बाद, उनके पास केवल 17 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी।

क्यों बेच रहे हैं कंपनी- दिलीप पीरामल ने कहा कि उनके परिवार की युवा पीढ़ी कंपनी को संभालने में दिलचस्पी नहीं रखती है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले पांच साल में वीआईपी इंडस्ट्रीज का मार्केट शेयर कम हो रहा है। उनका कहना है कि उनके परिवार की युवा पीढ़ी की कंपनी चलाने में रुचि नहीं है और कंपनी का बाजार में दबदबा कम हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी की नेट सेल्स 2 प्रतिशत घटकर 2,169 करोड़ रुपये रही, जब कंपनी को 81 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ।

सार्वजनिक शेयरधारकों में टाटा स्मॉल कैप फंड के पास 1.54 प्रतिशत और एसबीआइ फ्लेक्सीकैप फंड के पास 31 मार्च तक 7 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पास 7.68 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वीआईपी इंडस्ट्रीज वीआईपी, कार्लटन और स्काईबैग्स जैसे ब्रांड्स की मालिक है। यह प्रीमियम सेगमेंट में सैमसोनाइट

बिजनस कस्टमर 14 जुलाई तक अमेज़न बिज़नस पर आकर्षक डील्स और बेहतरीन ऑफर्स का लाभ उठाकर शानदार बचत कर सकते हैं

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेज़न बिज़नस 12 जुलाई से 14 जुलाई 2025 तक अपने बिजनस कस्टर्स के लिए इस प्राइम डे पर कुछ आकर्षक डील्स की घोषणा करता है। पहली बार, प्राइम डे 72 घंटे का शॉपिंग सेलीब्रेशन होगा, जिसमें बिजनस कस्टमर्स लैपटॉप, टैबलेट, हेडफ़ोन, एसी, कूलर, पंखे, ऑफिस फ़र्नीचर, किचन एप्लायसेंस एवं इंडस्ट्रीयल सप्लाई जैसे विभिन्न उत्पादों आकर्षक डील्स का फायदा उठा सकते हैं। ग्राहक विभिन्न श्रेणियों में बल्क खरीदारी करने पर 20त्न तक की अतिरिक्त छूट का भी लाभ उठा सकते हैं और अपने प्रीपेड ऑर्डर पर एलिजबल श्रेणियों में 9,999 रुपये तक का कैशबैक प्राप्त कर सकते हैं।

अमेजन पे ने लॉन्च किया रिवॉर्ड्स गोल्ड

दैनिक खर्चों के लिए एक आसान, पारदर्शी कैशबैक प्रोगाम!

पिछले 3 महीनों में 25 से ज्यादा लेनदेन करने वाले ग्राहकों को अमेजन पर हर खरीदारी पर मिलेगा 5 फीसद तक अनलिमिटेड कैशबैक

amazon pay

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेजन पे ने रिवॉर्ड्स गोल्ड को पेश किया है, जो एक आसान रिवार्ड प्रोग्राम है, जिसमें प्राइस मेंबर्स को प्रत्येक योग्य लेनदेन पर 5 प्रतिशत कैशबैक और गैर-प्राइम ग्राहकों को 3 प्रतिशत कैशबैक मिलेगा। इस प्रोग्राम के लिए पात्रता हासिल करना आसान है- इन रिवॉर्ड को पाने के लिए अमेजन पे के माध्यम से खरीदारी या भुगतान के 25 लेनदेन पूरे करने होंगे। पात्रता हासिल करने के बाद, मेंबर्स विभिन्न श्रेणियों और मर्चेंट्स के साथ होने वाले हर लेनदेन पर 5 प्रतिशत तक का सुनिश्चित कैशबैक हासिल कर सकेंगे। 12 से 14 जुलाई 2025 को होने वाले अमेजन इंडिया के प्रमुख प्राइम डे शॉपिंग इवेंट की उत्तेजना के बीच, ग्राहक रिवॉर्ड्स गोल्ड के लिए जल्दी पात्रता प्राप्त कर करके अपनी बचत को अधिकतम कर सकते हैं। 25 लेनदेन का कोई भी संयोजन - चाहे वह यूपीआई भुगतान, पैसे भेजना, क्यूआर कोड स्कैन करना, रिचार्ज करना, या खरीदारी करना हो - इन प्रीमियम लाभों को अनलॉक कर देगा।

ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड ने 700 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए

सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड एक विनिर्माण कंपनी है जिसका मुख्य ध्यान नेटवर्किंग केबल और पैसिव नेटवर्किंग उपकरणों पर है। यह लगभग दो दशकों से कार्यरत है और ब्रॉडबैंड, दूरसंचार, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट बिल्डिंग ऑटोमेशन/सुरक्षा, सिस्टम इंटीग्रेशन, स्र्स्श्वत्र और ऑटोमोटिव सहित उच्च-विकासशील उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करती है। कंपनी निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों के अंतर्गत विविध प्रकार के उत्पादों का निर्माण करती है- नेटवर्किंग केबल और समाधान; विशेष ऊर्जा, ऑप्टिकल फाइबर केबल और समाधान; और अन्य संबद्ध उत्पाद। ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। कंपनी की योजना आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) के माध्यम से कुल 7000 मिलियन (700 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 1) के प्रस्ताव आकार की तुलना में धन जुटाने की है। (कुल निर्गम आकार) इस प्रस्ताव में कुल 3200 मिलियन (320 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम (ताजा निर्गम) और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 3800 मिलियन (380 करोड़) तक के शेयरों का बिक्री प्रस्ताव (बिक्री प्रस्ताव) शामिल है। कंपनी निवल आय का उपयोग निम्नलिखित के वित्तपोषण हेतु करने का प्रस्ताव करती है – अपनी विनिर्माण सुविधाओं में मशीनरी, उपकरण और सिविल कार्यों की खरीद हेतु कंपनी की पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं का वित्तपोषण, जिसकी अनुमानित राशि 915 मिलियन [91.50 करोड़] है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के तहत कौशल विकास व आजीविका संवर्धन कार्यक्रमों के माध्यम से 7.2 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया

मुंबई, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर बैंक के सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन की शुरुआत से अब तक पूरे भारत में 7.2 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किए जाने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रकाश डाला है। बैंक के पास वर्तमान में विभिन्न राज्यों में कौशल विकास के क्षेत्र में 70 से अधिक सक्रिय परियोजनाएँ हैं, जो आईटी/आईटीईएस, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और कृषि सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं। कौशल विकास और आजीविका संवर्धन, बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का एक प्रमुख केंद्र बिंदु है, जो सभी सीएसआर पहलों के लिए इसका अम्ब्रेला ब्रांड है। इसकी पहल दो प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है- रोजगार सृजन के लिए कौशल विकास, विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में उद्यमिता पर जोर देते हुए आजीविका में वृद्धि। रोज़गार

सृजन कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे (एनएसक्यूएफ) से जुड़े तीन से छह महीने के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, जो वित्त और व्यावसायिक सेवाएँ, खुदरा और बिक्री, आतिथ्य और पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, आईटी और आईटी सक्षम सेवाएँ, निर्माण और विनिर्माण, सौंदर्य और कल्याण, परिधान और वस्त्र, और शिक्षा और प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों को कवर करते हैं। इन कार्यक्रमों में 60 से 70 प्रतिशत तक प्लेसमेंट दर हासिल की गई है। बैंक के कौशल केंद्रों में हाल ही में जयपुर में परिवर्तन कौशल अकादमी भी शामिल हुई है, जो स्थायी रोज़गार और उद्यमिता के लिए स्थानीय स्तर पर प्रासंगिक प्रशिक्षण मार्ग प्रदान करती है। यह अकादमी पूरे भारत में एक व्यापक नेटवर्क का हिस्सा है, जिसके माध्यम से एचडीएफसी बैंक का लक्ष्य आने वाले वर्षों में कुल 2 लाख युवाओं को कौशल प्रदान करना है। इसके साथ ही, किसानों, स्वयं सहायता समूहों और समुदाय-आधारित उद्यमों सहित छह लाख से अधिक व्यक्तियों को परिवर्तन की आजीविका संवर्धन और उद्यमिता पहलों से लाभ हुआ है, जो स्थायी आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देती हैं।

रविंद्र जडेजा ने हार के बावजूद रिकॉर्ड बुक में दर्ज करवाया नाम

गांगुली-धोनी-पंत के क्लब में शामिल हुए

लंदन (यूके) (एजेंसी)। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का लॉर्ड्स में अकेले दम पर किया गया प्रयास भले ही बेकार गया, लेकिन फिर भी उन्होंने 7,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करके रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया और ऋषभ पंत, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और मंसूर अली खान पटौदी जैसे खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। जडेजा ने 'क्रिकेट के घर' लॉर्ड्स में दो और शतक लगाकर एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में अपनी योग्यता साबित करना जारी रखा। लेकिन जडेजा अपनी विशिष्ट तलवारबाजी का जश्न मनाने में कभी कामयाब नहीं हो पाए क्योंकि टीम इंडिया घर से बाहर भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक से 22 रन चूक गई।

इस अनुभवी ऑलराउंडर ने अपने 7,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए। 361 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जडेजा ने 302 पारियों में चार शतकों और 39 अर्द्धशतकों के साथ 33.41 की औसत से 7,018 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175* रहा है। 83 टेस्ट मैचों में उन्होंने 36.97 की औसत से 3,697 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और 26 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175* रहा है। बल्ले से यह उनका सबसे सफल प्रारूप है। इस श्रृंखला के दौरान तीन मैचों में उन्होंने छह पारियों में 109.00 की औसत से 327 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 89 है। वह अब तक श्रृंखला में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

वह इंग्लैंड में लगातार चार या अधिक अर्द्धशतक बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी के रूप में पंत (2021-25 के बीच पांच अर्द्धशतक) और गांगुली (2002 में चार अर्द्धशतक) की विशिष्ट श्रेणी में शामिल हो गए हैं। महान वीनू मांकड़ (1952 में 72 और 184) के अलावा वह लॉर्ड्स में दोनों पारियों में पचास से अधिक रन बनाने वाले एकमात्र भारतीय हैं। वह एमएके पटौदी (1967 में इंग्लैंड, लीड्स के खिलाफ 64 और 148 और 1967 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 75 और 85), एमएस धोनी (2009 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 52 और 56* और 2011 में बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ 77 और 74*) के साथ दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैचों में छठे या उससे निचले नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दो बार पचास से अधिक रन बनाने वाले भारतीयों में शामिल हो गए हैं।

जडेजा ने दिग्गज वीवीएस लक्ष्मण (28 पचास से अधिक रन) को भी पीछे छोड़ दिया, जब उन्होंने भारत के लिए छठे या उससे नीचे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपना 29वां पचास से अधिक का स्कोर दर्ज किया, जो कपिल देव (35) और एमएस धोनी (38) के बाद किसी भारतीय द्वारा तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित, बशीर की जगह इस प्लेयर को मिला मौका

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के चौथे टेस्ट मैच के लिए स्पिनर टीम की घोषणा कर दी है। इंग्लैंड ने बाएं हाथ के गेंदबाज ने शोएब बशीर की जगह लियाम डॉसन को टीम में शामिल किया है जो 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा। बशीर के लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में जीत के दौरान उंगली टूट गई थी और इसके बाद उन्हें सीरीज से बाहर कर दिया गया था। बशीर को लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन भारत की पहली पारी के 78वें ओवर में चोट लगी थी, जब रवींद्र जडेजा ने एक जोरदार शॉट सीधे बशीर की तरफ मारा, जिसे पकड़ने की कोशिश में गेंद उनकी उंगली पर लग गई। 21 वर्षीय डॉसन ने आखिरी दिन चोट के बावजूद खेला और मोहम्मद सिराज के रूप में मैच का आखिरी विकेट लेकर जीत पक्की कर दी। इंग्लैंड के पुरुष राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा, %लियाम डॉसन टीम में शामिल होने के हकदार हैं। काउंटी चैंपियनशिप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और वे हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉसन ने आखिरी बार जुलाई 2017 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था और वे अपने तीन मैचों में एक और मैच जोड़ना चाहेंगे। वे कई वर्षों से हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें क्रमशः 2023 और 2024 में पीसीए प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था।

शेफाली की टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी

इंग्लैंड के खिलाफ 158.56 के स्ट्राइक रेट से बनाए थे रन

दुबई (एजेंसी)। भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रही। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 158.56 के स्ट्राइक रेट से 176 रन बनाने वाली शेफाली इस रैंकिंग में 655 अंकों के साथ चार स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गयी है। उप-कप्तान स्मृति मंधाना तीसरे नंबर के साथ इस सूची में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी है। मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान नीचे 14वें स्थान पर खिसक गई। भारत की ऐतिहासिक 3-2 से श्रृंखला जीत में अहम योगदान देने वाली अरुंधति रेड्डी गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान की सुधार के साथ 39वें स्थान पर और हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में 26 स्थान की छलांग लगाकर 80वें स्थान पर पहुंच गई।

अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा को गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह तीसरे पायदान पर खिसक गयी है। राधा यादव तीन पायदान के सुधार के साथ रैंकिंग में 15वें स्थान पर है। इस रैंकिंग में श्रृंखला गंवाने वाली इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ है। श्रृंखला के आखिरी मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार हासिल करने वाली स्पिनर चार्ली डीन रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही। वह आठ स्थान के सुधार के साथ तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई। लिसे स्मिथ 9 पायदान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गई जबकि तेज गेंदबाज इस्सी वोंग सात स्थान के सुधार के साथ 50वीं रैंकिंग हासिल करने में सफल रही। एमिली अर्लट 15 स्थान के सुधार के साथ 67वें स्थान पर पहुंच गई। श्रृंखला में 151 रन के साथ इंग्लैंड की शीर्ष स्कोरर सोफिया डंकले बल्लेबाजी रैंकिंग में सात अंक हासिल कर 19वें स्थान पर पहुंच गई। टैमी ब्यूमोंट 19 स्थान की छलांग के साथ 45 वें स्थान पर पहुंच गई।

गिल बोले- मुझे अपनी टीम पर गर्व

● पंत का रन आउट होना मैच का टर्निंग प्वाइंट था; जडेजा की तारीफ की

लॉर्ड्स (एजेंसी)। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 22 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा दूसरी पारी में नाबाद 61 रन बनाए लेकिन भारतीय टीम को जीत नहीं दिला सके। स्पिनर शोएब बशीर ने मोहम्मद सिराज को बोल्ड करके इंग्लैंड को जीत दिलाई। इस तरह इंग्लैंड ने पांच मैच की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मैच के बाद रवींद्र जडेजा की तारीफ की। साथ ही कहा, पहली पारी में ऋषभ पंत का रन आउट होना मैच का निर्णायक पल था।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा, मुझे अपनी टीम पर गर्व है। यह मैच उतना ही करीब था जितना हो सकता है। यह पांच दिन तक चला और आखिरी सीजन में आकर खत्म हुआ। मुझे काफी भरोसा था क्योंकि हमारे पास बल्लेबाजी बची हुई थी। हमें केवल 50-50 रन की दो साझेदारियों की जरूरत थी, लेकिन हम ऐसा कर नहीं सके।

जडेजा बहुत अनुभवी खिलाड़ी

भारत के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा 61 रन जडेजा ने बनाए। उनके बारे में गिल ने कहा, वह बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें कोई मैसेज नहीं भेजा। वह लोअर ऑर्डर के साथ शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। हम बस यही चाहते थे कि वह और लोअर ऑर्डर के बल्लेबाजी जितना लंबा खेल सकें, खेलें।

पंत का विकेट टर्निंग प्वाइंट

पंत पहली पारी में 74 पर रन आउट हो गए थे। उनके विकेट पर गिल ने कहा, निश्चित रूप से वह मैच का टर्निंग प्वाइंट था। एक समय पर हमें लगा था कि अगर हम 80-100 रन की बढ़त ले लें, तो वो निर्णायक साबित हो सकती है। हमें पता था कि पांचवें दिन इस विकेट पर 150-200 रन चेज करना आसान नहीं होगा। अगर हमें वो बढ़त मिल जाती, तो हम अच्छी स्थिति में होते।

भारत ने लॉर्ड्स टेस्ट कैसे गंवाया, 5 कारण

जडेजा-राहुल पर ज्यादा निर्भर हुए, 63 एक्स्ट्रा रन दिए, आर्चर और स्टोक्स की बेहतरीन बॉलिंग

लॉर्ड्स (एजेंसी)। भारत ने लॉर्ड्स स्टेडियम में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट 22 रन से गंवा दिया। 193 रन के टारगेट के सामने मुकाबले के आखिरी दिन टीम इंडिया 170 रन ही बना सकी। इसी के साथ इंग्लैंड ने 5 टेस्ट की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारत की हार में बैटर्स का खराब प्रदर्शन सबसे बड़ी वजह रहा। कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और करुण नायर दोनों पारियों में फ्लॉप रहे। वहीं टीम के लोअर बैटर्स दोनों ही पारियों में बैट से कमाल नहीं कर सके। गेंदबाजी मजबूत रही, इसके बावजूद टीम पहली पारी में बढ़त नहीं ले सकी। इंग्लिश टीम में जोफ्रा आर्चर की वापसी और लॉर्ड्स की पिच पर टॉस गंवाना भी भारत की हार की वजह बना। भारत ने 63 एक्स्ट्रा रन भी दिए।

1. राहुल, पंत, जडेजा पर निर्भरता; करुण, यशस्वी, शुभमन नहीं चले - लीड्स और बर्मिंघम टेस्ट में जहां भारत की बैटिंग शानदार रही थी, वहीं लॉर्ड्स टेस्ट में टीम की बैटिंग ने ज्यादा निराश किया। शुरुआती 2 टेस्ट में शुभमन गिल ने 3 और यशस्वी जायसवाल ने 1 शतक लगाया था। इस बार दोनों मिलकर 39 रन ही बना सके। शुरुआती 2 टेस्ट में 1 भी फिफ्टी नहीं लगा सके करुण भी 40 और 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए।यशस्वी, शुभमन और करुण के खराब प्रदर्शन ने केएल राहुल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा पर निर्भरता बढ़ा दी। राहुल ने 100 और 39 रन की पारियां खेलीं। पहली पारी में पंत ने 74 बनाए। वहीं जडेजा ने 72 और 61 रन की पारियां खेलीं, लेकिन तीनों को बाकी बैटर्स का साथ नहीं मिला। इसलिए टीम मजबूत स्थिति के बावजूद पहली पारी में बढ़त हासिल नहीं कर पाई।

2.लोअर ऑर्डर की फ्लॉप बैटिंग, दोनों पारियों में कोलैप्स - पहली पारी में गेंदबाजों ने इंग्लैंड को 387 रन के कम स्कोर पर समेट दिया। भारत का स्कोर एक समय 376/6 था, यहां से टीम ने 11 रन बनाने में ही आखिरी 4 विकेट गंवा दिए। दूसरी पारी में राहुल ही 39 रन बना सके। उन्हें छोड़कर जडेजा ने ही थोड़ी फाइट दिखाई, बाकी बैटर्स 15 से कम रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए।दूसरी पारी में मुकाबला जीतने के लिए भारत को 193 रन ही चाहिए थे। यहां यशस्वी और वॉशिंगटन सुंदर खाता भी नहीं खोल सके। नायर ने 14, शुभमन ने 6, पंत ने 9 और नीतीश रेड्डी ने 13 रन बनाए। टीम ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 58 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। फिर पांचवें दिन के पहले सेशन में भी 24 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए। 112 रन पर 8वां विकेट गिरते ही टीम की हार भी कन्फर्म हो गई।

3.पिच कठिन होते चली गई - लॉर्ड्स की पिच भी मुकाबला खत्म होते-होते बैटर्स के लिए मुश्किल हो गई। पहले दिन 251 रन बने और 4 विकेट गिरे। यानी औसतन 63 रन बनाने में 1 विकेट गिरा। दूसरे दिन औसत गिरकर 31 पर पहुंच गया। मुकाबले के तीसरे दिन औसत हल्का सा बढ़कर 35 पर पहुंचा। वहीं चौथे दिन 18 पर आ गया।चौथे दिन इंग्लैंड ने 10 और भारत ने 4 विकेट गंवा दिए। फिर पांचवें दिन के पहले सेशन में भी भारत ने 54 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए। यानी आखिरी दिन औसत महज 14 रन का हो गया। बल्लेबाजों की परेशानी की बड़ी वजह लॉर्ड्स की बाउंस और स्विंग रही। जो हर दिन के साथ बदलती चली गई। आंकड़ों से भी साफ जाहिर है कि पिच बैटिंग के लिए मुश्किल होती चली गई। इसलिए टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फायदा इंग्लैंड को बखूबी मिला।

4. जोफ्रा आर्चर की वापसी, स्टोक्स की बॉलिंग - तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 4 साल बाद इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी की है। उन्होंने पहली पारी में अपने पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल को पवेलियन भेज दिया। उन्होंने 23.2 ओवर में 6 मेडन फेंके और महज 2.22 की इकोनॉमी से रन खर्च कर 2 विकेट झटक लिए।सेकेंड इनिंग्स में तो आर्चर ने बेहतरीन रिदम हासिल कर ली। उन्होंने फिर एक बार यशस्वी जायसवाल को कैच कराया। फिर मुकाबले के पांचवें दिन ऋषभ पंत और वॉशिंगटन सुंदर को पवेलियन भेज दिया। पंत को उन्होंने बोल्ड किया, वहीं सुंदर का कैच अपनी ही बॉलिंग पर कर लिया। दूसरी पारी में आर्चर को कप्तान बेन स्टोक्स का बखूबी साथ मिला। जिन्होंने 24 ओवर फेंके और महज 48 रन देकर 3 विकेट झटक लिए। स्टोक्स और आर्चर दोनों ने मैच में 5-5 विकेट लिए।

5. इंग्लैंड का लोअर ऑर्डर; ज्यादा एक्स्ट्रा रन देना - टीम इंडिया के लोअर ऑर्डर बैटर्स जहां पूरी सीरीज में निराश कर रहे हैं, वहीं इंग्लैंड अपने इन्हीं बैटर्स की मदद से ज्यादा स्कोर बना ले रहा है। पहली पारी में टीम ने अपने 7 विकेट 271 रन पर गंवा दिए थे। यहां से ब्रायडन कार्स ने जैमी स्मिथ के साथ पारी संभाली और टीम को 350 के पार पहुंचा दिया।कार्स ने 56 और स्मिथ ने 51 रन बनाए। कार्स ने तो खुलकर शॉट्स खेले और टीम का स्कोर 387 रन तक पहुंचा दिया। दूसरी ओर भारत 6 विकेट गंवाने के बाद भी 11 रन ही बना सका। दूसरी पारी में दोनों टीमों का लोअर ऑर्डर फ्लॉप रहा।दोनों पारियां मिलाकर भारत ने एक्स्ट्रा रन भी ज्यादा दिए। टीम ने पहली पारी में 13 लेग बाय छोड़कर 18 एक्स्ट्रा रन दिए। दूसरी पारी में यह बढ़कर 26 हो गए। यानी मैच में 44 एक्स्ट्रा रन। जबकि इंग्लैंड ने 18 रन ही एक्स्ट्रा दिए। लेग बाय के भी एक्स्ट्रा गिनें तो भारत ने 63, जबकि इंग्लैंड ने 30 ही एक्स्ट्रा रन खर्च किए। भारत ने महज 22 रन से मैच गंवाया।

टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे कम स्कोर

वेस्टइंडीज 27 पर सिमटा, ऑस्ट्रेलिया 176 रन से जीता; सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप

किंग्सटन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज की टीम किंग्स्टन टेस्ट की दूसरी पारी में 27 रन पर ऑलआउट हो गई। यह टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले 1955 में न्यूजीलैंड 26 रन पर सिमट गई थी। ऐसे में यह 70 साल का सबसे छोटा स्कोर है। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 176 रन से जीत लिया। साथ ही कंगारू टीम टेस्ट सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली। इस लो स्कोरिंग मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 225 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 143 रन पर सिमट गई। अपनी दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 121 रन से आगे नहीं बढ़ सकी इस तरह वेस्टइंडीज को 204 रन का टारगेट मिला।

बोलैंड की हैट्रिक - तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 99/6 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से अल्जारी जोसेफ ने 5 और और शमार जोसेफ ने 4 विकेट लिए। जस्टिन ग्रीव्स को एक विकेट मिला। टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के 7 खिलाड़ी शून्य पर आउट हुए। टीम के लिए जस्टिन ग्रीव्स ही ऐसे रहे, जो दोहरे आंकड़े तक पहुंच सके। उन्होंने 24 गेंद में 11 रन बनाए। ग्रीव्स को स्कॉट बोलैंड ने आउट किया। बोलैंड ने अगली दो गेंदों में शमार जोसेफ और जोमेल वारिकन को आउट कर हैट्रिक ली। इसके बाद वेस्टइंडीज की पूरी टीम 27 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क ने 6 और बोलैंड ने 3 विकेट झटके। जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला।

वेस्टइंडीज के 7 बैटर शून्य पर आउट - वेस्टइंडीज के 7 बैटर खाता नहीं खोल सके। इनमें टीम के ओपनर जॉन कैम्बेल और कप्तान रोस्टन चेज शामिल रहे। इनके अलावा केल्वन एंडरसन, ब्रैंडन किंग, शमार जोसेफ, जोमेल वारिकन और जेडन सील्स भी शून्य पर आउट हुए।

स्टार्क के 400 विकेट पूरे - 100वां टेस्ट खेल रहे मिचेल स्टार्क ने पहले ही ओवर में वेस्टइंडीज के 3 विकेट लिए। स्टार्क ने 7.3 ओवर में 9 रन देकर 6 विकेट झटके। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्टार्क ने 3 मैचों की सीरीज में कुल 15 विकेट लिए। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। स्टार्क ने इस मैच के दौरान अपने टेस्ट करियर में 400 विकेट भी पूरे कर लिए। वे 400 टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियन हैं। उनसे पहले शेन वॉर्न, ग्लेन मैक्ग्रा और नाथन लायन 400 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं।

वैभव सूर्यवंशी की शानदार फॉर्म जारी

इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ टेस्ट में ठोका अर्धशतक

लंदन (एजेंसी)। केंट में चल रहे इंग्लैंड अंडर-19 बनाम भारत अंडर-19 के पहले युवा टेस्ट में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर इंटरनेट पर धूम मचा दी है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 39 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान आयुष म्हात्रे के शतक की बदौलत 540 रन बनाए। हालांकि वैभव सूर्यवंशी पहली पारी में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए और 13 गेंदों में तीन चौकों की मदद से केवल 14 रन ही बना पाए। इस बीच इंग्लैंड ने जवाब में 439 रन बनाए जिससे भारत अंडर-19 को 101 रनों की बढ़त मिल गई। 14 वर्षीय वैभव ने दूसरी पारी में कहर बरपाया और 39 गेंदों में 9 चौकों और एक छक्के की मदद से ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा। आर्ची वॉन द्वारा बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को आउट करने के बाद सूर्यवंशी आखिरकार पवेलियन लौट गए। बहरहाल, स्टंप्स तक भारत 239 रनों की बढ़त बना चुका है और पहला युवा टेस्ट जीतने की प्रबल संभावना है।

14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के लिए यह दौरा यादगार रहा है क्योंकि यह खिलाड़ी इंग्लैंड में हर मैच का पूरा फायदा उठा रहा है। भारत के इस सलामी बल्लेबाज ने 5 पारियों में 355 रन बनाए जिसमें एक शतक और युवा वनडे में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड शामिल है। मौजूदा टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहली पारी में उनके प्रदर्शन के बाद आलोचकों ने सूर्यवंशी की लाल गेंद की फॉर्म पर सवाल उठाए थे, लेकिन 14 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी पारी में अर्धशतक जड़कर संदेहों को शांत कर दिया, जिससे इस युवा खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ा।

सूर्यवंशी न सिर्फ बल्ले से बल्कि गेंद से भी धूम मचा रहे हैं। गौरतलब है कि 14 वर्षीय इस गेंदबाज ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम के कप्तान हमजा शेख का अहम विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह युवा टेस्ट इतिहास में विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के गेंदबाज बन गए। इस बाएं हाथ के गेंदबाज ने 13 ओवर फेंके और अपनी बाएं हाथ की स्पिन से 2 विकेट लिए। इस विकेट ने मनीषी का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

जालंधर (एजेंसी)। जाने-माने मैराथन धावक फौजा सिंह की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक घातक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह हादसा दोपहर में जालंधर के पास फौजा के गृहग्राम ब्यास पिंड में हुआ। वह 114 वर्ष के थे। उनकी मौत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट किया है। जानकारी के अनुसार 14 जुलाई दोपहर करीब 3¬30 बजे सड़क पार करते समय सिंह को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें प्यार से 'टर्बन्ड टॉरनेडो' कहा जाता था और उनका जन्म 1 अप्रैल, 1911 को जालंधर में हुआ था। फौजा ने 89 वर्ष की आयु में मैराथन दौड़ना शुरू करके वैश्विक ख्याति प्राप्त की। उन्होंने 100 वर्ष की आयु में 2011 टोरंटो वाटरफ्रंट मैराथन पूरी करके पूर्ण मैराथन पूरी करने वाले सबसे वृद्ध व्यक्ति होने का रिकॉर्ड बनाया।

लॉर्ड्स में गांगुली का शर्ट लहराने की यादों ने आर्चर को प्रेरित किया :स्टोक्स

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने खुलासा किया कि भारत की 2002 में इंग्लैंड पर ऐतिहासिक जीत के बाद सौरव गांगुली द्वारा लार्ड्स की बालकनी में शर्ट लहराने की घटना ने जोफ्रा आर्चर को तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। गांगुली ने नेटवेस्ट ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के फाइनल में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए अपनी शर्ट उतार दी थी और यह आज तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे नाटकीय क्षणों में से एक है।

आर्चर ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को खतरनाक ऋषभ पंत को बोल्ड किया और इसके बाद वाशिंगटन सुंदर का अपनी ही गेंद पर शानदार कैच लिया। भारत इस मैच में 22 रन से हार गया था। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'मैंने आज सुबह उससे कहा, तुम्हें पता है कि आज क्या है। पता है ना। उसने मुझसे कहा, तुम्हें पता है कि उस दिन भारत ने 300 से अधिक रन बनाकर जीत हासिल की थी और गांगुली ने शर्ट लहराई थी। उसे लग रहा था कि वह विश्व कप फाइनल था और इस घटना को आज छह साल हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में अपनी जीत उसी दिन दर्ज की जिस दिन उसने 2019 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में स्कोर बराबर रहने के बाद बाउंड्री काउंट-बैक के आधार पर न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी। हालांकि, जब स्टोक्स ने आर्चर को छह साल पहले के उस महत्वपूर्ण दिन के बारे में याद दिलाया, तो तेज गेंदबाज को 17 साल पहले हुए गांगुली वाले पल की याद आ गई।

स्टोक्स ने कहा, 'मैं उस दिन की बात कर रहा था जब हमने विश्व कप जीता था लेकिन वह कह रहा था, ओह, वो वाला। वह वाकई कमाल का लड़का है। छोटे लक्ष्य के सामने ऋषभ पंत का विकेट वास्तव में महत्वपूर्ण था। मुझे पूरा विश्वास था कि जोफ्रा आज कुछ ऐसा करने वाला है जिससे मैच में अंतर पैदा हो जाए।

हिमाचल में पैराग्लाइडर क्रैश होने से गुजरात के पर्यटक की दर्दनाक मौत

धर्मशाला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय पर्यटन स्थल धर्मशाला में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां पैराग्लाइडर क्रैश होने से गुजरात के अहमदाबाद से आए 25 साल के पर्यटक की मौत हो गई। धर्मशाली के बाहरी हिस्से इंद्रुनाग में यह हादसा हुआ। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कांगरा के एएसपी हितेश लखनपाल ने कहा कि यह हादसा टेकऑफ के दौरान हुआ जब ग्लाइटर हवा में उड़ नहीं सका। कुछ ही दूर जाने के बाद यह पर्यटक को लेकर जमीन पर गिर पड़ा। पर्यटक सतीश राजेश भाई और पायलट सूरज घायल हो गए। सतीश के सिर, मुंह और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। पहले उन्हें जोनल अस्पताल धर्मशाला में भर्ती कराया गया और यहां प्राथमिक उपचार के बाद टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, सूरज का इलाज कांगड़ा के बालाजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सतीश के परिवार को घटना की सूचना दी गई है और पोस्टमॉर्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया जाएगा। इंद्रुनाग में यह छह महीने के भीतर दूसरा पैराग्लाइटिंग हादसा है। जनवरी में यहां 19 साल की भवसार खुशी की मौत हो गई थी। वह भी गुजरात के अहमदाबाद की रहने वाली थी। टेकऑफ के दौरान खुशी का पैराग्लाइडर क्रैश हो गया था। एएसपी ने कहा कि पुलिस जांच कर रही है कि क्या सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी। कांगड़ा के डिप्टी कमिश्नर हेमराज बैरवा ने पूरे जिले में 15 सितंबर तक पैराग्लाइडिंग पर रोक लगा दी है।

समाज में ऐसे लोग जरूरी, जो सरकार के खिलाफ अदालत जा सकें: नितिन गडकरी

नागपुर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि समाज में कुछ ऐसे लोग भी होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ अर्जी दाखिल कर सकें। उन्होंने नागपुर में दिवंगत प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार कार्यक्रम के मौके पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन में अनुशासन बनाए रखने के लिए जरूरी है कि किसी भी गलती पर अदालत का रुख किया जाए। अदालत के माध्यम से प्रशासन में अनुशासन बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ लोग ऐसे होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ अदालत में अर्जी दाखिल कर सकें।
उन्होंने कहा कि ऐसा करने से नेता अनुशासन में रहते हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि कई बार सरकार में बैठे मंत्री भी वह काम नहीं कर पाते हैं, जो अदालत के आदेश पर हो जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि जनता को लुभाने की राजनीति नेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है और वे जनहित में कदम नहीं उठा पाते। इस दौरान उन्होंने ऐसे कई लोगों के उदाहरण भी दिए, जिन्होंने सरकार के खिलाफ ही किसी मामले में अर्जी दाखिल की थी। उन्होंने कहा कि प्रशासन में अनुशासन बनाए रखने के लिए यह जरूरी चीज है। नितिन गडकरी ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ है कि जब लोग अदालत गए तो सरकार को अपने किसी फैसले से पीछे हटना पड़ा।

खोई हुई क्रिकेट बॉल ढूंढ रहा था शख्स, खाली घर में दिखा मानव कंकाल देख

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के नमपल्ली में एक शख्स अपनी खोई हुई क्रिकेट बॉल को ढूंढ रहा था, मगर इस खोज ने अचानक भयावह मोड़ ले लिया। खाली पड़े एक घर में उसने देखा कि वहां पर ढेर सारा मानव कंकाल पड़ा हुआ है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, यह मकान 7 साल से बंद था। यह डरावनी खोज उस वक्त हुई, जब उस व्यक्ति की नजर रसोई के फर्श पर पड़ी और उसने औंधे मुंह पड़ा एक कंकाल देखा। यह देखकर वह काफी डर गया और वहां से भाग निकला। इस घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई।
रिपोर्ट के मुताबिक, यह शख्स जिस वक्त अपनी गेंद को ढूंढ रहा था तब वह वीडियो भी रिकॉर्ड कर रहा था। वीडियो में दिख रहा है कि रेत से ढके फर्श पर खोपड़ी और हड्डियां बिखरी पड़ी हैं। सोशल मीडिया पर यह क्लिप वायरल हो गया है। वीडियो में यह भी नजर आता है कि आसपास बर्तन बिखरे हुए हैं और मकान सालों से खाली प्रतीत होता है। पुलिस ने मौके से सैंपल एकत्र किए हैं और फोरेंसिक जांच शुरू कर दी गई है। कंकाल की पहचान मोर्चरी की रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।पुलिस के सीनियर अधिकारी ने बताया कि मकान का मालिक मुनिर खान था, जिसके 10 बच्चे थे। इस घर में उनका चौथा बेटा रहता था, जो करीब 50 वर्ष का था। वह अविवाहित और संभवतः मानसिक रूप से बीमार था।

सबसे उम्रदराज मैराथन धावक फौजा सिंह का 114 साल की उम्र में निधन

जालंधर, एजेंसी।
विश्व के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक फौजा सिंह का 114 साल की उम्र में निधन हो गया। जालंधर में अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन वहां उनकी मौत हो गई। पंजाब के जालंधर में ब्यास गांव में 1 अप्रैल, 1911 को जन्मे फौजा सिंह एक किसान परिवार में चार बच्चों में सबसे छोटे थे।

उनके पैरों में कुछ दिक्कत थी, जिस वजह से वह पांच साल की उम्र तक चलने में असमर्थ थे। लेकिन जब दौड़े तो उम्र को पीछे छोड़कर दौड़े। दुनिया उनके हौसले को सलाम करती है। उन्हें टर्बेंड टॉर्नेडो (पगड़ीधारी बवंडर), रनिंग बाबा और सिख सुपरमैन कहा जाता है। मशहूर दिवंगत लेखक खुशवंत सिंह ने उन पर किताब टर्बन टोर्नेडो लिखी थी।

फौजा सिंह का बचपन आसान नहीं था। उनके परिवार ने सोचा कि वह अपंग हैं क्योंकि वह पांच साल की उम्र तक चलने में सक्षम नहीं थे। पतले और कमजोर पैरों के कारण वह मुश्किल से लंबी दूरी तक चल पाते थे। उन्होंने अपने परिवार के लिए खेती शुरू की। उनकी शादी ज्ञान कौर के साथ हुई और उनके तीन बेटे और तीन बेटियां हुई। साल 1992 में वह इंग्लैंड चले गए।

फौजा सिंह ने धर्मार्थ कार्यों के लिए 1999 में 89 साल की अवस्था में मैराथन में हिस्सा लेने का फैसला लिया था। उन्होंने लंदन, टोरंटो और न्यूयॉर्क में 26 मील की फुल मैराथन नौ बार पूरी की है। उन्होंने सबसे बेहतरीन समय टोरंटो में निकाला था। यहां उन्होंने पांच घंटे 40 मिनट में अपनी रेस खत्म की थी। 101 साल की उम्र में

दुनिया के सबसे उम्रदराज धावक फौजा सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मैराथन प्रतिस्पर्धा से संन्यास की घोषणा कर दी।

हांगकांग में हुई मैराथन उनकी जिंदगी की आखिरी रेस रही। फौजा यहां कोई मेडल नहीं जीत पाए, लेकिन हमेशा की तरह उन्होंने दौड़ पूरी की। उन्होंने 10 किलोमीटर की अपनी आखिरी रेस एक घंटे 32 मिनट और 28 सेकेंड में पूरी की। हालांकि वह इस दौरान अपने व्यक्तिगत रिकार्ड को भी नहीं छू पाए। 16 अक्टूबर, 2011 को वह टोरंटो मैराथन को 8 घंटे, 11 मिनट और 6 सेकंड में पूरा करके दुनिया के पहले 100 वर्षीय धावक बने। हालांकि जन्म प्रमाणपत्र नहीं होने के कारण उनका यह रिकॉर्ड गिनीज बुक में नहीं दर्ज हो सका।

जुलाई 2012 में हुए ओलिंपिक में फौजा सिंह ने ओलिम्पिक मशाल लेकर दौड़ लगाई। साल 2015 में उन्हें ब्रिटिश एम्पायर मैडल से नवाजा गया। अपनी फिटनेस के बारे में फौजा सिंह कहते थे कि मैं हमेशा हर हाल में खुश रहता हूं और रोज पंजाबी पिन्नी खाता हूं। पिन्नी खाने के बाद एक गिलास गुनगुना पानी। रात में सोने से पहले एक गिलास दूध और हर मौसम में खाने में दही मैं जरुर लेता हूं। यही मेरी तंदुरुस्ती का सबसे बड़ा राज है।

ओडिशा में खुद को आग लगाने वाली छात्रा की मौत, प्रोफेसर के यौन उत्पीड़न से थीं परेशान

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न से परेशान होकर खुद को आग लगाने वाली छात्रा की मौत हो गई है। इस मामले में कॉलेज के प्रिंसिपल के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। खबर है कि राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने राज्य सरकार से उन परिस्थितियों पर रिपोर्ट मांगी है जिनके कारण कॉलेज छात्रा ने आत्मदाह का सहारा लिया।

रिपोर्ट में अस्पताल के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि छात्रा की सोमवार रात मौत हो गई। छात्रा ने प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर खुद को आग के हवाले कर दिया था। खबरें हैं कि इस घटना में वह 90 फीसदी तक झुलस गई थीं और एम्स भुवनेश्वर में उनका इलाज चल रहा था। घटना के एक सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा है कि घटनास्थल पर मौजूद अन्य छात्र छात्रा को बचाने के प्रयास कर रहे हैं। बुरी तरह से झुलसी छात्रा को पहले बालासोर जिला मुख्यालय अस्पताल लाया गया था। बाद में उन्हें शनिवार को ृढ्ढद्गह्य रेफर किया गया था। बर्न यूनिट में एक्सपर्ट्स की एक टीम उनके इलाज में जुटी हुई थी। पीटीआई भाषा के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को एम्स भुवनेश्वर की 'बर्न यूनिट' का दौरा किया और 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। वह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज के प्रधानाचार्य दिलीप घोष को बी.एड. छात्रा के खुद को आग लगाकर आत्महत्या का प्रयास करने के बाद शनिवार को निलंबित कर दिया गया। छात्रा ने आरोप लगाया कि प्रोफेसर द्वारा यौन उत्पीड़न करने के मामले में उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने निलंबन आदेश में कहा कि प्रधानाचार्य मामले को ठीक से संभालने और अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहे। उन पर शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष समीरा कुमार साहू को बचाने का आरोप है, जिन्हें पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

सो नहीं पा रहा; राधिका यादव की हत्या में लव जिहाद की चर्चा पर मां कसम खा क्या बोले इनामुल हक

गुरुग्राम, एजेंसी। टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के बाद चर्चा में आए ऐक्टर इनामुल हक ने एक बार फिर लव जिहाद की अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की है। इनामुल हक ने अपने यूट्यूब चैनल पर करीब घंटेभर लाइव आकर सोशल मीडिया यूजर्स के सवालों के जवाब दिए। हक ने बार-बार मां कसम खाकर राधिका संग अपने रिश्तों को लेकर सफाई दी और यह यकीन दिलाने की भरसक कोशिश की कि उनके साथ म्यूजिक वीडियो में बतौर ऐक्ट्रेस काम कर चुकी खिलाड़ी के साथ उनका कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था।

25 साल की टेनिस खिलाड़ी की हत्या पिछले गुरुवार को उसके पिता दीपक ने गोलियां मारकर कर दी थी। दीपक ने जुर्म कबूल करते हुए कहा कि बेटी की कमाई खाने के तानों से तंग आकर उसने बेटी की जान ले ली। वहीं, हत्या के बाद यह भी अटकलें लगीं कि पिता ने रील और एक म्यूजिक वीडियो में काम करने की वजह से बेटी को मौत के घाट उतारा। यूट्यूब और फेसबुक पर राधिका और इनामुल हक का एक म्यूजिक एल्बम कारवां देखने के बाद कई सोशल यूजर्स ने लव जिहाद का एंगल खोज लिया। सोशल मीडिया पर लव जिहाद की इतना चर्चा बढ़ गई कि इनामुल हक बेचैन हो गए हैं। कई न्यूज चैनलों को इंटरव्यू देने के बाद भी जब सवाल खत्म नहीं हुए तो उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर लाइव आकर पूरी बात रखी। उन्होंने कई बार मां कसम खाते हुए यह भरोसा दिलाया कि उनका राधिका के साथ कोई रिश्ता नहीं था। इनामुल हक ने कहा कि जिस तरह इस मामले में हिंदू मुस्लिम किया जा रहा है, उसकी वजह से वह ना तो सो पा रहे हैं और ना ही खाना खा पा रहे हैं। इनामुल हक ने कहा कि उनकी राधिका से पहली मुलाकात करीब ढाई साल पहले एक टेनिस टूर्नामेंट (टैनिस प्रीमियर लीग) के दौरान दिल्ली में हुई थी। उन्होंने कहा, वहां हम टेनिस प्रीमियर लीग का शूट करने गए थे। मेरी पूरी टीम थी, मैं क्रिएटिव हेड था। हम सारे प्लेयर का शूट कर रहा था। मैं कहीं और शूट कर रहा था मेरी टीम मेट ने बताया कि एक लड़की का कैमरा लुक अच्छा आ रहा है। बाद में मेरी टीम मीट ने आकर कहा कि उस लड़की ने कहा कि ऐक्टिंग उसका शौक है। मैंने कहा कि कुछ मौका होगा तो बताऊंगा। वापस आने के बाद हमने एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो किया। हमारी वहां सिर्फ जान-पहचान हुई थी। इनामुल हक ने कहा कि एक साल बाद उनके पास एक काम आया तो राधिका से संपर्क किया था। ऐक्टर ने कहा कि नोएडा में गाने का शूट हुआ था वहां वह अपनी मां के साथ आई थी। राधिका ने उन्हें बताया था कि पिता को भी गाना पसंद आया। नोएडा में उस दिन 5-6 घंटे शूट हुआ था। इनामुल हक ने कहा कि तीन महीने पहले एक जूलरी शूट के लिए उन्होंने राधिका से बात की थी, लेकिन उन्होंने दिलचस्पी नहीं दिखाई तो आगे कोई बात नहीं हुई। इनामुल हक ने इस बात को लेकर दुख जाहिर किया कि कुछ लोग लव जिहाद का एंगल जोड़कर कह रहे हैं कि उसके पिता ने अच्छा किया। राधिका के लिए लोग कॉमेंट कर रहे हैं कि अच्छा हुआ, गर्व है इसके पिता पर। यह मुझे सबसे ज्यादा चुभ रहा है। इनामुल हक ने मां कसम खाकर कहा कि उनका राधिका के साथ कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा, मैं अपनी मां कसम खाकर कह सकता हूं कि मेरा राधिका के साथ कोई रिलेशन नहीं था। मेरे घर पर भी मां-बहन है। बेटी, मां बहन सबकी जिंदगी में आनी है। उनकी हिफाजत करना हमारा फर्ज है। जो चीज है ही नहीं, उसके बारे में लोग गंदी बाद कर रहे हैं, वह इस दुनिया से जा चुकी है। मैं खुद को मासूम नहीं कह रहा हूं, वह मासूम थी। मैं इसलिए लाइव आया हूं कि मैं राधिका के लिए भी गंदे कॉमेंट्स पढ़ रहा हूं। लोगों को इतनी नफरत है, मजहब को लेकर। लोग कुछ भी बोल रहे हैं।

अमेरिका ने मेक्सिको से इम्पोर्ट होने वाले टमाटरों पर 17 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका ने मेक्सिको से इम्पोर्ट होने वाले टमाटरों पर 17प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इससे अमेरिका- मेक्सिको का 2019 के टमाटर समझौता खत्म हो जाएगा, जिसके तहत मेक्सिको से टमाटर बिना टैरिफ के आते थे। अमेरिकी व्यापार विभाग ने कहा कि स्थानीय किसानों के दबाव के कारण यह कदम उठाया गया, जो मेक्सिको के बढ़ते दबदबे से परेशान हैं। मेक्सिको अमेरिका में खपत होने वाले 70प्रतिशत टमाटरों की आपूर्ति करता है।

हालांकि, मेक्सिको में टमाटर उगाने वाली या आयात पर निर्भर अमेरिकी कंपनियों ने चेतावनी दी है कि इससे किराने की दुकानों में कीमतें बढ़ेंगी और सप्लाई चेन प्रभावित होगी। वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक को इस सिलसिले में कई पत्र भेजे गए

और बातचीत की अपील की। व्यापारिक समूहों ने कहा कि अमेरिकी कंपनियां 50,000 श्रमिकों को रोजगार देती हैं और मेक्सिको से टमाटरों को देश को 8.3 बिलियन डॉलर का मुनाफा होता हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 17प्रतिशत टैरिफ से अमेरिका में टमाटर की खुदरा कीमतें 8.5प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। यह शुल्क राष्ट्रपति ट्रम्प के मेक्सिको और यूरोपीय संघ से आयात पर 30प्रतिशत आधार शुल्क से अलग है, जिसकी घोषणा हाल ही में की गई थी। मेक्सिको में टमाटर उगाने वाली अमेरिकी कंपनियों समेत कुछ लोग टमाटर पर आयात शुल्क लगाने का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि आयात शुल्क लगाने से टमाटर और महंगे हो जाएंगे और अमेरिकी खरीदारों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। दरअसल, साल 2019 में अमेरिका और मेक्सिको के बीच एक समझौता हुआ था कि मेक्सिको टमाटर को एक तय न्यूनतम कीमत पर ही बेचेगा, जिससे अमेरिकी किसानों को नुकसान न हो। इस समझौते की समय-समय पर समीक्षा होती रही और टैक्स नहीं लगाया जाता रहा। अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने अप्रैल के अंत में कहा था कि उन्हें बहुत सारी शिकायतें मिलीं कि अमेरिकी किसान अब भी नुकसान में हैं, इसलिए उन्होंने पुराने समझौते से हटने का फैसला किया। यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स और नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन समेत अन्य संगठनों ने इस फैसले का विरोध किया है।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की क्या ब्लड मनी से बचेगी जान!

सना, एजेंसी। भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को कल यानी बुधवार को यमन में मौत की सजा दी जाएगी। निमिषा 2017 से जेल में बंद हैं, उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट अपने कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था। निमिषा को मौत की सजा से बचाने के लिए डिप्लोमैटिक लेवल पर कई कोशिशें की गईं, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं हुआ।

यमन में सिर्फ गोली मारकर ही मौत की सजा दी जाती है। हालांकि, यहां पत्थर मारना, फांसी देना और सिर कलम करने का भी प्रावधान है, लेकिन इनका इस्तेमाल नहीं किया जाता है। गोली मारने से पहले दोषी को किसी गलीचे या कंबल पर चेहरा नीचे करके लेटा दिया जाता है। इसके बाद डॉक्टर दोषी की पीठ के ऊपर दिल की जगह पर एक निशान लगाता है और फिर जल्लाद ऑटोमैटिक राइफल से उसकी पीठ में गोलियां मारता है। कुछ मामलों में मृत्युदंड से पहले कोड़े मारने की सजा भी दी जाती है।

यमन के पीनल कोड के मुताबिक किसास, हुदूद और ताजीर के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है। आंख के बदले आंख का नियम, इसके तहत हत्या के मामलों में पीड़ित के परिवार को ब्लड मनी लेकर माफी लेने का अधिकार है। व्यभिचार, समलैंगिकता, धर्मत्याग और डकैती जैसे अपराधों के लिए शरिया के तहत मृत्युदंड दिया जा सकता है। गंभीर अपराधों जैसे आतंकवाद, जासूसी, या देशद्रोह के लिए मृत्युदंड दिया जा सकता है।

भारत और पाकिस्तान में एक सप्ताह में शुरू हो जाता परमाणु युद्ध, डोनाल्ड ट्रंप ने किया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रोकने का क्रेडिट ले रहे हैं। अब उन्होंने दावा किया है कि दोनों मुल्कों के बीच परमाणु युद्ध छिड़ने वाला था। खास बात है कि भारत लगातार इस दावे को खारिज करता रहा है कि संघर्ष विराम में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका थी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने भी कार्रवाई की थी। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा, हम युद्ध रुकवाने में काफी सफल रहे हैं। भारत और पाकिस्तान को देख लें... जिस तरह से चल रहा था, वैसे भारत और पाकिस्तान में एक और सप्ताह में परमाणु युद्ध छिड़ जाता। वो बहुत बुरी तरह से चल रहा था। हमने उसे व्यापार की मदद से सुलझाया। मैंने कहा कि जब तक आप इसका समाधान नहीं करेंगे, तब तक हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे। और उन्होंने ऐसा किया...।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने इस तरह का दावा किया हो। पहले भी वह कई मौकों पर कहते रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने में उन्होंने भूमिका निभाई है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी इस तरह का दावा कर चुके हैं।

यूलिया स्विरीडेंको बनीं यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री, निवर्तमान पीएम को रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी

कीव, एजेंसी।
यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूलिया स्विरीडेंको को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। वहीं लंबे समय से इस पद पर रहे निवर्तमान पीएम डेनिस शम्हाल को नया रक्षा मंत्री बनाया गया है। वहीं निवर्तमान रक्षा मंत्री रुस्तेम उमेरोव को अमेरिका में यूक्रेन का नया राजदूत बनाया जा सकता है। स्विरीडेंको इससे पहले यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री पद पर तैनात थीं। हालांकि अभी नई नियुक्तियों को यूक्रेनी संसद की मंजूरी जरूरी होगी। हालांकि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ही जिस तरह से पूरी संसद राष्ट्रपति जेलेंस्की के पीछे लामबंद है, उसे देखते हुए उम्मीद है कि नई नियुक्तियों को मंजूरी मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक बयान जारी कर कहा कि स्विरीडेंको (39 वर्षीय) एक अर्थशास्त्री हैं, जो अब सरकार का नेतृत्व करेंगी और इसके कामकाज में बदलाव करेंगी। वहीं शम्हाल का अनुभव यूक्रेन के रक्षामंत्री के तौर पर बेहद मूल्यवान है। यही वो क्षेत्र है, जहां देश के सबसे ज्यादा संसाधन लगे हैं और सबसे बड़ी जिम्मेदारी केंद्रित है। स्विरीडेंको ने इस साल अमेरिका के साथ खनिज समझौता करने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद स्विरीडेंको की खूब चर्चा हुई थी।

प्रधानमंत्री पद के लिए नाम का एलान होने पर यूलिया स्विरीडेंको ने एक बयान जारी कर कहा कि यूक्रेन बेहद अहम दौर से गुजर रहा है और फिलहाल उनकी प्राथमिकता युद्धग्रस्त यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को बेहतर करना है, साथ ही घरेलू समर्थन कार्यक्रमों को विस्तार देना और हथियारों के उत्पादन में तेजी लाना है। स्विरीडेंको ने नौकरशाही में कमी करने, व्यापार को बढ़ावा देने और फिलहाल गैर

जरूरी खर्चों में कमी लाने की भी बात कही। स्विरीडेंको ने कहा कि फिलहाल उनका पूरा फोकस देश के सभी संसाधनों को सुरक्षा क्षेत्र में लगाने और युद्ध से उबरने पर है। यूलिया को नए पीएम बनाए जाने की कोशिश को लेकर विपक्षी पार्टियां नाराज हैं। उनका कहना है कि उप-प्रधानमंत्री को ही प्रधानमंत्री बनाना कोई बड़ा बदलाव नहीं है, बल्कि बस चेहरों की अदला-बदली है। कुछ विरोधियों का यह भी आरोप है कि जेलेंस्की ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि वह अपनी सत्ता और मजबूत कर सकें। उन्होंने जेलेंस्की पर अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। यह भी घोषणा की कि वे मौजूदा प्रधानमंत्री डेनिस शिमहाल को रक्षा मंत्री बनाना चाहते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि शिमहाल का अनुभव इस पद के लिए बेहद अहम और कीमती होगा। उन्होंने बताया कि इस समय देश के सबसे अधिक संसाधन और जिम्मेदारियां रक्षा मंत्रालय से जुड़ी हैं, इसलिए इस क्षेत्र में कुशल नेतृत्व की जरूरत है। अगर संसद इस बदलाव को मंजूरी देती है, तो शिमहाल वर्तमान रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव की जगह लेंगे। जेलेंस्की ने बताया कि उमेरोव को अमेरिका में यूक्रेन का राजदूत बनाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अमेरिका के साथ संबंधों में और तेज़ी और यूक्रेन के रक्षा क्षेत्र के प्रबंधन में नए कदमों की जरूरत है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129